वर्ष-07 - अंक 325
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
बुधवार, 02 सितम्बर 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बारिश में जलमग्न हो जाती हैं सड़कें........................ 3
2027 का यूपी विधानसभा चुनावः वादों से आगे जनता के असली 4
नगर निगम के कर्मचारी बालू चोरी करते पकड़े गए.................................. 11

नीट प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर रद्द

नई दिल्ली(एजेंसी)। नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में शामिल छात्रों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। मंगलवार को शीर्ष अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिले अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली समेत पांच राज्यों में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। अदालत के इस फैसले के बाद दिल्ली, असम, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार में 20 से 25 जुलाई के बीच नीट प्रदर्शन से जुड़े दर्ज मामलों पर कार्रवाई समाप्त हो जाएगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। दिल्ली पुलिस और चारों राज्यों की सरकारों की ओर से भी अदालत से अनुच्छेद 142 के तहत इन मामलों को खत्म करने का अनुरोध किया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत और आपसी विश्वास को समस्या के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार नीट प्रदर्शन से संबंधित वे एफआईआर रद्द की जाएंगी, जो दिल्ली के अलावा असम, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार में दर्ज की गई थीं। ये मामले 20 से 25 जुलाई के बीच नीट-यूजी पेपर लीक के विरोध में हुए प्रदर्शनों से जुड़े थे। अदालत में सुनवाई के दौरान प्रदर्शनकारियों की ओर से मामले वापस लिए जाने और सरकार की ओर से सकारात्मक रुख अपनाए जाने पर भी चर्चा हुई। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि दोनों पक्ष खुले मन से बातचीत करें और एक-दूसरे पर भरोसा रखें तो जटिल से जटिल समस्या का समाधान भी निकाला जा सकता है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के दौरान दिए गए आश्वासन पर कायम है। उन्होंने अदालत को बताया कि नीट प्रदर्शन के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने मुआवजे की प्रक्रिया तय करने के लिए तीन महीने का समय मांगा है। इसके तहत अलग-अलग राज्य सरकारों और संबंधित पक्षों से बातचीत कर मुआवजे का तरीका और अन्य आवश्यक प्रक्रिया तय की जाएगी। सरकार के इस आश्वासन को सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण कदम माना गया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में 2873 लोगों से जुड़ा एक अहम पहलू भी सामने आया है। प्रदर्शन से संबंधित मामलों में राहत दिए जाने के बावजूद केंद्र सरकार को ऐसे 2873 लोगों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी गई है, जिनके बारे में आपराधिक इतिहास होने की बात कही गई है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि इन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड मौजूद है। इस पर प्रदर्शनकारियों की ओर से पेश वकील हरिहरन ने इन 2873 लोगों की सूची उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक पृष्ठभूमि के आधार पर कार्रवाई की जानी है। इस मुद्दे को लेकर आगे की कार्रवाई संबंधित व्यक्तियों के आपराधिक रिकॉर्ड और उनकी भूमिका के आधार पर की जाएगी। अदालत के आदेश के बाद अब यह स्पष्ट किया जाना बाकी है कि सूची में शामिल लोगों के खिलाफ किन मामलों और किन आरोपों के आधार पर कार्रवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने अदालत को बताया कि संगठन ने पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सकारात्मक आश्वासन और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को देखते हुए संगठन ने यह निर्णय लिया है। अदालत ने सौरव दास के बयान को रिकॉर्ड पर लिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और सरकार के बीच बातचीत को लेकर भी सकारात्मक संदेश सामने आया। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच हुई बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक रही है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के दुश्मन नहीं हैं और बातचीत के माध्यम से समाधान निकाला जा सकता है।

रक्षा मंत्री ने 16 डीपीएसयू के कामकाज की समीक्षा की

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को देश के 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) के वार्षिक प्रदर्शन और प्रगति की व्यापक समीक्षा की। नई दिल्ली स्थित रक्षा सार्वजनिक उपक्रम भवन में हुई बैठक में उन्होंने सभी डीपीएसयू को अगले पांच वर्षों के लिए स्पष्ट, व्यावहारिक और दूरगामी रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह रोडमैप बदलती युद्ध तकनीक और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने वाला होना चाहिए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बैठक के दौरान रक्षा उत्पादन बढ़ाने, स्वदेशी तकनीक के विकास, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा रक्षा निर्यात को गति देने पर विशेष चर्चा हुई। रक्षा मंत्री ने डीपीएसयू के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन में उनके योगदान की सराहना की। राजनाथ सिंह ने कहा कि डीपीएसयू देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने उत्पादन क्षमता और तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ अनुसंधान एवं विकास को मजबूत करने पर जोर दिया, ताकि भारतीय सशस्त्र बलों की भविष्य की जरूरतों को अधिक से अधिक देश में ही पूरा किया जा सके। रक्षा मंत्री ने डीपीएसयू से अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने बदलती युद्ध तकनीक और सुरक्षा वातावरण के अनुरूप नई तकनीकों को अपनाने तथा अपनी क्षमताओं में लगातार सुधार करने की आवश्यकता बताई। बैठक में रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। राजनाथ सिंह ने डीपीएसयू को अंतरराष्ट्रीय बाजार की जरूरतों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले और प्रतिस्पर्धी रक्षा उत्पाद विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ाने में डीपीएसयू की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि डीपीएसयू में बदलाव को केवल आर्थिक या औद्योगिक सुधार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत से भी जुड़ा है। आधुनिक युद्ध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त प्रणालियों, ड्रोन, साइबर क्षमताओं और उन्नत हथियार प्रणालियों का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में रक्षा क्षेत्र की संस्थाओं को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना जरूरी है। समीक्षा बैठक का उद्देश्य डीपीएसयू को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम, आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनाना रहा। मंत्रालय के अनुसार, स्वदेशी तकनीक, अनुसंधान एवं विकास, उत्पादन क्षमता और निर्यात पर जोर देने से भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य डीपीएसयू को ऐसी क्षमता से लैस करना है, जिससे वे भारतीय सशस्त्र बलों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के साथ वैश्विक रक्षा बाजार में भी भारतीय उत्पादों की मजबूत मौजूदगी सुनिश्चित कर सकें।

आपदा से निपटने के लिए बनेगी 'अर्जुन वाहिनी'

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बाढ़, भूस्खलन, चक्रवात और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए राज्य सरकार ने एक विशेष आपदा प्रतिक्रिया बल गठित करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को 'अर्जुन वाहिनी' के गठन की जानकारी देते हुए बताया कि इसके पहले चरण में राज्य सैनिक बोर्ड के माध्यम से 200 पूर्व सैनिकों को इस विशेष बल में शामिल किया गया है। चयनित सभी कर्मी 40 वर्ष से कम आयु के सेवानिवृत्त सैनिक हैं। सरकार का उद्देश्य सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त और आपात परिस्थितियों में काम करने का अनुभव रखने वाले लोगों की विशेषज्ञता का इस्तेमाल प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में करना है। यह बल विशेष रूप से उन इलाकों में सक्रिय रहेगा, जहां बाढ़, भूस्खलन और चक्रवात जैसी आपदाओं का खतरा अधिक रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में भारतीय सेना में चार वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों को भी 'अर्जुन वाहिनी' में प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार का मानना है कि सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त इन युवाओं के अनुशासन, शारीरिक क्षमता और आपात परिस्थितियों में काम करने के अनुभव का इस्तेमाल आपदा प्रबंधन में प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। अग्निवीरों को इस बल से जोड़ने का उद्देश्य प्रशिक्षित मानव संसाधन का एक ऐसा समूह तैयार करना है, जो प्राकृतिक आपदा के समय कम समय में प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर सके। राज्य सरकार के अनुसार 'अर्जुन वाहिनी' के सदस्यों को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की तर्ज पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें बाढ़, भूस्खलन, चक्रवात और अन्य आपात परिस्थितियों में राहत एवं बचाव अभियान चलाने के लिए तैयार किया जाएगा। बल के सदस्यों को दुर्गम और जोखिम वाले क्षेत्रों में काम करने के लिए आधुनिक उपकरण और जरूरी संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान आपदा प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने, जोखिम वाले इलाकों में अभियान चलाने और आपात परिस्थितियों में तत्काल राहत पहुंचाने पर विशेष जोर रहेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार पश्चिम बंगाल के सुंदरबन और पहाड़ी क्षेत्रों जैसे आपदा संभावित इलाकों में 'अर्जुन वाहिनी' की तैनाती की जाएगी। सुंदरबन में चक्रवात और बाढ़ का खतरा रहता है, जबकि राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन समेत अन्य प्राकृतिक आपदाएं सामने आती रहती हैं।

अचानक प्रेसिडेंसी जेल पहुंचे सीएम शुभेंदु

कोलकाता। प्रेसिडेंसी जेल की हाई सिक्योरिटी सेल से मोबाइल फोन और अत्याधुनिक संचार उपकरण बरामद होने के बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी मंगलवार को अचानक कोलकाता की प्रेसिडेंसी जेल पहुंच गए। मुख्यमंत्री करीब सवा दो बजे जेल परिसर पहुंचे। उनके अचानक पहुंचने के बाद जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था में हलचल बढ़ गई। हालांकि, मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर तत्काल कोई विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मुख्यमंत्री ने जेल परिसर का निरीक्षण किया और वहां बंदियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों की कार्यशाला और विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करने के साथ बंदियों से उनकी सुविधाओं और समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ऋषि अरविंद की प्रतिमा और उनके नाम से जुड़े सेल का भी निरीक्षण किया।

सरकारी सीबीएसई स्कूलों में अब तीन बार लगेगी हाजिरी

शिमला(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सरकारी सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को शिक्षा विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश में संचालित 150 सीबीएसई स्कूलों में दिन में तीन बार उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। अब स्कूलों में प्रातः पहुंचने के समय, दोपहर के भोजनावकाश के दौरान और छुट्टी के समय उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सरकारी सीबीएसई स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत करना और विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को उनके घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने पर सरकार का विशेष जोर है। मुख्यमंत्री ने सरकारी सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग ड्रेस कोड निर्धारित करने के भी निर्देश दिए। शिक्षकों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड एक अक्तूबर 2026 से अनिवार्य किया जाएगा। ड्रेस की खरीद में शिक्षकों को आर्थिक सहायता देने का भी निर्णय लिया गया है। इसके तहत प्रत्येक शिक्षक को निर्धारित ड्रेस खरीदने के लिए एकमुश्त 5,000 रुपये की विशेष वित्तीय सहायता दी जाएगी। वहीं, विद्यार्थियों की स्कूल यूनिफॉर्म को लेकर अंतिम निर्णय अगले एक सप्ताह के भीतर लिए जाने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सीबीएसई स्कूलों में करीब 1,200 शिक्षकों की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। आने वाले समय में आवश्यकता के अनुसार और शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरकारी सीबीएसई स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन स्कूलों का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उनके घर के नजदीक उपलब्ध करवाना है, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़े।

बाढ़ में भगवान को अकेला छोड़ने से पुजारी का इनकार

चित्रकूट(एजेंसी)। मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद चित्रकूट में बाढ़ का संकट गहराता जा रहा है। रामघाट समेत बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रशासन ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। इसी बीच रामघाट स्थित बड़ा मठ में आस्था और विश्वास की ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने सभी का ध्यान खींचा। बाढ़ के बीच मंदिर में पूजा कर रहे पुजारी ने भगवान को अकेला छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाने से साफ इनकार कर दिया। मंगलवार सुबह जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह रामघाट स्थित बड़ा मठ पहुंचे। अधिकारियों ने मंदिर में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के साथ वहां मौजूद लोगों की सुरक्षा को लेकर जानकारी ली। इसी दौरान उन्होंने मंदिर में पूजा कर रहे पुजारी से सुरक्षित स्थान पर चलने का अनुरोध किया। डीएम और एसपी ने पुजारी से हाथ जोड़कर मंदिर से बाहर निकलने की अपील की। अधिकारियों ने पुजारी से कहा कि वह अपने अन्य साथियों को भी मंदिर से बाहर जाने के लिए कहें, ताकि बाढ़ की स्थिति बिगड़ने पर किसी प्रकार का खतरा न हो। प्रशासन की अपील के बाद मंदिर से जुड़े कुछ सदस्य बाहर निकल आए, लेकिन पुजारी अपनी जगह से नहीं हटे। पुजारी ने अधिकारियों से साफ शब्दों में कहा कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी भगवान की सेवा और उनके चरणों में बिताई है। ऐसे समय में भगवान को मंदिर में अकेला छोड़कर वह कहीं नहीं जा सकते। उनका कहना था कि जब तक भगवान यहां हैं, वह भी यहीं रहेंगे।

महापंचायत में गरजे राकेश टिकैत, भाजपा पर साधा निशाना

मेरठ(एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन की ओर से मेरठ में आयोजित महापंचायत में राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने किसानों से आंदोलन से जुड़े रहने की अपील करते हुए कहा कि वर्ष 2027 में होने वाले चुनाव में हर व्यक्ति को अपनी पसंद के प्रत्याशी को वोट देने का अधिकार है। टिकैत ने आरोप लगाया कि सरकार चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करती है और पर्चे निरस्त कराकर निर्विरोध चुनाव कराने का काम किया जाता है। महापंचायत के मंच से उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक हैं और किसान अपने राजनीतिक निर्णय खुद लेने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि राजनीतिक पसंद चाहे जो हो, लेकिन किसानों के मुद्दों को लेकर चल रहे आंदोलन में उनकी भागीदारी बनी रहनी चाहिए। महापंचायत के दौरान राकेश टिकैत से केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को लेकर भी सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि बार-बार एक ही व्यक्ति को लेकर सवाल क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'जब जयंत को कृषि मंत्रालय मिल जाएगा, तब उनसे सवाल पूछा जाएगा।' टिकैत के इस बयान के बाद मंच पर मौजूद लोगों के बीच चर्चा रही। राकेश टिकैत ने मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों का मुद्दा भी महापंचायत में उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार व्यापारियों की दुकानों को तोड़कर उनका कारोबार खत्म कर रही है। टिकैत ने कहा कि किसान व्यापारियों और इस कार्रवाई से प्रभावित लोगों के साथ खड़े हैं और उन्हें पूरा समर्थन दिया जाएगा। महापंचायत के मंच से व्यापारियों के समर्थन का संदेश किसान-व्यापारी एकजुटता के तौर पर भी देखा गया। टिकैत ने कहा कि किसानों के साथ-साथ आम लोगों और व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर भी आवाज उठाई जाएगी। महापंचायत के बीच राकेश टिकैत कमिश्नरी पार्क में धरने पर बैठे रवि गौतम से मिलने भी पहुंचे। उन्होंने रवि गौतम से बातचीत कर उनकी मांगों और पूरे मामले की जानकारी ली। इस दौरान टिकैत ने पुलिस की कार्रवाई को निंदनीय बताया और अधिकारियों को चेतावनी दी कि प्रदर्शनकारियों के साथ किसी भी तरह की ज्यादती नहीं होनी चाहिए।

400 यूनिट तक बिजली खपत वालों के घर मुफ्त लगेंगे सोलर पैनल

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और आम उपभोक्ताओं को बिजली के बढ़ते खर्च से राहत देने के लिए दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली कैबिनेट ने संशोधित सौर नीति को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत 400 यूनिट तक मासिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं के घरों पर तीन किलोवाट क्षमता वाले सोलर पैनल मुफ्त लगाए जाएंगे। सरकार का दावा है कि इस योजना से उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार दिल्ली सरकार ने मार्च 2027 तक राजधानी के करीब 2.30 लाख बिजली उपभोक्ताओं के घरों पर मुफ्त सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य तय किया है। सरकार का जोर इस योजना को तय समय-सीमा में लागू करने पर है, ताकि अधिक से अधिक परिवार सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकें। योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना नहीं है, बल्कि दिल्ली में नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ाना भी है। सरकार का मानना है कि बड़ी संख्या में घरों पर सौर पैनल लगाए जाने से पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होगी और स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा। संशोधित नीति के तहत पात्र उपभोक्ताओं के घरों पर तीन किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाए जाएंगे। खास बात यह है कि इसके लिए लाभार्थी को अपनी जेब से कोई राशि खर्च नहीं करनी होगी। केंद्र और दिल्ली सरकार मिलकर सोलर पैनल की लागत वहन करेंगी। सरकार के मुताबिक, एक उपभोक्ता के घर सोलर पैनल लगाने की कुल लागत करीब 1.56 लाख रुपये होगी। इसमें 78 हजार रुपये की सब्सिडी केंद्र सरकार की ओर से और शेष 78 हजार रुपये दिल्ली सरकार की ओर से दिए जाएंगे। इस तरह उपभोक्ता के लिए यह योजना शून्य निवेश वाली होगी।दिल्ली सरकार ने सोलर पैनल लगाने के साथ उपभोक्ताओं को अतिरिक्त बिजली बचाने और ग्रिड को देने के लिए प्रोत्साहित करने की भी योजना बनाई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, यदि कोई उपभोक्ता अपनी मासिक 200 यूनिट बिजली की खपत के बाद सोलर पैनल से बनी 100 यूनिट अतिरिक्त बिजली ग्रिड को वापस देता है, तो उसे सरकार की ओर से 9,500 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य लोगों को केवल बिजली उपभोक्ता के रूप में नहीं, बल्कि बिजली उत्पादक के रूप में भी आगे लाना है। सरकार चाहती है कि घरों में पैदा होने वाली अतिरिक्त सौर ऊर्जा का उपयोग ग्रिड में किया जाए, जिससे बिजली व्यवस्था पर दबाव कम हो सके। सरकार का मानना है कि इस योजना से मध्यम वर्ग और आम उपभोक्ताओं को बिजली खर्च में राहत मिलेगी। सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन होने के कारण घरों की पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हो सकती है। वहीं अतिरिक्त बिजली ग्रिड को दिए जाने पर उपभोक्ताओं को आर्थिक प्रोत्साहन भी मिलेगा। दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को देखते हुए सरकार इस योजना को पर्यावरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मान रही है।

भारतीय वायुसेना में शक्ति शर्मा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय वायुसेना की अधिकारी एयर वाइस मार्शल शक्ति शर्मा ने सशस्त्र बलों में एक नया इतिहास रच दिया है। वह देश के सशस्त्र बलों में एयर वाइस मार्शल या समकक्ष रैंक हासिल करने वाली पहली गैर-चिकित्सकीय महिला अधिकारी बन गई हैं। उन्होंने मंगलवार, एक सितंबर को एयर मुख्यालय में सहायक वायुसेना प्रमुख (शिक्षा) का कार्यभार संभाला। इससे पहले वह एयर कमोडोर के पद पर कार्यरत थीं। शक्ति शर्मा की इस उपलब्धि को भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और नेतृत्व क्षमता के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति से यह भी स्पष्ट होता है कि रक्षा सेवाओं में महिलाओं को अब उच्च स्तर की प्रशासनिक, शैक्षणिक और नेतृत्व संबंधी जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। शक्ति शर्मा को 18 जून 1994 को भारतीय वायुसेना की शिक्षा शाखा में कमीशन मिला था। तीन दशक से अधिक लंबे सैन्य करियर के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों, फील्ड स्टेशनों, कमान मुख्यालयों और एयर मुख्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने शिक्षा और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यों में योगदान दिया। अब एयर मुख्यालय में सहायक वायुसेना प्रमुख (शिक्षा) की नई जिम्मेदारी मिलने के बाद उनके अनुभव का इस्तेमाल वायुसेना की शैक्षणिक और प्रशिक्षण व्यवस्था को और मजबूत करने में किया जाएगा। शक्ति शर्मा ने शिक्षा और रक्षा के बीच सहयोग बढ़ाने वाली कई महत्वपूर्ण पहलों में नेतृत्व किया है। उन्होंने आईआईटी कानपुर और पुणे विश्वविद्यालय में वायुसेना के उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। इन केंद्रों का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों और रक्षा क्षेत्र के बीच रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना था। इन पहलों के माध्यम से रक्षा क्षेत्र से जुड़े अध्ययन, अनुसंधान और विशेषज्ञता को शैक्षणिक संस्थानों के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया। उनके नेतृत्व और अनुभव को देखते हुए उन्हें शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाती रही हैं। शक्ति शर्मा की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय सैनिक स्कूल से जुड़ा है। वह तीनों सेनाओं की पहली महिला अधिकारी बनीं, जिन्होंने किसी सैनिक स्कूल की कमान संभाली। उन्होंने सैनिक स्कूल कपूरथला की प्रिंसिपल के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई।

संक्षिप्त खबरें

संगीता वर्मा बनीं शिक्षामित्र शिक्षक संघ टांडा की ब्लाक अध्यक्ष

अम्बेडकरनगर। शिक्षामित्र शिक्षक संघ अम्बेडकर नगर के जिलाध्यक्ष राम चन्दर मौर्य ने संगठन का विस्तार करते हुए प्राथमिक विद्यालय पुंथर में कार्यरत शिक्षामित्र संगीता वर्मा को शिक्षामित्र शिक्षक संघ ब्लाक इकाई टांडा का ब्लाक अध्यक्ष मनोनीत किया है। संगीता वर्मा के मनोनयन से संगठन के पदाधिकारियों एवं शिक्षामित्रों में खुशी की लहर है। उनके मनोनयन पर जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रजिया खातून, जिला महामंत्री मोहम्मद मोसीर खान, जिला उपाध्यक्ष हरिवंश दूबे एवं राहुल सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सौरभ उपाध्याय, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र कुमार यादव, जिला कोषाध्यक्ष पंडित संजय शर्मा, ब्लाक अध्यक्ष सर्वेश कुमार एवं राम करन प्रजापति, ब्लाक महामंत्री राम अशीष वर्मा सहित जनपद के शिक्षामित्रों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। संगठन पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि संगीता वर्मा के नेतृत्व में टांडा ब्लाक इकाई संगठन को और मजबूत करने तथा शिक्षामित्रों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पर ड्राप मोर क्रॉप माइकोइरीग्रेशन योजना के तहत जिले को लक्ष्य आवंटित

अम्बेडकरनगर। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित 'पर ड्राप मोर क्रॉप माइकोइरीग्रेशन योजना के तहत वर्ष 2026-27 के लिए जिले को 1801 हेक्टेयर का लक्ष्य शासन द्वारा आवंटित किया गया है, जिसके तहत योजना में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली जैसे-ड्रिप सिंचाई, मिनी स्प्रिंकलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर, एवं रेनगन स्प्रिंकलर उपकरणों / संयन्त्र को स्थापित करवाने पर राज्य सरकार द्वारा 65 से 90 प्रतिशत तक सहायता अनुमन्य है। इन उपकरणों को लगाने से जहां फसलो की सिंचाई में पानी की बचत होगी। वहीं किसानों को फायदा भी मिलेगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि इस प्रणाली के प्रयोग से भूगर्भ जल की बचत के साथ-साथ पैदावार में भी वृद्धि होती है, योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक किसानों द्वारा PMIP पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करना होगा। 'पर ड्राप मोर क्रॉप माइकोइरीग्रशन योजना में ड्रिप व मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम पर लघु एवं सीमांत कृषकों को 90 प्रतिशत एवं अन्य कृषको को 80 प्रतिशत का अनुदान अनुमन्य है। इसी प्रकार पोर्टेबल स्प्रिंकलर एवं रेनगन स्प्रिंकलर पर लघु एवं सिमांत कृषकों को 75 प्रतिशत एवं अन्य कृषकों को 65 प्रतिशत का अनुदान देय है। पोर्टल संबंधी किसी भी समस्या अथवा अधिक जानकारी के लिए योजना प्रभारी अमरनाथ दूरभाष संख्या-7651894223 पर सम्पर्क कर सकते है।

180 ग्राम पंचायतों में रोजगार हुआ शून्य, सीडीओ गंभीर रोका वेतन

देवरिया। ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की योजना की जिले में स्थिति संतोषजनक नहीं मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी राजेश सिंह ने कड़ी नाराजगी जताई। 16 विकासखंडों की 180 ग्राम पंचायतों में अब तक एक भी मानव दिवस का रोजगार सृजन नहीं हुआ है। सीडीओ ने रोजगार सृजन होने तक संबंधित ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम रोजगार सेवक का वेतन आहरित नहीं करने के निर्देश दिए। विकास भवन में विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण (विबीजी-राम जी) की समीक्षा के दौरान यह स्थिति सामने आई।

नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी का बस्ती में भव्य स्वागत, सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के राष्ट्रीय महामंत्री बनने के बाद पहली बार गृह जनपद बस्ती पहुंचने पर सोमवार को कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जिले की सीमा घघौआ से लेकर बस्ती शहर तक जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारी बारिश के बावजूद कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह कम नहीं हुआ। मार्ग में ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी, फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा के साथ हरीश द्विवेदी का अभिनंदन किया गया। हरीश द्विवेदी के स्वागत को लेकर कार्यकर्ता सुबह से ही विभिन्न स्थानों पर पहुंचने लगे थे। जैसे ही उनका काफिला जिले की सीमा घघौआ पहुंचा, बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए उनका स्वागत किया। इसके बाद पराग ढाबा, विक्रमजोत, छावनी, हरैया, महाराजगंज, तिलकपुर शिव मंदिर, गोटवा, रिठिया फुटहिया, मूड़घाट, बड़ेवन, साई मंदिर कटरा, कंपनी बाग, गांधीनगर, रोडवेज और दक्षिण दरवाजा सहित कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया।

घघौआ से ही शुरू हुआ स्वागत का सिलसिला घघौआ बॉर्डर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह की ओर से भी हरीश द्विवेदी के स्वागत की विशेष तैयारी की गई थी। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा के बीच हरीश द्विवेदी का स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रमों के दौरान पूरे मार्ग पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। **विक्रमजोत में विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में भव्य स्वागत** हरैया विधानसभा क्षेत्र के विक्रमजोत स्थित ढाबे पर विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में हरीश द्विवेदी का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, समाजसेवी और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा पुष्पवर्षा कर राष्ट्रीय महामंत्री का अभिनंदन किया। इसी दौरान भाजपा की नवनियुक्त राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सदस्य संगीता यादव का भी स्वागत किया गया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिलना बस्ती और प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रति लंबे समय से किए गए समर्पण और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पकड़ के कारण उन्हें यह महत्वपूर्ण **हरिद्वार मिश्रा के नेतृत्व में भी हुआ स्वागत** हरैया विधानसभा क्षेत्र में लोकप्रिय नेता हरिद्वार मिश्रा के नेतृत्व में भी हरीश द्विवेदी का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय महामंत्री के समर्थन में नारे लगाए और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। घघौआ से बस्ती शहर तक लगातार हुए स्वागत कार्यक्रमों के कारण पूरे मार्ग पर उत्सव जैसा माहौल रहा। भारी बारिश के बावजूद कार्यकर्ताओं की भीड़ और उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। जगह-जगह फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा से राष्ट्रीय महामंत्री का अभिनंदन किया गया।

बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

स्वागत कार्यक्रमों में विधायक अजय सिंह, रवि सोनकर, संजय जायसवाल, चंद्रप्रकाश शुक्ला, दयाराम चौधरी, प्रेम सागर तिवारी, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, पवन कसौधन, राजेश पाल चौधरी, गोपेश्वर त्रिपाठी, राणा दिनेश प्रताप सिंह, अनिल सिंह, अवधेश सिंह, राजकिशोर सिंह, संजय चौधरी, गजेंद्र सिंह, हरीश सिंह, ध्रुव सिंह, अश्विन उपाध्याय, प्रत्युष विक्रम सिंह, भानु प्रकाश मिश्रा, रोली सिंह, अखंड प्रताप सिंह, वैभव पांडेय, डॉ. रघुवर पांडेय, वीरेंद्र गौतम, ब्रह्मदेव यादव 'देवा', दिलीप पांडेय, शिवानी सिंह, अमृत कुमार वर्मा, आशा सिंह, वेद प्रकाश त्रिपाठी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख परशुरामपुर पप्पू सिंह, प्रधान मुकेश शर्मा, दुर्गेश अग्रहरी, शिवचरण जायसवाल और नितेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे। विक्रमजोत के कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी शामिल हुए। घघौआ से लेकर बस्ती शहर तक हुए भव्य स्वागत से भाजपा कार्यकर्ताओं में नई जिम्मेदारी को लेकर उत्साह और संगठन के प्रति जोश साफ दिखाई दिया।

भैरोपुर में मनरेगा कार्यों की एमबी पर उठे सवाल, फर्जी भुगतान के आरोप

146 मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी के बाद बिना पर्याप्त काम के एमबी कराने का आरोप, प्रधान समेत जिम्मेदारों की भूमिका पर जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती/हरैया। विकासखंड हरैया की ग्राम पंचायत भैरोपुर में विकसित भारत जी-राम-जी कार्यों के नाम पर कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पर्याप्त कार्य कराए बिना 146 मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी दर्ज कराने के बाद संबंधित कार्यों की माप पुस्तिका (एमबी) भी करा दी गई। हालांकि, आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, बरसात के दौरान बड़ी संख्या में मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी लगाई गई। इससे प्रतिदिन करीब 43 हजार रुपये मजदूरी के भुगतान का मामला सामने आया है। अब मस्टर रोल पूर्ण होने के बाद कार्यों की एमबी कराए जाने से पूरे प्रकरण पर सवाल उठ रहे हैं।

तकनीकी सहायक की भूमिका पर सवाल आरोप है कि ग्राम प्रधान शीला सिंह और संबंधित तकनीकी सहायक के बीच कथित सांठगांठ से कार्यों की एमबी कराई गई। ग्रामीणों ने कमीशन के आरोप भी लगाए हैं। यदि बिना वास्तविक कार्य के एमबी कराई गई है तो इससे तकनीकी सत्यापन और कार्यों की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

सचिव और एपीओ पर भी आरोप ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत सचिव और एपीओ हरैया की भूमिका भी संदिग्ध है। आरोप है कि कथित रूप से फर्जी भुगतान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए संबंधित फाइल ऑनलाइन फीड कराई गई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बिना स्थलीय सत्यापन के मस्टर रोल, एमबी और भुगतान की प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ी।

स्थलीय जांच की मांग ग्रामीणों ने बीडीओ विनय कुमार द्विवेदी की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने उच्च अधिकारियों से मांग की कि ग्राम पंचायत में दर्ज ऑनलाइन मस्टर रोल, मजदूरों की उपस्थिति, एमबी, कार्यस्थल और भुगतान का स्थलीय सत्यापन कराया जाए। साथ ही यह भी जांच हो कि जिन कार्यों के नाम पर मजदूरों की हाजिरी दर्ज की गई, वे वास्तव में मौके पर कराए गए हैं या नहीं। अब देखना होगा कि शिकायतों के बाद विभाग पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराता है या नहीं। जांच में अनियमितता सामने आने पर जिम्मेदार पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी या मामला कागजी जांच तक ही सीमित रहेगा।

निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू पर किसानों को मिलेगा अनुदान

अम्बेडकरनगर। जिला उद्यान अधिकारी ने जनपद के समस्त आलू उत्पादक कृषकों को सूचित किया है कि निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू पर भण्डारण प्रभार में छूट/ अनुदान प्रदान किए जाने हेतु शासन द्वारा योजना संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य आलू उत्पादक किसानों को आर्थिक राहत प्रदान करना तथा भण्डारण को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू पर 100 प्रति कुंतल की दर से अनुदान दिया जाएगा। प्रत्येक कृषक को अधिकतम 20.000 तक का अनुदान देय होगा। योजना का लाभ उन सभी आलू उत्पादक किसानों को मिलेगा जिन्होंने अपने आलू का भण्डारण जनपद के निजी शीतगृहों में कराया है। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत अधिकतम अनुमन्य क्षेत्रफल 2.0 हेक्टेयर तथा अधिकतम अनुमन्य मात्रा 200 कुंतल प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई है। आलू रोपित क्षेत्रफल का निर्धारण नवीनतम खतौनी/खसरा के आधार पर तथा भण्डारित आल की मात्रा का निर्धारण शीतगृह द्वारा निर्गत तौल पर्ची के आधार पर किया जाएगा।

अनुदान प्राप्त करने के लिए शीतगृह से आलू निकासी एवं भण्डारण प्रभार के भुगतान से संबंधित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि योजना के लिए आवेदन विभागीय पोर्टल https://potato.uphorticulture.in पर ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन के साथ फोटोयुक्त वैध पहचान पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा रोपित क्षेत्रफल से संबंधित खसरा खतौनी की प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

चोरी का ट्रैक्टर-ट्रॉली बेचने की फिराक में घूम रहा आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के दुबौलिया थाना पुलिस ने अयोध्या से चोरी किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को बेचने की फिराक में घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का एक ट्रैक्टर, एक ट्रॉली और 1,200 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, अयोध्या के हनुमानगढ़ी क्षेत्र से ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी होने के संबंध में थानाश्रीरामजन्मभूमि अयोध्या में मुकदमा दर्ज कराया गया था। घटना की सूचना बस्ती जनपद के थानों को भी दी गई थी। इसी क्रम में दुबौलिया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी का ट्रैक्टर लेकर एक व्यक्ति सपुआपुर बाजार से पंकज सिंह के भट्ठे के पास होते हुए जोगियाबारी गांव की ओर जाने वाली पिच रोड पर मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस ने 1 सितंबर 2026 को करीब 11:25 बजे पिच रोड पर लगभग 300 मीटर आगे से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मंगेश उर्फ मनीष यादव पुत्र शिव कुमार उर्फ सेतु यादव, निवासी पिपरिया लकड़ी, थाना दुबौलिया, जनपद बस्ती, उम्र करीब 22 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने ट्रैक्टर अयोध्या से चोरी करने और उसे छिपाकर ले जाने की बात बताई। बरामद ट्रैक्टर लाल रंग का महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी का बताया गया है।

चोरी का ट्रैक्टर बेचने की थी तैयारी पुलिस के अनुसार आरोपी चोरी किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेकर उसे बेचने की फिराक में घूम रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने समय रहते उसे पकड़ लिया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुबौलिया थाने में संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने उसके पूर्व आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई है। **बरामदगी01 ट्रैक्टर01 ट्रॉली1,200 रुपये नकद** पुलिस की कार्रवाई से अयोध्या से चोरी किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को बरामद करने में सफलता मिली है।

हरीश द्विवेदी के स्वागत को लेकर कप्तानगंज में दिखा जबरदस्त उत्साह

डॉ. ममता पाण्डेय के नेतृत्व में निकली भव्य रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के गृह जनपद बस्ती में प्रथम आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उनके स्वागत के लिए कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र की भावी प्रत्याशी एवं भाजपा नेता डॉ. ममता पाण्डेय के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने भव्य बाइक रैली निकालकर अपनी खुशी और उत्साह का प्रदर्शन किया। बाइक रैली में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक मोटरसाइकिलों के साथ शामिल हुए। कार्यकर्ताओं में राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के स्वागत को लेकर विशेष उत्साह नजर आया। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने उनके स्वागत और अभिनंदन की तैयारियां कीं। रैली के दौरान भाजपा के झंडे और पार्टी के समर्थन में लगाए जा रहे नारों से माहौल पूरी तरह उत्साहपूर्ण दिखाई दिया।

डॉ. ममता पाण्डेय ने कप्तानगंज में स्वागत के दौरान कहा कि हरीश द्विवेदी का राष्ट्रीय महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व पर पहुंचना पूरे बस्ती जनपद के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह केवल भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव का क्षण है। बस्ती की धरती से निकलकर हरीश द्विवेदी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हासिल की है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में इस बात को लेकर विशेष उत्साह है कि वे अपने नेता का स्वागत कर सकें और उनके साथ फोटो लेकर इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बना सकें। उन्होंने कहा कि हरीश द्विवेदी के गृह जनपद आगमन पर कार्यकर्ताओं का उत्साह यह दर्शाता है कि भाजपा के प्रति लोगों में कितना जुड़ाव और विश्वास है।

डॉ. ममता पाण्डेय ने कहा कि हरीश द्विवेदी का सरल व्यवहार, संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकर्ताओं से उनका जुड़ाव उन्हें विशेष बनाता है। उनके राष्ट्रीय महामंत्री बनने से बस्ती का गौरव पूरे देश में बढ़ा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा स्वागत लंबे समय तक याद रखा जाएगा। बाइक रैली में शामिल कार्यकर्ताओं ने हरीश द्विवेदी के स्वागत को लेकर जमकर उत्साह दिखाया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि यह उनके लिए भावनात्मक और गौरवपूर्ण अवसर है। राष्ट्रीय स्तर पर बस्ती के लाल को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है।

डॉक्टर ममता पांडे कप्तानगंज विधानसभा के लिए अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश कर रही हैं कप्तानगंज विधानसभा चुनाव लड़ सकते है

तहसील के लवकुश बाबू के चलते शिक्षकों को नहीं मिल पाया अभी तक जनगणना मानदेय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले केहरैया तहसील में शिक्षकों के ड्युटी से ही चर्चा में आया था हरैया तहसील का लवकुश बाबू लवकुश के कारनामों से एक तहसीलदार गँवा चुके हैं अपनी कुर्सी तहसील प्रशासन लवकुश के कारनामों पर नहीं लगा पा रहा लगाम बना चर्चा का विषय जनगणना में शिक्षकों की ड्युटी में हुए हेरा फेरी को लेकर चर्चा में आए हरैया तहसील के लवकुश बाबू के हेराफेरी को रोकने में हरैया तहसील प्रशासन पूरी तरह नाकाम है जिसके कारण लवकुश बाबू की मनमानी के चलते जनगणना में लगे शिक्षकों के मानदेय का भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है।

मिली जानकारी के अनुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण में शिक्षकों के ड्युटी लगाए जाने को लेकर हरैया तहसील में कार्यरत लवकुश बाबू की मनमानी के चलते तहसील प्रशासन की जितना छीछालेदर हुई थी और एक तहसीलदार की कुर्सी भी चली गई थी फिर भी तहसील प्रशासन द्वारा लवकुश के कारनामों पर लगाम न लगाया जाना जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ है। लवकुश बाबू के कारनामों पर लगाम न लगाए जाने से अभी तक जनगणना में लगे शिक्षकों को मानदेय का भुगतान नहीं हो पाया है जिसको लेकर सुगबुगाहट जारी है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के उस आदेश को भी हरैया तहसील के लवकुश बाबू पचा गए जिसमें स्पष्ट रूप से 31 जुलाई तक मानदेय के भुगतान का निर्देश था।

डीएम ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण

मौके पर परखी राहत व्यवस्थाएं, ग्रामीणों से संवाद कर जाना हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने तहसील महराजगंज व तहसील सदर के अंतर्गत जलभराव से प्रभावित गांवों का स्थलीय निरीक्षण कर मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। तहसील मराजगंज के अन्तर्गत कोडरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया तथा जलभराव के कारण उत्पन्न समस्याओं एवं उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात शिवगढ़ ड्रेन का निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

इसके पश्चात जिलाधिकारी ने तहसील सदर के विकासखंड अमांवा के लोधीपुर गांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखी जाए तथा आवश्यकता के अनुसार प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में प्रभावित ग्रामीणों को आवश्यक सहायता एवं सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले क्षेत्रों में आवागमन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, जहां जल निकासी की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेल्टर होम में रह रहे सभी प्रभावित परिवारों को गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जाएं, राहत शिविर में रह रहे किसी भी परिवार को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए तथा उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि प्रभावित गांवों की स्थिति पर लगातार नजर रखें और किसी भी प्रकार की आपात स्थिति की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। ग्रामीणों को भी जलभराव के दौरान सावधानी बरतने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश गौतम, उपजिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग महिपाल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिसई पंडित में पटरी सफाई कार्य का मस्टर रोल पूर्ण, नाला खुदाई कार्य का ऑनलाइन मस्टर रोल जारी

तकनीकी सहायक व ग्राम प्रधान की मिलीभगत से पटरी सफाई कार्य की फर्जी माप पुस्तिका तैयार करने का

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुदरहा, बस्ती। विकासखंड कुदरहा की ग्राम पंचायत सिसई पंडित में पटरी सफाई और नाला खुदाई एवं सफाई कार्य को लेकर कथित अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पटरी सफाई कार्य का ऑनलाइन मस्टर रोल पूर्ण हो चुका है, जबकि नाला खुदाई एवं सफाई कार्य के नाम पर ऑनलाइन मस्टर रोल जारी है। इसके बावजूद मौके पर कार्य की वास्तविक स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क के दोनों किनारों पर बड़ी-बड़ी घास उगी हुई है, जबकि नाले में करीब 10 फीट तक पानी भरा हुआ है। ऐसे में नाला खुदाई एवं सफाई का कार्य किस प्रकार कराया जा रहा है, यह जांच का विषय है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वास्तविक कार्य कराए बिना ही मजदूरों की हाजिरी दर्ज की गई है।

माप पुस्तिका को लेकर भी उठे सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि पटरी सफाई कार्य का ऑनलाइन मस्टर रोल पूर्ण होने के बाद ग्राम प्रधान उर्मिला देवी और तकनीकी सहायक की कथित मिलीभगत से फर्जी माप पुस्तिका तैयार कर सरकारी धन के भुगतान की तैयारी की जा सकती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि भुगतान से पहले कार्यस्थल का स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति की जांच कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क की पटरी की सफाई वास्तव में कराई गई है तो मौके पर उसका प्रभाव दिखाई देना चाहिए। इसी तरह नाले में पानी भरे होने की स्थिति में नाला खुदाई और सफाई के नाम पर मजदूरों की हाजिरी दर्ज किए जाने की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

ग्राम प्रधान और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल

मामले को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान उर्मिला देवी के साथ ही ग्राम पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी और खंड विकास अधिकारी की भूमिका की जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि विकास कार्यों की निगरानी और स्थलीय सत्यापन में लापरवाही के कारण कथित अनियमितताओं को बढ़ावा मिल रहा है।

ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि ग्राम पंचायत में पटरी सफाई और नाला खुदाई एवं सफाई कार्य से संबंधित मस्टर रोल, माप पुस्तिका, मजदूरों की उपस्थिति तथा भुगतान अभिलेखों की जांच कराई जाए। साथ ही मौके पर कार्य का स्थलीय सत्यापन कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जांच में बिना कार्य के मजदूरों की हाजिरी अथवा गलत माप पुस्तिका तैयार किए जाने की पुष्टि होती है तो संबंधित ग्राम प्रधान, तकनीकी सहायक, सचिव और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। मामले में अब निगाह इस बात पर है कि उच्च अधिकारी आरोपों की निष्पक्ष जांच कराते हैं या नहीं। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि पटरी सफाई और नाला खुदाई के नाम पर दर्ज कार्य वास्तव में धरातल पर हुए हैं या केवल अभिलेखों तक सीमित हैं।

बारिश में जलमग्न हो जाती हैं सड़कें

सेक्टर-क्यू अलीगंज में बरसात के दिनों में सड़क पर भरता है पानी, राहगीरों और स्थानीय लोगों की बढ़ती परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित सेक्टर-क्यू में बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। बारिश होते ही क्षेत्र की कई सड़कों पर पानी जमा हो जाता है और कुछ स्थानों पर सड़कें जलमग्न नजर आती हैं। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी काफी देर तक सड़कों पर जमा रहता है, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक क्षेत्र में बारिश के दौरान जलभराव कोई नई समस्या नहीं है। हल्की बारिश में भी सड़क के निचले हिस्सों में पानी जमा होना शुरू हो जाता है, जबकि तेज बारिश होने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है। पानी सड़क पर फैल जाने से राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सड़कों पर पानी जमा होने के कारण पैदल चलने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी होती है। कई बार लोगों को सड़क के किनारे जमा पानी से होकर गुजरना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों को भी पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव के कारण सड़क पर बने गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में नालियों और जलनिकासी की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी तेजी से नहीं निकल पाता। जगह-जगह जमा गंदगी और कचरे के कारण नालियां अवरुद्ध होने की शिकायत भी सामने आती रही है। लोगों का आरोप है कि बारिश से पहले यदि नालियों की पर्याप्त सफाई और जलनिकासी व्यवस्था की जांच कर ली जाए तो समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहने से सड़क की स्थिति भी खराब होने की आशंका बनी रहती है। पानी के लगातार जमाव से सड़क की ऊपरी परत प्रभावित होती है और गड्ढे बनने लगते हैं। इससे आने वाले समय में सड़क मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च का दबाव भी बढ़ सकता है। जलभराव केवल यातायात की समस्या नहीं है, बल्कि इससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ जाते हैं। कई दिनों तक पानी जमा रहने पर मच्छरों के पनपने की आशंका रहती है। इससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बरसात के मौसम में जलभराव वाले स्थानों पर नियमित रूप से साफ-सफाई और मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से सेक्टर-क्यू की जलनिकासी व्यवस्था का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि केवल बारिश के दौरान पानी निकालने की व्यवस्था करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। क्षेत्र की नालियों, नालों और जलनिकासी मार्गों की तकनीकी जांच कराकर जहां जरूरत हो वहां उनकी क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए। लोगों ने मांग की है कि बारिश शुरू होने से पहले नालियों की नियमित सफाई, जलनिकासी मार्गों की निगरानी और जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर स्थायी समाधान की योजना बनाई जाए। यदि समय रहते प्रभावी कदम उठाए गए तो बरसात के दिनों में होने वाली परेशानी से स्थानीय निवासियों को राहत मिल सकती है। सेक्टर-क्यू के निवासियों की उम्मीद है कि नगर निगम और संबंधित विभाग समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके का निरीक्षण करेंगे और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराएंगे, ताकि राजधानी के इस प्रमुख आवासीय क्षेत्र में बारिश के दौरान लोगों को आवागमन में परेशानी न उठानी पड़े।

> **स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बरसात के मौसम में जलभराव वाले स्थानों पर नियमित रूप से साफ-सफाई और मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से सेटर-यू की जलनिकासी व्यवस्था का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि केवल बारिश के दौरान पानी निकालने की व्यवस्था करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। क्षेत्र की नालियों, नालों और जलनिकासी मार्गों की तकनीकी जांच कराकर जहां जरूरत हो वहां उनकी क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए।**

लंबे इंतजार के बाद प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ का चुनाव संपन्न, डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह बने अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लंबे समय से प्रतीक्षित प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के लखनऊ जनपद के चुनाव सोमवार को बलरामपुर अस्पताल के विज्ञान सभागार में संपन्न हुए। चुनाव में लखनऊ जिले के विभिन्न सरकारी चिकित्सालयों में तैनात चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। संगठन को मजबूत करने और चिकित्सकों के हितों को प्रभावी ढंग से उठाने के उद्देश्य से चुनाव कराया गया। चुनाव परिणाम में अध्यक्ष पद पर डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह विजयी हुए, जबकि सचिव पद पर डॉ. उपेंद्र निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर डॉ. हिमांशु सिंह एवं डॉ. राघवेंद्र सिंह चुने गए। महिला उपाध्यक्ष के पद पर डॉ. शोभना यादव, वित्त सचिव पद पर डॉ. अरुण चौधरी, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य के पद पर डॉ. चंदन सिंह यादव तथा संपादक पद पर डॉ. अशोक विजय निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ चिकित्सकों की समस्याओं और हितों को प्राथमिकता से उठाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चिकित्सकों के विकास, कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं तथा उनके अधिकारों के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। संगठन को एकजुट रखते हुए सभी चिकित्सकों के हित में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता भी जताई गई। वहीं, उपविजेता डॉ. हरिराम गुप्ता ने भी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संगठन को जब भी उनकी आवश्यकता होगी, वह पूरी मजबूती के साथ संगठन के साथ खड़े रहेंगे। चुनाव के दौरान चिकित्सकों में खासा उत्साह देखने को मिला। पदाधिकारियों ने कहा कि चुनाव के बाद संगठन की प्राथमिकता चिकित्सकों के हितों की रक्षा करने और उनकी समस्याओं का समाधान कराने के लिए प्रभावी प्रयास करना होगी।

गोल्डन ट्यूलिप में सजा 'दक्षिण फ्लेवर्स', लखनऊ को मिल रहा दक्षिण भारतीय स्वाद का खास जायका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गोल्डन ट्यूलिप होटल लखनऊ में 31 अगस्त से विशेष साउथ इंडियन फूड फेस्टिवल 'दक्षिण फ्लेवर्स-कोस्टल किचन के जादू को फिर से जीवंत करते हुए' शुरू हो गया है। 8 सितंबर तक चलने वाले इस फूड फेस्टिवल में मेहमानों को दक्षिण भारत की समृद्ध पाक परंपरा, पारंपरिक मसालों और कोस्टल किचन के प्रामाणिक स्वादों का अनुभव कराया जा रहा है। फेस्टिवल में आंध्र प्रदेश की पारंपरिक पाक विरासत के साथ दक्षिण भारतीय व्यंजनों की विविधता को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया है।

ताजा सामग्री, पारंपरिक मसालों और चयनित पाक तकनीकों से तैयार व्यंजनों को आधुनिक अंदाज में परोसा जा रहा है। फूड फेस्टिवल की प्रमुख सिग्नेचर डिशेज में मटन चूका बोनलेस, गुट्टू वंकाया कूरा, पथरानी फिश, आंध्रा कोडी पुलाव, फोलेहरा राइस और वेज हावले शामिल हैं। इन व्यंजनों में दक्षिण भारतीय मसालों और पारंपरिक पकाने की शैली का खास स्वाद देखने को मिल रहा है। गोल्डन ट्यूलिप लखनऊ के जनरल मैनेजर अमित सिंह चौहान ने कहा कि 'दक्षिण फ्लेवर्स' का उद्देश्य दक्षिण भारतीय और कोस्टल किचन की समृद्ध पाक विरासत को उसके प्रामाणिक स्वाद और पारंपरिक पहचान के साथ मेहमानों तक पहुंचाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि फूड फेस्टिवल मेहमानों को स्वाद के साथ दक्षिण भारत की पाक संस्कृति से जुड़ने का यादगार अवसर देगा। शेफ सीताराम मुलु ने बताया कि मेन्यू तैयार करते समय व्यंजनों के मूल स्वाद और पारंपरिक रेसिपी को बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहीं, फूड एंड बेवरेज मैनेजर राजा राम कुमार ने कहा कि फेस्टिवल के माध्यम से एक ही स्थान पर साउथ इंडियन फ्लेवर्स की विविधता का आनंद लेने का अवसर मिल रहा है। 8 सितंबर तक चलने वाले इस फेस्टिवल में लखनऊवासियों और फूड लवर्स को दक्षिण भारतीय एवं कोस्टल किचन के पारंपरिक स्वादों का लुत्फ उठाने का अवसर मिलेगा।

चार गोल्ड मेडल जीतकर प्रभा चन्द्रा ने बढ़ाया क्षेत्र का गौरव

सम्मान समारोह में वक्ताओं ने प्रतिभा को बताया देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली। प्रतिभा सदैव सम्मानित होती है और प्रतिभा की आभा से देश का भविष्य उज्ज्वल होता है। यह बात स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान में आयोजित गोल्ड मेडलिस्ट प्रभा चन्द्रा के विशेष सम्मान समारोह में आरडी वर्मा ने प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास के बल पर विद्यार्थी सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। इस दौरान देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने कहा कि पुरस्कार मिलने के साथ व्यक्ति का उत्तरदायित्व भी बढ़ जाता है। प्रभा चन्द्रा की उपलब्धि पूरे सिधौली क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के कर कमलों से सिधौली क्षेत्र की प्रभा चन्द्रा को विश्वविद्यालय में टॉप करने और चार गोल्ड मेडल हासिल करने की उपलब्धि के लिए आरडी सोनकर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। सम्मान से अभिभूत प्रभा चन्द्रा ने कहा कि यह सम्मान उन्हें अपने दायित्वों का निरंतर स्मरण कराता रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका सपना आईएएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों के मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया। प्रभा चन्द्रा के पिता निर्मल चन्द्रा ने कहा कि उनकी बेटी ने सीतापुर का नाम रोशन किया है, जिससे पूरा परिवार गौरवान्वित और प्रसन्न है। समारोह का संचालन करते हुए डॉ. चन्द्रशेखर प्रजापति ने कहा कि प्रभा चन्द्रा क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने प्रभा चन्द्रा के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

इस अवसर पर दीपक पाल, संजीव राजपूत, अविनाश रावत, पिंकू मौर्य, गोलू रावत, सचिन कश्यप, वैष्णवी बाजपेई, गोल्डी कनौजिया सहित बड़ी संख्या में प्रतियोगी, शुभचिंतक एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एनओसी के नाम पर पीडब्ल्यूडी-वन विभाग आमने-सामने, किसानों का फूटा गुस्सा

.......14वें दिन भी धरना जारी, अधिकारियों को मौके पर रोका; तीन सितंबर तक सक्षम अधिकारी को धरना स्थल पर लाने का अल्टीमेटम ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर सड़क निर्माण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का धरना मंगलवार को 14वें दिन भी जारी रहा। वन विभाग की एनओसी को लेकर पीडब्ल्यूडी और वन विभाग के अधिकारियों के आमने-सामने आने से किसानों का आक्रोश भड़क उठा। किसानों ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को मौके पर रोक लिया। बाद में अधिकारियों ने उच्चाधिकारियों से वार्ता कर तीन सितंबर को दोपहर 12 बजे तक सक्षम अधिकारी को धरना स्थल पर भेजने का आश्वासन दिया, जिसके बाद किसान शांत हुए। बीते 27 अगस्त को दिए गए ज्ञापन के अनुसार मंगलवार को वन विभाग कार्यालय के घेराव का कार्यक्रम प्रस्तावित था। हालांकि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के बड़े भाई के निधन के चलते घेराव स्थगित कर दिया गया। शोक के कारण धरना स्थल पर माइक और नारेबाजी भी नहीं की गई। दोपहर करीब 12 बजे पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता सूर्यमणि मिश्रा अवर अभियंता के साथ धरना स्थल पहुंचे। कुछ देर बाद वन अधिकारी शुभी श्रीवास्तव भी वहां पहुंचीं। किसानों की मौजूदगी में दोनों विभागों के अधिकारियों के बीच बातचीत हुई। वार्ता में सामने आया कि पीडब्ल्यूडी की ओर से वन विभाग से अब तक एनओसी मांगी ही नहीं गई है। ऐसे में वन विभाग द्वारा एनओसी जारी करने का सवाल ही नहीं उठता। यह बात सामने आते ही किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने कहा कि 21 अगस्त को राजस्व, वन और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम ने मौके पर नाप की थी। उस समय किसानों को भरोसा दिया गया था कि वन विभाग की एनओसी मिलते ही सड़क निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। किसानों ने अधिकारियों के आश्वासन को छलावा बताते हुए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को मौके पर ही रोक लिया। अधिकारियों ने किसानों को समझाते हुए कहा कि वे छोटे कर्मचारी हैं और सड़क निर्माण को लेकर अंतिम निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। इसके बाद उच्चाधिकारियों से वार्ता कर तीन सितंबर को दोपहर 12 बजे तक सक्षम अधिकारी को धरना स्थल पर लाने का आश्वासन दिया गया। जिला अध्यक्ष से फोन पर हुई वार्ता के बाद किसान शांत हुए। मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय पर सड़क निर्माण का निर्णय लेने में सक्षम अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो किसान पीडब्ल्यूडी कार्यालय का घेराव करने को मजबूर होंगे। इसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी। धरने में प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह, जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, पुनवासी ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कुमार, युवा ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र, केशवराम, प्रधान पति रामकुमार समेत सैकड़ों किसान महिला-पुरुष मौजूद रहे। किसानों के आक्रोश को देखते हुए नगराम थाना प्रभारी अजनी सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।

तंबौर में हिंदुस्तान प्लाईवुड फैक्ट्री वा दो घरों पर जीएसटी अधिकारियों का छापा

तंबौर सीतापुर हिंदुस्तान फैक्ट्री के मालिक इसराइल अंसारी के आवास वा फैक्टरी में खंगाले दस्तावेज़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जानकारी मिलने पर पास पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए अधिकारियों ने फैट्री परिसर में जांच के दरमियान कर्मचारियों और संबंधित रिकॉर्ड के बारे में जानकारी ली जांच टीम हिंदुस्तान प्लाईवुड फैट्री के मालिक के आवास पर भी पहुंची जानकारी के अनुसार अधिकारियों की टीम आवास के अंदर पहुंची टीम ने यहां भी दस्तावेजों वा अभिलेखों की जांच पड़ताल की छापेमारी किस मामले को लेकर की गई है इसे लेकर फिलहाल सीबीआईसी अधिकारियों की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है कारवाई को लेकर स्थानीय लोगों में तरह तरह की चर्चाएं हैं

तंबौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बे के ही निवासी इसराइल अंसारी की हिंदुस्तान प्लाईवुड फैक्ट्री पर मंगलवार को दोपहर करीब एक बजे लखनऊ से आई जीएसटी विभाग की टीम ने छापे मारी की क़रीब एक दर्जन वाहनों के साथ पहुंची टीम ने फैक्ट्री परिसर में कारोबार से जुड़े दस्तावेजों , अभिलेखों, और अन्य कागज़ातों की जांच शुरू की काफिले के साथ आई कुछ गाड़ियों पर भारत सरकार लिखा हुआ था जीएसटी विभाग की टीम के अचानक पहुंचने से फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों में हलचल मच गई कार्रवाई की जानकारी मिलने पर पास पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए अधिकारियों ने फैक्ट्री परिसर में जांच के दरमियान कर्मचारियों और संबंधित रिकॉर्ड के बारे में जानकारी ली जांच टीम हिंदुस्तान प्लाईवुड फैक्ट्री के मालिक के आवास पर भी पहुंची जानकारी के अनुसार अधिकारियों की टीम आवास के अंदर पहुंची टीम ने यहां भी दस्तावेजों वा अभिलेखों की जांच पड़ताल की छापेमारी किस मामले को लेकर की गई है इसे लेकर फिलहाल सीबीआईसी अधिकारियों की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है कारवाई को लेकर स्थानीय लोगों में तरह तरह की चर्चाएं हैं हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही छापेमारी की वजह और इसके दायरे से जुड़ी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी फ़िलहाल टीम फैक्ट्री और आवास में दस्तावेजों की जांच में जुटी है।

बमाया एवं कोटवाली नदी पुनर्जीवन' पुस्तक का प्रकाशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

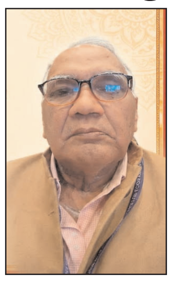

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 1 सितम्बर 2026: जल संरक्षण, नदी पुनर्जीवन और भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित पुस्तक 'बमाया एवं कोटवाली नदी पुनर्जीवन' का प्रकाशन नाटल्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। पुस्तक के लेखक जलपुरुष डॉ. राजेन्द्र सिंह, तरुण भारत संघ, राजस्थान तथा संपादक पर्यावरणविद् प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस), लखनऊ हैं। पुस्तक में वर्ष 2026 में बमाया एवं कोटवाली नदियों के पुनर्जीवन के अनुभवों को केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें भारतीय वैदिक ज्ञान, जल विज्ञान, भूजल पुनर्भरण, पर्यावरण संरक्षण, जल-प्रबंधन और जनभागीदारी के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पक्षों को समाहित किया गया है। पुस्तक के प्रकाशन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नदी संरक्षण को भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व बताया। उन्होंने बमाया एवं कोटवाली नदियों के पुनर्जीवन को जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, पर्यावरण संतुलन और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरक उदाहरण बताया तथा विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, नीति-निर्माताओं और जल-पर्यावरण क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

एसएमएस के सचिव एवं सीईओ शरद सिंह ने इस पहल को भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए डॉ. राजेन्द्र सिंह एवं दोनों अनुसंधान केंद्रों की टीम के प्रयासों की सराहना की। संपादक प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह ने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य दो नदियों के पुनर्जीवन का दस्तावेज प्रस्तुत करने के साथ-साथ जल संरक्षण को जन-अभियान बनाने और भारतीय जल-दृष्टि को आधुनिक विज्ञान एवं जनभागीदारी से जोड़ने का संदेश देना है। उन्होंने डॉ. राजेन्द्र सिंह, जलपुरुष, तरुण भारत संघ तथा एसएमएस के वैदिक विज्ञान केंद्र एवं सी.वी. रमन अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र के सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। एसएमएस परिवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पुस्तक के प्रयासों की सराहना एवं शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

दरगाह हज़रत मखदूम सैय्यद अब्दुर्रहीम रहीमाबादी का उर्स संपन्न

हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलानी चाहिए:- डॉक्टर आसिफ अली मुतवल्ली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। दरगाह रहीमिया रहीमाबाद मखदूम सैय्यद अब्दुर्रहीम के तीन दिवसीय उर्स के दूसरे दिन रात में जुलूस गागर दरगाह मुतवल्ली डॉक्टर सैय्यद आसिफ अली के घर से उठाया गया जिसे मजार पर पेश किया गया तत्पश्चात दमहफिले समा का आयोजन हुआ जिसमें देर रात तक कव्वालियां हुई इसके बाद तीसरे और अंतिम दिन दोपहर के बाद महफिले समा शुरू हुई और सांय काल कुल शरीफ़ हुआ इस अवसर पर मुतवल्ली डॉक्टर सैय्यद आसिफ अली ने कहा हमें अपने बुजुर्गों की शिक्षा पर अमल करना चाहिए तथा उनके आदर्श को अपने जीवन में उतारना चाहिए और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाएं तभी हम कामियाब हो सकते हैं क़ुल शरीफ़ के मौक़े पर दरगाह बड़े मखदूम साहब के सज्जादा नशीन शोएब मियां छोटे मखदूम साहब के सैय्यद मदनी मियां, तीर गांव बाराबंकी के सूफी सैय्यद इजहार अली, दरगाह कलंदरिया खैराबाद से सैय्यद लईक अहमद किरमानी, डॉक्टर सैय्यद रेहान रिज़वी,पप्पू मियां इलाहाबाद, शहाब आलम खां लखनऊ, हाजी सैय्यद इश्तियाक अली वारसी, नजमुल हसन गोदी बिसवा, सैय्यद माजिद अली, सैय्यद आरिफ अली एडवोकेट, मौलाना हसन साकिब उस्मानी,हाफिज अरसलान हसनी, हमज़ा सिद्दीकी,सैय्यद गुफरान रिजवी , सैय्यद कामरान रिज़वी,डॉक्टर सैय्यद मसरूर अली ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य सैय्यद इंतजार अली, तौहीद रिज़वी, हाफ़िज़ सैय्यद ताहिर किरमानी,डॉक्टर खालिद अली, गुलाम मीना,इमरान सिद्दीकी, शाहिद अली मोल्हे, सिराजुल हसन,समर अहमद अतीक अहमद आदि मौजूद थे।

संपादकीय

प्रदेश के किसानों की कृषि सुरक्षा का सशक्त आधार है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

मानसून का जुआ कहलाने वाली भारतीय कृषि को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की सुरक्षा प्रदान कर प्रदेश सरकार एक क्रांतिकारी भूमिका निभा रही है। भारतीय कृषि की प्रकृति सदैव से मानसून और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील रही है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में असामयिक वर्षा, भीषण ओलावृष्टि और सूखे जैसी स्थितियाँ किसानों के लिए गहरा आर्थिक संकट पैदा कर देती हैं। एक किसान अपने सीमित संसाधनों और कठिन परिश्रम से फसल तैयार करता है, परंतु किसी एक प्राकृतिक आपदा के कारण उसकी पूरी मेहनत मिट्टी में मिल जाती है। इसी जोखिम के प्रबंधन हेतु एक सशक्त तंत्र की आवश्यकता सदैव से महसूस की गई, ताकि कृषकों को ऋण के जाल से बचाकर उन्हें वित्तीय सुरक्षा प्रदान की जा सके और खेती को एक लाभप्रद व्यवसाय के रूप में स्थापित किया जा सके। किसानों की इसी संकट के स्थायी समाधान हेतु देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को पूरे देश में लागू किया। भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार यह योजना उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी ढंग से संचालित की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, रोगों और कीटों से होने वाली फसल क्षति की स्थिति में बीमित किसानों को बीमा कवर के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। अपनी विकास यात्रा के दौरान इस योजना ने पूर्ववर्ती फसल बीमा मॉडलों की विसंगतियों को दूर करते हुए एक अधिक पारदर्शी और किसान-हितैषी ढांचा तैयार किया है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि विपरीत परिस्थितियों में भी किसान की आय का स्तर बना रहे और वह खेती को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित हो सके। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की संरचना और कार्यप्रणाली को किसानों की सुगमता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत खरीफ की 10 फसलों और रबी की 8 फसलों को अधिसूचित किया गया है। खरीफ फसलों के लिए किसान द्वारा देय प्रीमियम की दर को बीमित राशि का मात्र 2 प्रतिशत और रबी फसलों के लिए 1.5 प्रतिशत तक सीमित रखा गया है, जबकि वार्षिक नकदी फसलों हेतु यह दर अधिकतम 5 प्रतिशत निर्धारित है। शेष प्रीमियम की राशि का वहन केंद्र और राज्य सरकार द्वारा बराबर-बराबर अनुपात में किया जाता है। वित्त पोषण के लिए राज्य सरकार एस्क्रो अकाउंट और केंद्र सरकार एआईसी, नई दिल्ली के माध्यम से धन उपलब्ध कराती है। प्रदेश में लागू मॉडल 80-110 के अनुसार, कुल प्रीमियम के सापेक्ष 110 प्रतिशत तक की क्षतिपूर्ति बीमा कंपनी द्वारा देय होती है और उससे अधिक की राशि का भुगतान राज्य सरकार स्वयं करती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में इस योजना की उपलब्धियाँ और जमीनी प्रभाव इसके बढ़ते आंकड़ों से स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं। उत्तर प्रदेश में इस योजना से जुड़ने वाले किसानों की संख्या में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में जहाँ 30.40 लाख किसान योजना का हिस्सा बने थे, वहीं वर्ष 2024-25 में यह संख्या 31.18 लाख और वर्ष 2025-26 के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 39.25 लाख तक पहुँच गई है। वित्तीय प्रगति के मामले में भी वर्ष 2025-26 के लिए 45,000 लाख रुपये का लक्ष्य रखा गया है। क्षतिपूर्ति वितरण के धरातल पर भी इसके परिणाम सुखद रहे हैं, जहाँ वर्ष 2023-24 में 8.20 लाख किसानों को 429.86 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई थी, वहीं वर्ष 2025-26 में 5.73 लाख किसानों को 627.52 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि सीधे उनके खातों में भेजी जा चुकी है। प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक कुल 352.91 लाख बीमित कृषकों द्वारा 298.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों का बीमा कराया गया। वर्ष 2017-18 से वर्ष 2026-27 के माह जून 2026 तक कुल 69.46 लाख कृषकों को रू0 5966.87 करोड़ की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया है। इस योजना को कृषि सुरक्षा का एक सशक्त मॉडल बनाया गया हैं। तकनीक का उपयोग, जैसे सैटेलाइट इमेजरी और ड्रोन तकनीक, क्षति के आकलन की प्रक्रिया को अधिक सटीक और तेज बना रहे हैं। ''क्लेम सेटलमेंट'' की प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल और पारदर्शी बनाकर किसानों के भरोसे को और मजबूत किया जा रहा है। यह योजना केवल एक बीमा कार्यक्रम न रहकर भारतीय कृषि के लिए एक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य कर रही है। सरकार की सक्रियता और तकनीक के बेहतर तालमेल से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना न केवल किसानों के जोखिम को कम कर रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

डॉ. मनोज चंद्रा, प्रभारी अंग्रेजी

2027 का यूपी विधानसभा चुनाव: वादों से आगे जनता के असली सवालों की परीक्षा

राजीव शुक्ला -(संपादक)

उत्तर प्रदेश की राजनीति में विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं होता। यह देश की राजनीति की दिशा तय करने वाला चुनाव भी माना जाता है। 2027 का विधानसभा चुनाव अब धीरे-धीरे उस मुकाम की ओर बढ़ रहा है, जहां राजनीतिक दल अपने-अपने वादों, नारों, सामाजिक समीकरणों और चुनावी रणनीतियों के साथ जनता के बीच पहुंचेंगे। लेकिन इस बार सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होना चाहिए कि कौन-सा दल कितने बड़े वादे कर रहा है, बल्कि यह होना चाहिए कि जनता के वास्तविक जीवन में कितना बदलाव आया और आने वाले वर्षों के लिए किस दल के पास भरोसेमंद योजना है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी मुद्दे हमेशा बदलते रहे हैं। कभी जातीय समीकरण केंद्र में रहे, कभी कानून-व्यवस्था, कभी विकास, कभी धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे। कल्याणकारी योजनाओं ने भी चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। अब 2027 के चुनाव में भी राजनीतिक दल जनता को आकर्षित करने के लिए नई घोषणाओं और योजनाओं का सहारा ले रहे हैं। युवा, महिलाएं, किसान, गरीब और पिछड़े वर्ग चुनावी रणनीति के केंद्र में दिखाई दे रहे हैं। लेकिन लोकतंत्र की असली परीक्षा घोषणाओं की संख्या से नहीं, उनके असर से होती है। उत्तर प्रदेश की आबादी में युवाओं की बड़ी हिस्सेदारी है। बड़ी संख्या में युवा शिक्षा पूरी करने के बाद नौकरी और रोजगार की तलाश में निकलते हैं। सरकारी नौकरियां सीमित हैं, जबकि निजी क्षेत्र में स्थायी और सम्मानजनक रोजगार की चुनौती बनी हुई है। चुनावी मंचों से नौकरी देने के वादे हमेशा सुनाई देते हैं। लेकिन अब युवा केवल यह नहीं पूछना चाहता कि कितनी नौकरियां दी जाएंगी। वह यह भी पूछेगा कि भर्ती प्रक्रिया कितनी पारदर्शी होगी, परीक्षाएं समय पर होंगी या नहीं, पेपर लीक जैसी समस्याओं पर प्रभावी रोक कैसे लगेगी और निजी क्षेत्र में रोजगार पैदा करने के लिए सरकार की दीर्घकालिक नीति क्या है। हाल में युवाओं और तद्दठु-' मतदाताओं को लेकर सभी प्रमुख दलों की सक्रियता बढ़ी है। इसका अर्थ साफ है–युवा मतदाता अब केवल संख्या नहीं, चुनावी परिणाम को प्रभावित करने वाली निर्णायक शक्ति है। इसलिए 2027 में केवल रोजगार का वादा पर्याप्त नहीं होगा। जनता रोजगार पैदा करने की क्षमता का हिसाब भी मांग सकती है। किसान के लिए सिर्फ घोषणा नहीं, स्थायी समाधान चाहिए। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना में किसान की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। किसान के सामने लागत, बाजार, सिंचाई, बिजली, मौसम और फसल के उचित मूल्य जैसी अनेक चुनौतियां हैं। सरकारें किसानों के लिए अनेक योजनाएं घोषित करती रही हैं। बजट में कृषि, ग्रामीण विकास और किसान कल्याण के लिए धन का प्रावधान भी होता है। लेकिन किसान का असली सवाल यह है कि उसकी आमदनी, उत्पादन की लागत और बाजार की स्थिति में जमीन पर कितना सुधार हुआ? किसान को चुनावी मौसम में राहत की घोषणा से ज्यादा ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें वह अपनी फसल का उचित मूल्य पा सके, बिचौलियों पर निर्भरता कम हो, सिंचाई की सुविधा विश्वसनीय हो और प्राकृतिक आपदा की स्थिति में मुआवजा समय पर मिले। महिलाओं का वोट और महिलाओं की जिंदगी 2027 की चुनावी राजनीति में महिला मतदाता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण दिखाई दे रही हैं। राजनीतिक दल महिलाओं को लक्षित करके कल्याणकारी योजनाएं और घोषणाएं कर रहे हैं। लेकिन महिला मतदाता के सामने सवाल केवल मुफ्त यात्रा, आर्थिक सहायता या अन्य सुविधाओं का नहीं है। वह सुरक्षा चाहती है, वह बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था चाहती है, वह अपने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा चाहती है, वह रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता चाहती है, वह सरकारी दफ्तर और थाने में सम्मानजनक व्यवहार चाहती है, इसलिए महिलाओं के नाम पर की जाने वाली घोषणाओं का वास्तविक मूल्यांकन इसी कसौटी पर होना चाहिए कि क्या उन्होंने महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी को वास्तव में आसान बनाया है? उत्तर प्रदेश के विकास की चर्चा सड़क, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक निवेश और बड़े प्रोजेक्टों के बिना पूरी नहीं होती। लेकिन विकास का एक दूसरा चेहरा भी है–सरकारी स्कूल और अस्पताल। एक गरीब परिवार के लिए अच्छी सरकारी शिक्षा और सस्ती स्वास्थ्य सेवा किसी भी बड़ी परियोजना से कम महत्वपूर्ण नहीं है। 2026-27 के राज्य बजट में स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। इसी तरह ग्रामीण विकास, पुलिस, परिवहन और सामाजिक कल्याण पर भी खर्च का प्रावधान है। अब सवाल यह है कि बजट में आवंटित धन कितना खर्च हुआ और उस खर्च से आम नागरिक को क्या मिला? सरकारी अस्पताल में डॉक्टर, दवा और जांच की सुविधा उपलब्ध है या नहीं? सरकारी स्कूल में शिक्षक और पढ़ाई की गुणवत्ता कैसी है? ग्रामीण क्षेत्र के गरीब परिवार को इलाज के लिए शहर क्यों भागना पड़ता है? इन सवालों के जवाब चुनावी घोषणापत्र से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। कानून-व्यवस्था की परीक्षा भी होगी किसी भी सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी नागरिक को सुरक्षित वातावरण देना है। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था हमेशा चुनावी राजनीति का प्रमुख मुद्दा रही है। सरकार अपराध नियंत्रण की उपलब्धियां गिनाएगी। विपक्ष घटनाओं को मुद्दा बनाएगा। लेकिन जनता की कसौटी इससे आगे है। क्या आम नागरिक को थाने में निष्पक्ष सुनवाई मिलती है? क्या प्रभावशाली और कमजोर व्यक्ति के लिए कानून की प्रक्रिया समान है? क्या मुकदमे दर्ज होने से लेकर न्याय मिलने तक व्यवस्था पीड़ित के साथ खड़ी रहती है? कानून का राज तभी मजबूत माना जाएगा जब नागरिक को यह विश्वास हो कि सत्ता, पैसा, जाति या राजनीतिक प्रभाव से कानून की दिशा नहीं बदल सकती। अतिक्रमण और बुलडोजर से आगे का सवाल शहरों में अतिक्रमण, अवैध निर्माण और यातायात की समस्या गंभीर है। प्रशासनिक कार्रवाई जरूरी भी है। लेकिन कार्रवाई की विश्वसनीयता तभी बनती है जब वह समान और पारदर्शी हो। अगर सड़क किनारे गरीब की छोटी दुकान हटती है और प्रभावशाली व्यक्ति का बड़ा अवैध निर्माण वर्षों तक खड़ा रहता है, तो सवाल कार्रवाई की जरूरत पर नहीं बल्कि कार्रवाई की समानता पर उठता है। 2027 में राजनीतिक दलों को यह बताना होगा कि वे शहरों को व्यवस्थित कैसे करेंगे। केवल अतिक्रमण हटाने से समस्या हल नहीं होगी। पुनर्वास, नियोजित बाजार, पार्किंग, यातायात प्रबंधन और पारदर्शी नगर नियोजन भी जरूरी है।

> **वादों से आगे जनता के सवाल**
>
> **2027 का विधानसभा चुनाव केवल घोषणाओं और नारों की परीक्षा नहीं होगा, बल्कि सरकारों के कामकाज का वास्तविक मूल्यांकन भी करेगा। युवा रोजगार, किसान उचित मूल्य, महिलाएं सुरक्षा और आत्मनिर्भरता तथा आम नागरिक बेहतर शिक्षा-स्वास्थ्य और निष्पक्ष कानून-व्यवस्था चाहता है। अब सवाल यह है कि चुनावी वादों से आगे राजनीतिक दल इन बुनियादी समस्याओं के स्थायी समाधान की कितनी ठोस योजना जनता के सामने रखते हैं।**

मक्का समझौते से बदलता पश्चिम एशिया का सुरक्षा समीकरण

पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया की राजनीति में इन दिनों एक नया सुरक्षा समीकरण आकार लेता दिखाई दे रहा है। तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के बाद इस्तांबुल में हुई पहली रणनीतिक बैठक ने इस समझौते को महज कूटनीतिक घोषणा से आगे ले जाने के संकेत दिए हैं। तीनों देशों के विदेश एवं रक्षा नेतृत्व और सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुई चर्चा से साफ है कि अब इस गठजोड़ की संस्थागत संरचना, सैन्य सहयोग और दीर्घकालिक भूमिका को लेकर गंभीरता से काम शुरू हो चुका है। इसका असर केवल इन तीन देशों तक सीमित रहने वाला नहीं है, बल्कि आने वाले समय में खाड़ी, दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र की रणनीतिक तस्वीर पर भी पड़ सकता है। मक्का समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा है। इसके तहत किसी एक सदस्य पर होने वाले हमले को व्यापक रूप से साझा सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा जाएगा। ऐसी व्यवस्था किसी पारंपरिक सैन्य गठबंधन की दिशा में पहला कदम हो सकती है, हालांकि इसे अभी औपचारिक रूप से किसी मौजूदा सैन्य संगठन के समकक्ष मानना जल्दबाजी होगी। इसकी वास्तविक ताकत इस बात से तय होगी कि सदस्य देश संकट की स्थिति में एक-दूसरे के लिए किस स्तर तक सैन्य, खुफिया और राजनीतिक सहयोग उपलब्ध कराते हैं। इस्तांबुल की बैठक ने इस समझौते के व्यावहारिक पक्ष को भी सामने रखा है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय, रक्षा अनुसंधान और हथियारों के उत्पादन में सहयोग जैसे विषय बताते हैं कि गठजोड़ केवल राजनीतिक एकजुटता तक सीमित रखने की योजना नहीं है। यदि तीनों देश रक्षा तकनीक, उत्पादन क्षमता और सैन्य प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ाते हैं तो इससे उनकी सामूहिक सामरिक क्षमता में इजाफा हो सकता है। खासतौर पर तुर्किये की तेजी से विकसित होती रक्षा तकनीक, पाकिस्तान का सैन्य अनुभव और सऊदी अरब की आर्थिक क्षमता इस समीकरण को अलग स्वरूप दे सकती है। इस गठजोड़ की एक और महत्वपूर्ण विशेषता इसका संभावित विस्तार है। यदि भविष्य में दूसरे मुस्लिम बहुल देश इसमें शामिल होते हैं तो इसका भौगोलिक और राजनीतिक प्रभाव काफी बढ़ सकता है। बांग्लादेश की ओर से इसमें शामिल होने को लेकर फिलहाल किसी बड़े जोखिम की संभावना से इनकार किया जाना इस चर्चा को और महत्वपूर्ण बनाता है। वहीं कतर, कुवैत और बहरीन जैसे खाड़ी देशों का नाम भी संभावित विस्तार के संदर्भ में सामने आ रहा है। हालांकि इन देशों के निर्णय केवल धार्मिक या राजनीतिक निकटता पर निर्भर नहीं होंगे। उन्हें अमेरिका, चीन, भारत और अन्य प्रमुख शक्तियों के साथ अपने मौजूदा रणनीतिक संबंधों को भी ध्यान में रखना होगा। यही वह बिंदु है जहां इस पूरे घटनाक्रम का भारत के लिए महत्व बढ़ जाता है। नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय यह नहीं होना चाहिए कि कोई नया समूह तत्काल भारत के खिलाफ सैन्य मोर्चा खोलने जा रहा है। वास्तविक चुनौती कहीं अधिक जटिल है। यदि इस गठजोड़ के भीतर सैन्य सूचनाओं का आदान-प्रदान, साझा अभ्यास, रक्षा तकनीक और खुफिया सहयोग बढ़ता है तो पाकिस्तान को एक ऐसा रणनीतिक मंच मिल सकता है, जिसके माध्यम से उसकी सैन्य और कूटनीतिक क्षमता को अतिरिक्त समर्थन प्राप्त हो। भारत की चिंता तब और बढ़ सकती है जब यह सुरक्षा ढांचा पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा से आगे बढ़कर भारत के पूर्वी पड़ोस तक अपनी पहुंच बनाता है। बांग्लादेश की संभावित भागीदारी इसी कारण नई दिल्ली के लिए विशेष महत्व रखेगी। इससे भारत के पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में बंगाल की खाड़ी के आसपास मौजूद रणनीतिक समीकरण एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। हालांकि बांग्लादेश का कोई भी निर्णय उसके अपने राष्ट्रीय हितों और विदेश नीति की प्राथमिकताओं से तय होगा। इसलिए अभी से किसी निश्चित ध्रुवीकरण की कल्पना करना उचित नहीं होगा। भारत को इस घटनाक्रम को धार्मिक चश्मे से देखने के बजाय व्यापक भू-राजनीतिक बदलाव के रूप में समझना होगा। दुनिया में सुरक्षा गठबंधनों का स्वरूप बदल रहा है। पारंपरिक सैन्य संधियों के साथ-साथ क्षेत्रीय समूह अब रक्षा उत्पादन, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग और खुफिया साझेदारी को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बना रहे हैं। मक्का समझौता भी इसी व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा बन सकता है। यदि इसका संस्थागत ढांचा मजबूत होता है और सदस्य देशों के बीच वास्तविक सैन्य सहयोग विकसित होता है तो इसकी भूमिका केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगी। सऊदी अरब की भूमिका इस पूरे समीकरण को आर्थिक आधार देती है। रियाद के पास बड़े वित्तीय संसाधन हैं और वह अपनी रक्षा जरूरतों के लिए लंबे समय से विदेशी तकनीक पर निर्भर रहा है। दूसरी ओर तुर्किये ने ड्रोन, मिसाइल, रडार और अन्य रक्षा प्रणालियों के क्षेत्र में अपनी स्वदेशी क्षमताओं को काफी आगे बढ़ाया है। पाकिस्तान के पास एक स्थापित सैन्य ढांचा और रक्षा उत्पादन का अनुभव है। यदि इन तीनों की क्षमताएं व्यवस्थित तरीके से जुड़ती हैं तो साझा रक्षा परियोजनाएं भविष्य में इस समझौते की सबसे बड़ी उपलब्धि बन सकती हैं। हालांकि इस गठजोड़ के सामने कई चुनौतियां भी हैं। तीनों देशों की विदेश नीति की प्राथमिकताएं समान नहीं हैं। सऊदी अरब अपने आर्थिक और कूटनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका तथा अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ संबंध बनाए रखना चाहेगा। तुर्किये की अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं और स्वतंत्र विदेश नीति है, जबकि पाकिस्तान की सुरक्षा चिंताओं का बड़ा हिस्सा भारत और उसके आसपास के क्षेत्र से जुड़ा है। इन अलग-अलग प्राथमिकताओं के बीच स्थायी सैन्य गठबंधन बनाना आसान नहीं होगा। किसी भी सामूहिक रक्षा व्यवस्था की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि साझा रणनीति, वित्तीय प्रतिबद्धता और संकट के समय राजनीतिक इच्छाशक्ति से तय होती है। इसी बीच इजराइल और ग्रीस के बीच हुआ बड़ा रक्षा समझौता भी पश्चिम एशिया में बदलते सुरक्षा वातावरण का दूसरा पहलू सामने लाता है। बहुस्तरीय वायु रक्षा क्षमता विकसित करने की दिशा में ग्रीस का कदम बताता है कि क्षेत्र के देश तेजी से अपनी सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप नए सैन्य साझेदार और तकनीकी सहयोग तलाश रहे हैं। मध्य पूर्व और उसके आसपास बढ़ते तनाव के बीच मिसाइल तथा ड्रोन हमलों से सुरक्षा अब कई देशों की प्राथमिकता बन चुकी है। इन घटनाक्रमों को अलग-अलग देखने के बजाय एक बड़े वैश्विक बदलाव के संदर्भ में देखना अधिक उपयोगी होगा। पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है और दक्षिण एशिया भी उससे अछूता नहीं रह सकता।

ऊर्जा, समुद्री मार्ग, रक्षा तकनीक और आतंकवाद जैसे मुद्दे अब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी नए सुरक्षा समूह का गठन केवल उसके सदस्य देशों के लिए महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि उसके पड़ोसी देशों और प्रमुख वैश्विक शक्तियों की रणनीति को भी प्रभावित करता है। भारत के लिए सबसे बेहतर रास्ता यही होगा कि वह किसी नए गठजोड़ से घबराने के बजाय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता और क्षेत्रीय साझेदारियों को और मजबूत करे। खाड़ी देशों के साथ भारत के आर्थिक और ऊर्जा संबंध पहले से ही महत्वपूर्ण हैं। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के साथ भारत के रिश्ते केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि निवेश, सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग तक फैले हुए हैं। इसी तरह तुर्किये के साथ भी भारत को अपने हितों के आधार पर संवाद बनाए रखना होगा। मक्का समझौता अभी अपने शुरुआती दौर में है। इसलिए इसे तुरंत किसी नए 'मुस्लिम नाटो' के रूप में देखना अतिशयोक्ति होगी। लेकिन इसे मामूली घटनाक्रम मानना भी रणनीतिक भूल होगी।

कांतिलाल मांडोत

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा। खर्च और स्वास्थ्य को लेकर सावधानी रखें। शुभ रंग- लाल।

वृषभ: धन लाभ के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। शुभ रंग- क्रीम।

मिथुन: पुराने कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होंगी। संपर्कों से लाभ मिल सकता है। अधिकारियों से मतभेद से बचें और धन उधार देने में सावधानी रखें। शुभ रंग- गुलाबी।

कर्क: योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ के योग हैं। शुभ रंग- सफेद।

सिंह: मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। पारिवारिक परेशानियां दूर हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में स्थिति बेहतर रहेगी, लेकिन वाणी में संयम रखें। शुभ रंग- मैरून।

कन्या: कामकाज की बाधाएं दूर होंगी और करियर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। निवेश और लंबी यात्रा में सावधानी रखें। शुभ रंग- हरा।

तुला: धन लाभ के लिए मेहनत बढ़ाने का समय है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी से विवाद की स्थिति से बचें। शुभ रंग- केसरिया।

वृश्चिक: भाग्य का साथ मिलेगा और काम तेजी से पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र का विस्तार संभव है। व्यापार में धन लाभ के योग हैं। शुभ रंग- हल्का लाल।

धनु: दूर स्थान से अच्छी खबर मिल सकती है। मन की चिंता दूर होगी, लेकिन खर्च बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शुभ रंग- केसरिया।

मकर: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी सराहना होगी और साझेदारी के काम में लाभ मिल सकता है। शुभ रंग- सफेद।

कुंभ: नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी और जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभाएंगे। व्यापार में सुधार के संकेत हैं। पारिवारिक विवाद से बचें। शुभ रंग- आसमानी।

मीन: सावधानी से काम करें और अनावश्यक खर्च से बचें। विदेश से लाभ की खबर मिल सकती है। विवाद और बड़े निवेश से दूरी रखें। शुभ रंग- नारंगी।

जनपद फ़िरोज़ाबाद में उद्यमशीलता और स्वावलंबन से नई पहचान बना रहीं ग्रामीण महिलाएं

उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के संयुक्त एवं सुनियोजित प्रयासों से संचालित ग्रामीण आजीविका और महिला सशक्तीकरण की विविध योजनाओं ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर को पूरी तरह से बदलना शुरू कर दिया है। सरकार का यह स्पष्ट और दृढ़ मत है कि जब किसी समाज में एक महिला सशक्त होती है, तो उसके सकारात्मक प्रभाव से पूरा परिवार, आने वाली पीढ़ियां और अंततः पूरा राष्ट्र सशक्त होता है। इसी परिकल्पना को पूर्ण रूप से साकार करने के लिए राज्य भर में व्यापक स्तर पर एक मौन क्रांति का सूत्रपात किया गया है, जिसके अत्यंत उत्साहजनक परिणाम अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगे हैं। जनपद फिरोजाबाद के ग्रामीण अंचलों में यह ऐतिहासिक बदलाव आज स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है। यहां की महिलाएं अब अपनी पारंपरिक झिझक और रूढ़िवादी सामाजिक बेड़ियों को तोड़कर घर की चारदीवारी से बाहर निकल रही हैं तथा अपनी मेहनत एवं लगन से आर्थिक स्वतंत्रता की एक नई इबारत लिख रही हैं। विभिन्न सरकारी आजीविका मिशनों और महिला केंद्रित अभियानों के अंतर्गत जनपद फिरोजाबाद की ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के जो सार्थक प्रयास जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं, वे आज पूरे प्रदेश के लिए एक उत्कृष्ट मॉडल के रूप में उभर रहे हैं। इसी ऐतिहासिक और प्रेरणादायी बदलाव की एक जीवंत एवं सशक्त मिसाल जनपद फिरोजाबाद के ब्लॉक टूंडला स्थित ग्राम बसई की निवासी हेमलता रावत की जीवन यात्रा है। उच्च शिक्षित होने के बावजूद हेमलता के जीवन में वर्ष 2022 में एक ऐसा समय आया जब उन्हें अत्यंत कठोर पारिवारिक और मानसिक आघात का सामना करना पड़ा। उनके पति मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण अचानक लापता हो गए। इस आकस्मिक घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य के चले जाने से परिवार के भरण-पोषण और विशेष रूप से अपनी दो मासूम बेटियों की परवरिश एवं उनकी शिक्षा की संपूर्ण जिम्मेदारी अचानक से हेमलता के अकेले कंधों पर आ गई। इन बेहद कठिन, चुनौतीपूर्ण और विपरीत परिस्थितियों में भी हेमलता ने अपना धैर्य नहीं खोया। इसी दौरान, जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में गांव-गांव चलाए जा रहे आजीविका संवर्धन और महिला जागरूकता कार्यक्रमों ने उनके जीवन में एक नई आशा की किरण का संचार किया। सरकारी सूत्रों से मिली जानकारी और प्रोत्साहन से प्रेरित होकर, 26 जनवरी 2020 को हेमलता अपने ग्राम की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर एक स्थानीय स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य बन गईं। समूह से जुड़ने के उपरांत हेमलता को न केवल एक मजबूत मानसिक और सामाजिक संबल प्राप्त हुआ, बल्कि सरकारी व्यवस्था के माध्यम से उन्हें आवश्यक प्रशासनिक सहयोग, मार्गदर्शन और उद्यमशीलता का प्रशिक्षण भी मिला। सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप समूह की बैठकों में नियमित प्रतिभागिता और बचत के अनुशासन का पालन करते हुए समूह के माध्यम से बीस हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और 20 अक्टूबर 2021 को अपने ही गांव में कॉस्मेटिक सामग्री की एक छोटी सी दुकान की नींव रखी। अपने व्यवसाय को अधिक पेशेवर और लाभदायक बनाने की दृष्टि से, हेमलता ने सरकारी नोडल प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से कौशल विकास का लाभ उठाया। उन्होंने सरकारी व्यवस्था के तहत निःशुल्क संचालित ब्यूटी पार्लर का आधिकारिक और तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस उन्नत प्रशिक्षण और नए कौशल को प्राप्त करने के पश्चात, उन्होंने अपनी छोटी सी कॉस्मेटिक की दुकान का सफलतापूर्वक विस्तार किया और उसे एक पूर्ण सुसज्जित ब्यूटी पार्लर के रूप में स्थापित कर दिया। उनके इस निर्णय ने न केवल उनके व्यवसाय को नई गति दी, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी स्थानीय स्तर पर एक बेहतरीन सुविधा उपलब्ध करा दी। आज हेमलता अपनी इस दुकान का सफल संचालन करने के साथ-साथ समूह सखी के रूप में अपने प्रशासनिक दायित्वों का भी अत्यंत कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। अपनी इस बहुआयामी भूमिका के माध्यम से वह वर्तमान में प्रतिमाह पंद्रह से बीस हजार रुपये तक की एक बेहद सम्मानजनक और स्थिर आय अर्जित कर रही हैं। इस आर्थिक स्वतंत्रता ने उन्हें वह सामर्थ्य प्रदान किया है जिससे वह आज एक सिंगल मदर होने के बावजूद अपनी दोनों बेटियों को बिना किसी बाहरी मोहताज के, समाज के प्रतिष्ठित संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर पा रही हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत कर रही हैं। हेमलता रावत ने अपने गांव और आस-पास के क्षेत्रों की अन्य महिलाओं को भी जागरूक कर उन्हें स्वयं सहायता समूहों के इस महाभियान से जोड़ा, उनके निरंतर प्रयासों और कुशल नेतृत्व का ही यह परिणाम है कि उनके समूह से जुड़ी आठ अन्य महिलाओं को भी सरकारी पहल के अंतर्गत बैंक सखी और बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट सखी (बी.सी. सखी) जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सम्मानजनक रोजगार प्राप्त हुए हैं, जिससे उन महिलाओं के परिवारों का भी आर्थिक कायाकल्प हुआ है। जनपद फिरोजाबाद में जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से ऐसे हजारों प्रेरणादायक उदाहरण प्रतिदिन आकार ले रहे हैं। इस वृहद लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरे जनपद के सभी विकास खंडों में सघन कौशल विकास और आजीविका संवर्धन के व्यापक कार्यक्रम युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे हैं। विभिन्न सरकारी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण नोडल एजेंसियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को उनकी व्यक्तिगत रुचि, शारीरिक क्षमता और स्थानीय संसाधनों की सुलभता के आधार पर पूरी तरह से निःशुल्क प्रशिक्षित किया जा रहा है। इन बहुआयामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जनपद फिरोजाबाद की भौगोलिक और औद्योगिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए सिलाई-कढ़ाई, खाद्य प्रसंस्करण, आचार-पापड़ व दलिया निर्माण, हस्तशिल्प, अगरबत्ती और मोमबत्ती निर्माण, जूट के पर्यावरण-अनुकूल बैग बनाने और आधुनिक जैविक खेती जैसे पारंपरिक और लाभकारी कार्यों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इसके साथ ही, बदलते समय और बाजार की आधुनिक मांग को देखते हुए महिलाओं को एलईडी बल्ब की असेंबलिंग, सोलर पैनल के तकनीकी रखरखाव और कंप्यूटर आधारित डिजिटल कार्यों का भी गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए भी पूरी तरह से तैयार रह सकें।प्रदेश सरकार की सर्वाधिक महत्वाकांक्षी 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के साथ भी जनपद फिरोजाबाद के स्वयं सहायता समूहों को रणनीतिक रूप से जोड़ा गया है। चूंकि फिरोजाबाद अपने कांच उद्योग के लिए विश्वविख्यात है, इसलिए स्थानीय महिलाओं को कांच से निर्मित उत्पादों, चूड़ियों की आधुनिक डिजाइनिंग, उनकी आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग और गुणवत्ता नियंत्रण का विशेष और उन्नत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के उपरांत इन ग्रामीण महिलाओं को अपना स्वतंत्र सूक्ष्म व्यवसाय या लघु कुटीर उद्योग शुरू करने के लिए सरकारी व्यवस्था के तहत सामुदायिक निवेश निधि और रिवॉल्विंग फंड के माध्यम से बिना किसी जटिल गारंटी के, बेहद आसान किस्तों और अत्यंत कम ब्याज दर पर पारदर्शी तरीके से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त, जनपद फिरोजाबाद के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम छोर तक निर्बाध और सुरक्षित बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के लिए संचालित श्बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट सखीश् योजना अत्यंत सफलतापूर्वक काम कर रही है। इस योजना के तहत गांव की ही चुनी हुई महिलाओं को आधुनिक डिजिटल बैंकिंग, सुरक्षित वित्तीय लेनदेन की प्रणालियों और साइबर सुरक्षा के प्रति सघन तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

प्रशिक्षण के उपरांत सरकार द्वारा इन महिलाओं को आवश्यक हार्डवेयर, माइक्रो-एटीएम और बायोमेट्रिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

सूचनाधिकारी जनपद फ़िरोज़ाबाद/ डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

किशोरी घर से 30 हजार रुपये व जेवरात लेकर प्रेमी संग फरार, युवक पर अपहरण का केस

सहजनवां/गोरखूपुरः सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव की 13 वर्षीय किशोरी घर में रखे 30 हजार रुपये और जेवरात लेकर प्रेमी संग फरार हो गई। परिजनों की खोजबीन के बाद एक युवक द्वारा किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने की जानकारी मिली। किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, किशोरी 27 अगस्त की रात करीब 11 बजे घर से निकली थी। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान पता चला कि बखिरा थाना क्षेत्र का एक युवक, जो एक डीजे व आर्केस्ट्रा संचालक के यहां रहता है, किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। परिजनों के अनुसार किशोरी घर में रखे 30 हजार रुपये और जेवरात भी साथ ले गई है। पीड़िता की मां की तहरीर पर सहजनवा पुलिस ने आरोपी मनीष गोंड पुत्र राम गुलाम गोंड, निवासी करौंदा, थाना बखिरा, जनपद संतकबीरनगर के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस किशोरी की बरामदगी और मामले की जांच में जुटी है।

छात्रवृत्ति के लंबित मामलों के निस्तारण की समय-सारिणी जारी

देवरिया। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत वंचित पात्र छात्र-छात्राओं को लाभ दिलाने के लिए शासन ने संशोधित समय-सारिणी जारी की है। शिक्षण संस्थानों को छात्रवृत्ति मास्टर डाटा में शामिल होने की प्रक्रिया एक से सात सितंबर तक पूरी करनी होगी। सीट वैरीफिकेशन व फीस सत्यापन दो से आठ सितंबर तक होगा। मास्टर डाटा का सत्यापन तीन से नौ सितंबर तथा रिजल्ट अपडेट तीन से 10 सितंबर तक किया जाएगा। त्रुटिपूर्ण आवेदन 16 से 18 सितंबर तक संशोधित होंगे। सत्यापित पात्र डाटा 17 से 19 सितंबर तक अग्रसारित किया जाएगा। विभाग ने संस्थानों से समयसीमा का पालन करने को कहा है।

दिशा समिति की बैठक 15 सितंबर को सदर सांसद शशांक मणि करेंगे अध्यक्षता

देवरिया। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 15 सितंबर को होगी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि बैठक पूर्वाह्न 11 बजे विकास भवन स्थित गांधी सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता सदर सांसद शशांक मणि करेंगे। इसमें जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने समिति के सभी सदस्यों से निर्धारित तिथि और समय पर बैठक में उपस्थित होकर प्रतिभाग करने का अनुरोध किया है।

पीएम श्री स्कूल उनवल के शिक्षक नवीन त्रिपाठी को मिलेगा राज्य शिक्षक पुरस्कार में चयनित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी /गोरखपुर। कक्षा-कक्ष में बेहतर शिक्षण के साथ विद्यालय की तस्वीर बदलने और विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षक दिवस पर सम्मानित करेगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए प्रदेश के 61 शिक्षक-शिक्षिकाओं का चयन किया है। इनमें गोरखपुर जिले के खजनी क्षेत्र की नगर पंचायत उनवल स्थित पीएम श्री स्कूल उनवल प्रथम के शिक्षक नवीन त्रिपाठी भी शामिल हैं। उन्हें पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। नवीन त्रिपाठी की शिक्षक के रूप में यात्रा प्राथमिक विद्यालय बसौली से शुरू हुई। वर्ष 2018 में उन्होंने प्राथमिक विद्यालय टेकवर में अंग्रेजी माध्यम से परीक्षा देकर चयन प्राप्त किया। विद्यालय के विकास और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के संकल्प के साथ उन्होंने लगातार नए प्रयोग किए। बाद में विद्यालय पूर्व माध्यमिक विद्यालय उनवल प्रथम के रूप में विकसित हुआ और शैक्षिक एवं भौतिक सुविधाओं में सुधार के बाद पीएम श्री स्कूल के रूप में चयनित हुआ।

त्रिपाठी के प्रयासों से विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। शुरुआती दौर में करीब 122 विद्यार्थियों वाले विद्यालय में घर-घर संपर्क और अभिभावकों को जागरूक करने के प्रयास से छात्र संख्या बढ़कर 470 तक पहुंच गई। विभागीय एवं पीएम श्री योजना के संसाधनों से बच्चों के लिए डेस्क-बेंच, एलईडी लाइट, स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, विज्ञान प्रयोगशाला और गणित किट की व्यवस्था कराई गई। विद्यार्थियों को समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण, खेल प्रतियोगिताओं और विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में शामिल कराया गया।

विद्यालय के भवन में भी बड़ा बदलाव आया। एक पुराने भवन और जर्जर भवन से शुरू हुए विद्यालय में बाल वाटिका भवन, अतिरिक्त भवन, डबल स्टोरी भवन और प्रधानाध्यापक कक्ष का निर्माण हुआ। स्कूल और नगर पंचायत के सहयोग से इंटरलॉकिंग का कार्य भी कराया गया। महज एक वर्ष में विद्यालय का बदला स्वरूप लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। छात्राओं अंशिका, रोशनी, रीति, मधोनिक, आंशिका और अनन्या ने बताया कि त्रिपाठी सर के आने के बाद पढ़ाई के साथ अनुशासन और पाठ्यक्रम को सरल तरीके से समझने में काफी मदद मिली। शिक्षक उमाशंकर ने कहा कि त्रिपाठी की कार्यप्रणाली से अन्य शिक्षकों को भी सीख लेने की प्रेरणा मिलती है। अभिभावकों ने भी विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि स्कूल निजी विद्यालयों को टक्कर देने वाली सुविधाएं और शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष महेश कुमार दुबे ने कहा कि नवीन त्रिपाठी का राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयन उनवल के लिए गर्व की बात है। उनके उत्कृष्ट कार्य सराहनीय हैं और नगर पंचायत स्तर पर भी उन्हें सम्मानित कर सकारात्मक संदेश दिया जाएगा।

हरिशंकरी पौधरोपण से परसा अगलहवा में दिखा प्रकृति और आस्था का संगम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलबाजार गोरखपुरः उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने की पहल के तहत ग्राम पंचायतों में हरिशंकरी वृक्षों का रोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड गोला के अनेक गांवों में हरिशंकरी वृक्ष लगाए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत परसा उर्फ अगलहवा में भी मंगलवार को हरिशंकरी वृक्ष का विधिवत रोपण किया गया। हरिशंकरी वृक्ष का भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व माना जाता है। पीपल, बरगद और पाकड़ जैसे वृक्षों के संगम को हरिशंकरी के रूप में जाना जाता है। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह वृक्षारोपण लोगों को प्रकृति और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का भी संदेश दे रहा है।

ग्राम पंचायत परसा उर्फ अगलहवा में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्राम विकास अधिकारी रविंदर गौड, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जाकिर हुसैन तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय परसा के इंचार्ज प्रधानाध्यापक सूर्य प्रताप राय व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी लोगों ने मिलकर वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। ग्राम पंचायत में लगाए गए हरिशंकरी वृक्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति संरक्षण और भारतीय संस्कृति का संदेश होगा।

न्याय की मांग को लेकर तहसील गेट पर बुजुर्ग महिला का आमरण अनशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां/गोरखपुरः अपनी जमीन और संपत्ति से जुड़े विवाद में न्याय न मिलने का आरोप लगाते हुए एक बुजुर्ग महिला ने सोमवार को सहजनवा तहसील परिसर के मुख्य गेट पर आमरण अनशन शुरू कर दिया। महिला ने प्रशासनिक अधिकारियों पर प्रकरण में कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला द्वारा अधिकारियों को दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, वह अपनी संपत्ति से जुड़े मामले को लेकर लंबे समय से न्याय की गुहार लगा रही है। महिला का आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा उसकी भूमि और संपत्ति से संबंधित मामले में अनुचित तरीके से हस्तक्षेप किया जा रहा है। इस संबंध में उसने स्थानीय प्रशासन और तहसील अधिकारियों को कई बार प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन अब तक उसकी समस्या का समाधान नहीं हो सका।

महिला का कहना है कि लगातार अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर लगाने के बावजूद जब उसे न्याय नहीं मिला तो मजबूर होकर उसने सहजनवा तहसील के गेट पर आमरण अनशन शुरू करने का निर्णय लिया। उसने चेतावनी दी है कि जब तक उसके मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उसका आंदोलन जारी रहेगा। बुजुर्ग महिला के आमरण अनशन पर बैठने की सूचना मिलते ही तहसील परिसर में लोगों की भीड़ जुटने लगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की है। फिलहाल प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। प्रशासनिक स्तर पर जांच और बातचीत के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

गोला पुलिस ने स्कूल की छात्राओं को सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का दिया मंत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला बाजार- गोरखपुर। शासन के मंशा के अनुरूप महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत थाना परिसर गोला बाजार में मंगलवार को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 10वीं से 12वीं तक की छात्राओं को आपातकालीन स्थिति में अपनी सुरक्षा करने, कानूनी अधिकारों को जानने और आत्मनिर्भर बनने के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रप्रकाश पांडेय, निरीक्षक अपराध राजेश कुमार यादव वरिष्ठ उप निरीक्षक इंद्रजीत कुशवाहा नारी मिशन शक्ति प्रभारी महिला उप-निरीक्षक प्रियंका मौर्य एवं महिला कांस्टेबल करिश्मा राना ने छात्राओं को मिशन शक्ति के मूल उद्देश्यों और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। थाना प्रभारी चंद्रप्रकाश पांडेय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति में घबराने के बजाय निडर होकर सामना करना चाहिए। पुलिस हर कदम पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए तत्पर है।

महिला उप-निरीक्षक प्रियंका मौर्य और कांस्टेबल करिश्मा राना ने सरकार द्वारा जारी विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों- 1090 (महिला पावर लाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), और 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) के प्रयोग एवं उनकी कार्यप्रणाली के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। विद्यालय के प्रबंध निदेशक अमरनाथ वर्मा ने पुलिस टीम का आभारव्यक्त करते हुए कहा नारी सुरक्षा और सम्मान केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि यह हमारे समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एल.पी.एम. पब्लिक स्कूल अपनी छात्राओं को न केवल उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से इतना सशक्त बनाना चाहता है कि वे हर चुनौती का सामना आत्मविश्वास से कर सकें। कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्या एकता वर्मा व रेवरेण्ट डी के सिंह ने कहा कि आज के दौर में बालिकाओं का जागरूक और सतर्क होना बेहद आवश्यक है। इस प्रकार के जागरूकता सत्रों से छात्राओं में सुरक्षा बोध बढ़ता है और उनका मनोबल मजबूत होता है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारी छात्राएं इन जानकारियों का लाभ उठाकर स्वयं को और अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी जागरूक करेंगी। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों से अपनी शंकाओं के समाधान हेतु प्रश्न भी पूछे, जिनका अधिकारियों ने बेहद सहजता से उत्तर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के समन्वयक मनीष यादव सहसमन्वयक अनूप सिंह व इन्द्रजीत सिंह के साथ शिक्षक शिवम पाण्डेय, चन्दन विश्वकर्मा, दुर्गेश धर दुबे, अर्जुन प्रजापति उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर चोर मुमताज गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। पिपराईच क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में वांछित एक शातिर आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जंगल धूषण के पास मंगलवार तड़के हुई मुठभेड़ में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए सीएचसी पिपराईच ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल गोरखपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान तिवारीपुर क्षेत्र के निजामपुर चौराहा निवासी मुमताज अहमद उर्फ राजू पुत्र शफीक अहमद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 2:20 बजे जंगल धूषण के पास पिपराईच पुलिस टीम संदिग्धों और गंभीर घटनाओं में वांछित आरोपियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एंटी थेफ्ट सेल के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार राय भी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। संयुक्त टीम पादरी बाजार की ओर से आ रहे दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास कर रही थी। पुलिस का इशारा देखकर दोनों ने वाहन मोड़कर भागने का प्रयास किया। इसी दौरान स्कूटी सवार गिर गया।

पुलिस का दावा है कि आत्मसमर्पण के लिए कहने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। गोली लगने से कांस्टेबल हनुमान यादव घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के बाएं पैर में लगी और वह मौके पर गिर पड़ा। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर उसका दूसरा साथी जंगल की ओर भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से चोरी के दो सफेद धातु के सिक्के, 2,200 रुपये नकद, दो दोपहिया वाहन, एक देशी तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी पिपराईच थाने में दर्ज चोरी के तीन मामलों में वांछित था।

बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमों में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है और शस्त्र बरामदगी के संबंध में एक अन्य अभियोग दर्ज किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मुमताज के खिलाफ गोरखपुर के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत कई धाराओं में 14 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब फरार साथी की पहचान और गिरफ्तारी के साथ अन्य चोरी की घटनाओं में आरोपी की भूमिका की भी जांच कर रही है।

अधिवक्ताओं से मिले भाजपा नेता संतोष तिवारी, लैपल पिन लगाकर किया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भाजपा नेता एडवोकेट संतोष कुमार तिवारी ने मंगलवार को दीवानी एवं जिला बार एसोसिएशन, देवरिया के अधिवक्ताओं से मुलाकात कर उन्हें लैपल पिन लगाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने अधिवक्ताओं के साथ आत्मीय संवाद भी किया। संतोष तिवारी ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होने के साथ ही लोकतंत्र की मजबूत आधारशिला हैं। अधिवक्ताओं के अनुभव और मार्गदर्शन से समाज में न्याय तथा विधिक जागरूकता को मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि देवरिया के अधिवक्ता साथियों के साथ उनका संबंध हमेशा सम्मान, आत्मीयता और सहयोग का रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन और युवा अधिवक्ताओं का उत्साह उन्हें जनसेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है। भाजपा नेता ने कहा कि जनसेवा के संकल्प के साथ देवरिया सदर विधानसभा क्षेत्र में लोगों से संवाद और संपर्क का सिलसिला जारी है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझना तथा उनके सुख-दुःख में सहभागी बनना उनकी प्राथमिकता है। इस अवसर पर दीवानी एवं जिला बार एसोसिएशन के बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

आईजीआरएस में लापरवाही पर पांच अधिकारियों को नोटिस

देवरिया। आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और त्रुटिपूर्ण रिपोर्ट लगाने पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने पांच अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीएम ने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण महज औपचारिकता नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान होना चाहिए। नोटिस पाने वालों में ड्यूटी में लापरवाही पर खंड विकास अधिकारी सलेमपुर, शौचालय की मांग से जुड़े प्रकरण में सहायक विकास अधिकारी पथरदेवा, नाली निर्माण के मामले में खंड विकास अधिकारी भाटपाररानी, प्रधानमंत्री आवास योजना में अपात्र व्यक्ति को आवास दिए जाने की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी रुद्रपुर और सूचना उपलब्ध कराने के प्रकरण में खंड विकास अधिकारी गौरीबाजार शामिल हैं। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आईजीआरएस प्रकरणों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। शिकायतकर्ता से संवाद कर उसकी वास्तविक समस्या समझी जाए और नियमानुसार प्रभावी समाधान कराया जाए। उन्होंने निस्तारण आख्या में की गई कार्रवाई का स्पष्ट और तथ्यात्मक उल्लेख करने के निर्देश दिए।

लापरवाही मामले में तीन सीडीपीओ और सुपरवाइजर का वेतन रोका

डीएम ने जल निगम, सिंचाई, नलकूप, पोषण व महिला कल्याण योजनाओं की किया समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सख्त रुख अपनाया। जिला पोषण समिति की समीक्षा में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर लार, सलेमपुर और रुद्रपुर के सीडीपीओ व संबंधित सुपरवाइजर का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। कलेक्ट्रेट में जल संसाधन विभागों की समीक्षा में डीएम ने जल निगम की पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों का रिस्टोरेशन समय से कराने के निर्देश दिए। बाढ़ खंड को जलस्तर व वर्षा के आंकड़े नियमित प्रदर्शित करने और बाढ़-कटान से बचाव की तैयारियां पूरी रखने को कहा। सिंचाई विभाग को नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने और आवश्यकता के अनुसार सिल्ट सफाई कराने के निर्देश दिए। नलकूप विभाग को खराब राजकीय नलकूप प्राथमिकता से ठीक कर किसानों को निर्बाध सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने को कहा।

मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना में जिले में उथले नलकूप के 2,438, मध्यम गहरे नलकूप के 37 तथा पंपसेट-हौज के 137 आवेदन प्राप्त हुए हैं। पोषण समीक्षा में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, बच्चों की उपस्थिति, होम विजिट और कुपोषित बच्चों की निगरानी की जांच हुई। डीएम ने सभी बीडीओ को कम से कम 20-20 आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने को कहा साथ ही लापरवाह आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए। आइजीआरएस की समीक्षा में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने को कहा। शिकायतकर्ता से संवाद और निस्तारण आख्या में कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य किया। महिला कल्याण की समीक्षा में दो बहनों का कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, रुद्रपुर में नामांकन कराया गया। डीएम ने चार सितंबर को महिला सशक्तीकरण पर यूट्यूब लाइव और 17 सितंबर को पांच विकासखंडों में पीएनटी बैठकें कराने के निर्देश दिए।

नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को वितरित किए गए नियुक्ति पत्र

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम : विधायक प्रभात कुमार वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर, गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं को रोजगार, सम्मान और स्वावलंबन के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, विकासखंड बभनजोत, जनपद गोंडा द्वारा नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी सहायिकाएं प्रदेश के नौनिहालों के पोषण, स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनका चयन केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृशक्ति को सशक्त बनाने, महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने तथा समाज के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महिला सशक्तिकरण और रोजगार के क्षेत्र में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रदेश की विकास यात्रा को नई गति प्रदान कर रहे हैं।

विधायक ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के अवसर प्रदान करना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। इस अवसर पर विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने सभी नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बच्चों और महिलाओं के हित में बेहतर कार्य करें। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पटेल, सीडीपीओ बभनजोत दुर्गेश कुमार गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अरुण प्रकाश शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष शोहरत वर्मा, डब्लू सिंह, बब्लू वर्मा, विक्रम प्रसाद वर्मा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनें उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में पीआरडी जवान घायल

कोंच(जालौन)- कोंच-उरई सड़क मार्ग पर सोमवार की देर रात करीब 11 बजे तेज रफ्तार कार को बचाने के प्रयास में पीआरडी जवान की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंदक में जा गिरी। हादसे में पीआरडी जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से घायल को उपचार के लिए सीएचसी कोंच में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अंडा निवासी तुलाराम पीआरडी जवान है जिसकी ड्यूटी इन दिनों उरई में ट्रैफिक व्यवस्था में लगी है। देर रात वह ड्यूटी पूरी कर बाइक से अपने गांव वापस लौट रहा था। बताया जा रहा है कि कोंच-उरई रोड पर सामने से तेज रफ्तार कार आ रही थी। कार को बचाने के प्रयास में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क किनारे खंदक में जा गिरी जिससे तुलाराम गंभीर रूप से घायल हो गया।

महिला ने पति व जेठ की पुलिस से की शिकायत

कोंच(जालौन)- एक महिला ने अपने पति और जेठ पर गाली गलौच कर मारपीट करने व घर से बाहर निकाल देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ताहरपुरा निवासी महिला चन्द्रकली ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पति रामनारायण और जेठ चिन्तामन उसके बच्चों को गालियां दे रहे थे। विरोध करने पर दोनों ने मिलकर उसके साथ गाली गलौच कर मारपीट की जिससे वह घायल हो गई। महिला का आरोप है कि मारपीट के बाद उसे घर से भी बाहर निकाल दिया गया। उसने पुलिस को बताया कि पति उसे खर्च के लिए रुपए नहीं देता है और आए दिन उसके साथ अभद्रता करता है। उसने जेठ पर उसकी बेटी के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने, घर की बिजली-पानी आपूर्ति बंद करने की शिकायत पुलिस से की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रेलवे की सिग्नल केबिल चोरी करने वाला पकड़ा गया

कोंच(जालौन)- रेलवे की सिग्नल केबिल चोरी करने वाले युवक को आरपीएफ पुलिस ने केबिल सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार कोंच में बीते चार दिनों से लगातार रेलवे की सिग्नल केबिल चोरी होने की सूचना मिलने पर सोमवार की रात करीब 8 बजे रेलवे की आरपीएफ मोंठ पुलिस कोंच आई। पुलिस को देख यहां रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में उक्त युवक छिप गया। पुलिस ने उसे झाड़ियों से बाहर निकालकर पकड़ लिया। उसके पास से चोरी की गई सिग्नल केबिल भी पुलिस ने बरामद की।

तीतरा गांव में श्मशान घाट पर व्यवस्थाएं न होने पर भड़के ग्रामीण

एसडीएम के आश्वासन पर बारिश के बीच पांच घंटे बाद मृतक का किया जा सका अंतिम संस्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीडीओ नदीगांव नरेश पाल का कहना है कि ब्लॉक क्षेत्र में जहां-जहां श्मशान घाट की समस्या है, वहां की सूची संबंधित कर्मचारियों के साथ बैठक कर तैयार कराई जाएगी। और फिर प्राथमिकता के आधार पर जल्द ही श्मशान घाटों पर जरूरी काम कराए जाएंगे।

कोंच(जालौन)- करीब पांच हजार की आबादी वाले नदीगांव ब्लॉक के ग्राम तीतरा खलीलपुर में श्मशान घाट की व्यवस्थाये ठीक न होने से मंगलवार को बारिश के बीच ग्रामीणों को 5 घंटे तक मृतक एक ग्रामीण का शव रखकर अंतिम संस्कार के लिए इंतजार करना पड़ा। अव्यवस्था से आक्रोशित ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया, सूचना पर एसडीएम ने तत्काल ही राजस्व विभाग व पुलिस की टीम मौके पर भेजी इसके बाद भी ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार करने से साफ मना कर दिया, जिसके बाद एसडीएम अभिनव कुमार से ग्रामीणों की दूरभाष पर वार्ता हुई और एसडीएम के व्यवस्था सुधार हेतु मिले अश्वासन के बाद ही मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। नदीगांव विकास खंड के ग्राम तीतरा खलीलपुर में दो जगह श्मशान घाट की जगह पड़ी है लेकिन दोनों जगह श्मशान घाट नहीं बन पाया है और न ही तीतरा के मजरा गांव खेड़ाबेड़ा में श्मशान घाट बना हुआ है। श्मशान घाट के नाम पर सिर्फ एक चबूतरा ही बना हुआ है और बारिश से बचाव के लिए टीनशेड नहीं है। चबूतरे के आसपास भी पानी भरा हुआ है। गांव के शिवकुमार (47) का कैंसर की बीमारी के चलते निधन होने पर मंगलवार की सुबह ग्रामीण उसके अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पर पहुंचे लेकिन बारिश शुरू होने से करीब पांच घंटे श्मशान घाट पर शव रखकर इंतजार करना पड़ा। अव्यवस्था से नाराज ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। सूचना पर एसडीएम ने लेखपाल उदय यादव, कानूनगो अजय त्रिवेदी व भेड़ चौकी इंचार्ज विनीत कुमार को मौके पर भेजा, जिन्होंने ग्रामीणों को मृतक का अंतिम संस्कार करने के लिए काफी समझाया लेकिन ग्रामीण नहीं माने। जिसके बाद एसडीएम द्वारा दूरभाष पर व्यवस्थित रूप से श्मशान घाट बनवाये जाने का आश्वासन दिया गया तब कहीं जाकर ग्रामीणों ने मृतक का अंतिम संस्कार किया। गौरतलब हो कि कुछ दिन पहले यही स्थिति खैरावर गांव के मजरा गांव ब्यौना रियासत में देखने को मिली थी।

एटीएम में चोरी का प्रयास, सीसीटीवी तोड़ने में नाकाम रहा चोर

वायरिंग उखाड़ने और बैंक में घुसने की कोशिश भी रही विफल

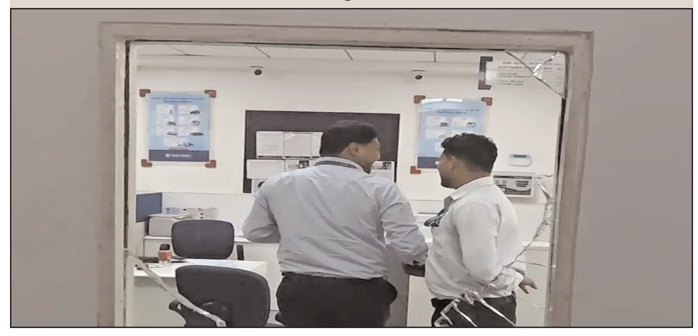

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूंडला। थाना टूंडला क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम कक्ष में सोमवार देर रात एक चोर ने चोरी का प्रयास किया। आरोपी ने सीसीटीवी कैमरे को पत्थर मारकर क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सका। इसके बाद उसने एटीएम की वायरिंग उखाड़ने का भी प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, रात करीब एक बजे आरोपी एटीएम कक्ष में दाखिल हुआ। उसने बैंक के अंदर जाने के लिए दरवाजे का कांच तोड़ दिया, लेकिन अंदर प्रवेश नहीं कर सका। चोरी का प्रयास विफल होने पर आरोपी बिना नकदी लिए मौके से फरार हो गया।

सीसीटीवी फुटेज से तलाश

मंगलवार दोपहर करीब दो बजे सुरक्षाकर्मी के सुपरवाइजर ने थाने पहुंचकर घटना की तहरीर दी।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के बाद बैंक और एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की जा रही है।

क्यों लड़िया में लोक निर्माण विभाग की सड़क बनी तालाब विभाग मौन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ नवाबगंज तहसील के क्यों लड़िया में स्थित मुख मार्ग से तिराहे से जावेद जाने वाले शारदा सागर खंड नहर के पुल तक बनी लोक निर्माण विभाग की सड़क विगत 5 वर्षो से टूटी पड़ी है जो अब तालाब में तब्दील हो गई जगह-जगह पानी भर गया है प्रदेश के मुख्यमंत्री की गड्ढा मुक्त योजना भी इस सड़क के काम नहीं आई यह बदहाल सड़क आज भी यह साबित करती है। के यहां पर मुख्यमंत्री का आदेश लागू नहीं हुआ अन्यथा यह सड़क भी ठीक हो जाती परंतु यहां के लोगों के लिए यह सड़क ना बना एक कैंसर रोग के बराबर है क्योंकि किसानों के उपयोग की सभी वस्तुएं खरीदने के लिए बना बाजार इसी सड़क पर है परंतु बरसात में इस सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया है इसलिए दुकानदारों का भी कारोबार चौपट हो गया है। इतना ही नहीं आवश्यकता की वस्तुएं खरीदने के लिए लोगों को भी इस कीचड़ में ही घुसकर जाना पड़ता है परंतु व्यक्ति इस बाजार में जब भी प्रवेश करता है जब उसकी समस्या किसी भी तरह से निपट नहीं पाती है अन्यथा बरसात भर इस सड़क पर जाने का व्यक्ति सपने में भी नहीं सोचता है इस बदहाल सड़क के लिए दुकानदारों से लेकर अन्य ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों तक सड़क ठीक कराए जाने की मांग की गई परंतु कोई कार्यवाही न होने से लोगों को अब केवल मायूसी हाथ लगी है तालाब बनी इस सड़क से ही लोग निकल रहे हैं।

कांग्रेस की विशाल जन जागरण रैली को लेकर पूर्व विधायक ने किया जनसंपर्क

बरेली/ नवाबगंज विधानसभा से पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने कांग्रेस के एक विशाल आयोजन जन कल्याण रैली के लिए नवाबगंज के रामलीला मैदान में आयोजित किए जाने को लेकर इस रैली को सफल बनाने के लिए आज उन्होंने ग्राम डडिया बीरम नगला नदिया अख्तियारपुर दबी खेड़ा पडरा खिचीपुर अख्तियारपुर लाइव खेड़ा सिजोलिया आदि ग्रामों में जाकर जनसंपर्क किया गया और लोगों को 19 सितंबर को होने वाली कांग्रेस की विशाल जन जागरण रैली को सफल बनाने के लिए एकत्रित होकर भारी मात्रा में पहुंचने की अपील की।

भारतीय जीवन बीमा निगम का नवाबगंज में स्थापना दिवस मनाया गया मुख्य अतिथि रहे रवि शंकर गंगवार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ नवाबगंज की शाखा में भारतीय जीवन बीमा निगम के स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि रहे विकासखंड भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार 1 सितंबर 1956 को भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना हुई थी इस अवसर पर आज नवाबगंज की शाखा में स्थापना दिवस मनाते हुए। भारतीय जीवन बीमा निगम नवाबगंज की शाखा के शाखा प्रबंधक विजय सिंह गंगवार प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक दिक्षित विजय कश्यप समेत विभाग के अनेकों लोग मौजूद रहे इस स्थापना दिवस पर संबोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने शाखा प्रबंधक समेत भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारी कर्मचारियों को बधाई दी। और कहा यह देश की सर्वोच्च पॉलिसी है जिसमें किसान से लेकर मजदूर तक की धनराशि सुरक्षित रहती है और निगम के द्वारा दी गई नेम शर्तें पूरी करने पर समय अनुसार उसकी सुरक्षित पूरी धनराशि व्यक्ति के खाते में जाती है यहां पर धोखाधड़ी जैसी कोई समस्या नहीं है इसलिए लोगों को अपना भविष्य सुरक्षित रखने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम में अपना बीमा पॉलिसी करवाने के बाद अपने रुपए को सुरक्षित रखने का साधन अपनाना चाहिए। इस मौके पर उपस्थित भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार शाखा नवाबगंज विजय सिंह गंगवार प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक दिक्षित विजय कश्यप सभी ने बड़ी धूमधाम के साथ इस शाखा की 70 वर्ष पूर्ण होने पर वर्षगांठ को स्थापना दिवस के रूप में मनाया गया।

74 वर्षीय किसान वीरेंद्र सिंह ने आधुनिक खेती से रचा सफलता का इतिहास

वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर बाजरा उत्पादन में राज्य स्तर पर हासिल किया प्रथम स्थान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद/टूंडला। उम्र के 74वें पड़ाव पर भी खेती के प्रति जुनून और सीखने की ललक ने मोहम्मदाबाद गांव निवासी किसान वीरेंद्र सिंह को नई पहचान दिलाई है। आधुनिक कृषि तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर उन्होंने बाजरा उत्पादन में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर पुरस्कार प्राप्त किया है। उनकी सफलता क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बनी है। वीरेंद्र सिंह ने बताया कि पहले खेती में बढ़ती लागत, पारंपरिक पद्धतियों और सीमित संसाधनों के कारण अपेक्षित उत्पादन नहीं हो पाता था। इसके बाद उन्होंने राज्य सरकार की 'आत्मा योजना' और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाना शुरू किया। बाजरे की खेती के लिए उन्हें बीज, खाद और खरपतवार नाशक दवाओं पर अनुदान का लाभ भी मिला, जिससे खेती की लागत नियंत्रित करने में मदद मिली।

कृषि संस्थानों का किया भ्रमण

नई तकनीकों की जानकारी हासिल करने के लिए वीरेंद्र सिंह ने तेलंगाना, उदयपुर, अजमेर, पंतनगर और दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर)-पूसा सहित प्रमुख कृषि संस्थानों का भ्रमण किया। वहां उन्होंने उन्नत बीज, फसल प्रबंधन और वैज्ञानिक खेती की तकनीकों को समझा और अपने खेतों में उनका प्रयोग किया। इसका परिणाम बाजरा उत्पादन में देखने को मिला और उन्होंने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया।

15 वर्षो से किसानों का कर रहे मार्गदर्शन

वीरेंद्र सिंह पिछले करीब 15 वर्षो से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर की कृषक समिति, जनपद फिरोजाबाद के अध्यक्ष के रूप में किसानों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वह अपने अनुभवों को किसानों के साथ साझा कर उन्हें आधुनिक तकनीक अपनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती के साथ कृषि विभाग की योजनाओं और नई तकनीकों की जानकारी भी हासिल करनी चाहिए। शिक्षित युवाओं को भी कृषि क्षेत्र से जुड़ना चाहिए। विज्ञान और तकनीक के इस्तेमाल से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। वीरेंद्र सिंह ने कहा, 'खेत और खलिहान में जब पहुंचे विज्ञान, तब किसान और देश भी होता है बलवान।' उनकी सफलता यह संदेश देती है कि उम्र सीखने और नई तकनीक अपनाने में बाधा नहीं है। मेहनत, वैज्ञानिक सोच और आधुनिक कृषि पद्धतियों के सही इस्तेमाल से खेती को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाया जा सकता है।

फिरोजाबाद में 12 सितंबर को लगेगा वृहद रोजगार मेला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। जिला सेवायोजन अधिकारी खुशबू शाक्या ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय, फिरोजाबाद एवं महात्मा गांधी महाविद्यालय, एस.एन. रोड, फिरोजाबाद के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला 12 सितंबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से महात्मा गांधी महाविद्यालय, एस.एन. रोड, फिरोजाबाद में आयोजित होगा। मेले का शुभारम्भ श्री मनीष असीजा, 97-सदर विधायक, जनपद फिरोजाबाद के कर कमलों द्वारा किया जाएगा।

विभिन्न कंपनियां करेंगी अभ्यर्थियों का चयन

मेले में देश एवं प्रदेश की विभिन्न कंपनियों के नियोजकों द्वारा बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा। साक्षात्कार के बाद कंपनियों द्वारा अपनी आवश्यकता एवं योग्यता के अनुसार अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क होगी। रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए यह मेला रोजगार प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य

रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाले बेरोजगार अभ्यर्थियों के लिए सेवायोजन विभाग के वेब पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

ये दस्तावेज साथ लेकर पहुंचे अभ्यर्थी

साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र, फोटो एवं रिज्यूम साथ लाना आवश्यक होगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर आयोजन स्थल पर पहुंचें। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की गई है, ताकि उन्हें विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें।

खैरी गांव में जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने एसडीएम से लगाई गुहार

कोंच(जालौन)- तहसील क्षेत्र के ग्राम खैरी में बारिश के पानी की समुचित निकासी न होने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गांव में जलभराव होने से अधिकांश आम रास्ते पानी में डूबे हुए हैं जिससे ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। मंगलवार को एसडीएम अभिनव कुमार को दिए शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने कहा कि गांव में बारिश के पानी की निकासी के लिए बनाई गई पुलियों को दबंग ग्रामीणों ने बंद कर रखा है। पुलियों के बंद होने के कारण पानी का प्राकृतिक बहाव रुक गया है और बारिश का पानी गांव के अंदर जमा हो गया है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते पुलियों को खुलवाकर पानी की निकासी नहीं कराई गई तो समस्या और भी गंभीर हो सकती है क्योंकि घरों के आसपास पानी जमा होने से घरों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने एसडीएम से मामले में कार्यवाही की मांग की है। शिकायत करने वालों में सियाशरण, देव राजावत, मोनू, रवि कुमार, गोपाल, चैतन्य प्रकाश, थानसिंह, बलवीर अहिरवार आदि ग्रामीण शामिल रहे।

चार दिन बाद 55 किमी दूर नदी किनारे झाड़ियों में फंसा मिला हरीशंकर का शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- सलैया गांव के नजदीक से निकली पहूज नदी में लापता हुए युवक हरिशंकर का शव चौथे दिन सोमवार की शाम रेंढर थाना क्षेत्र में बरामद हो गया है। गुरुवार 27 अगस्त की शाम हरिशंकर नहाने के लिए नदी में उतरा था और तेज बहाव की चपेट में आकर लापता हो गया था। इसके बाद से ही फ्लड टीम और एसडीआरएफ की टीम के साथ कैलिया और नदीगांव थाना पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। सोमवार शाम को हरिशंकर का शव रेंढर थाना क्षेत्र के लहूदी लगामपुरा इलाके में नदी किनारे झाड़ियों के बीच फंसा मिला। नदी में पानी ज्यादा होने और तेज बहाव के कारण शव घटनास्थल से करीब 55 किलोमीटर दूर पहुंच गया। जैसे ही शव मिलने की सूचना घर पहुंची, परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। कैलिया थाना क्षेत्र के सलैया गांव में गुरुवार शाम करीब 6 बजे पहूज नदी में नहाते समय हरिशंकर कौरव (28) तेज बहाव में बह गया था। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के कारण सफल नहीं हो सके। सूचना मिलते ही एसओ कैलिया अवनीश कुमार पटेल थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और युवक की तलाश शुरू कराई। एसडीआरएफ की टीम के अलावा फ्लड टीम को सर्च ऑपरेशन में लगाया गया था। कैलिया थाना पुलिस के साथ नदीगांव थाना पुलिस की टीमें भी नदी के अलग-अलग हिस्सों में तलाश करती रहीं। स्टीमर और अन्य संसाधनों की मदद से नदी में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया गया। नदी का तेज बहाव और जगह-जगह झाड़ियां होने के कारण टीमों को सर्च ऑपरेशन में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हरिशंकर का शव चौथे दिन सोमवार की शाम रेंढर थाना क्षेत्र के लहूदी लगामपुरा इलाके में बरामद हुआ है। पहूज नदी में पानी ज्यादा होने और तेज बहाव के कारण शव घटनास्थल से करीब 55 किलोमीटर दूर पहुंच गया। पानी के तेज बहाव के कारण सर्च ऑपरेशन का दायरा बढ़ते-बढ़ते रेंढर थाना क्षेत्र तक जा पहुंचा था। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पहचान की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। सोमवार को झाड़ियों में शव मिलने की सूचना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष कैलिया अवनीश कुमार पटेल ने बताया कि लगातार पानी में रहने के कारण हरिशंकर के शव की हालत बहुत ही खराब हो गई थी और उससे तीव्र दुर्गंध उठ रही थी। शव की शिनाख्त मृतक के भाई ऊधम सिंह कौरव और बहनोई संतोष ने की। उन्होंने बताया कि मृतक हरिशंकर अविवाहित था और शराब का भी लती था। थाना कैलिया पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। जनपद में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने सिरसागंज तहसील क्षेत्र के राम कबीरपुर स्थित मैसर्स मेकम्स बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड तथा बीआरएस बायो प्लांट प्राइवेट लिमिटेड का स्थलीय निरीक्षण किया।

किसानों को उपज का मिले बेहतर और लाभकारी मूल्य

मेकम्स बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्लांट की विभिन्न इकाइयों, उत्पाद श्रृंखला एवं प्रोसेसिंग गतिविधियों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संस्थान के प्रबंध तंत्र को निर्देश दिए कि ऐसी प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे फिरोजाबाद के स्थानीय किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से स्थानीय किसानों को उनकी उपज का बेहतर एवं लाभकारी मूल्य हर हाल में मिलना चाहिए।

किसानों से सीधे खरीदा जा रहा कच्चा माल

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि संस्थान द्वारा हल्दी एक्सट्रैक्ट, अश्वगंधा रूट पाउडर, पोस्बेलिया सिराता आदि औषधीय घटकों के निर्माण के लिए कच्चा माल सीधे किसानों से खरीदा जा रहा है। डीएम ने क्रय व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक स्थानीय किसान इस व्यवस्था से जुड़ सकें और उन्हें अपनी कृषि उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

95 प्रतिशत कर्मचारी फिरोजाबाद के

संस्थान के प्रबंध तंत्र द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि प्लांट में कार्यरत जनशक्ति में 95 प्रतिशत कर्मचारी अकेले फिरोजाबाद जनपद के हैं। इस पर जिलाधिकारी ने स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने से युवाओं को अपने ही जनपद में बेहतर रोजगार मिल सकेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंच रहे उत्पाद

जिलाधिकारी को यह भी जानकारी दी गई कि प्लांट में निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात किया जा रहा है। इससे जनपद में विदेशी मुद्रा का आगमन हो रहा है। संस्थान द्वारा बताया गया कि इकाई उत्तर प्रदेश फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज पॉलिसी-2023 के अनुरूप संचालित हो रही है। यह नीति प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के राज्य सरकार के संकल्प में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निरीक्षण के अंत में जिलाधिकारी ने संस्थान के निदेशक आकाश अग्रवाल एवं मैनेजर अंकित श्रीवास्तव को निर्देश दिए कि कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ औषधीय एवं व्यावसायिक फसलों की खेती के लिए प्रशिक्षित एवं प्रोत्साहित किया जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो और उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत हो सके।

टिशू कल्चर से तैयार हो रहे केले और आलू के बीज

इसके पश्चात जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने बीआरएस बायो प्लांट प्राइवेट लिमिटेड का भी निरीक्षण किया। यहां टिशू कल्चर विधि से केले के पौध/बीज एवं आलू के बीज तैयार किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने संस्थान की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए इसे कृषि क्षेत्र में तकनीक के बेहतर उपयोग का उदाहरण बताया। उन्होंने संस्थान की संचालिका हेमा सिंह के बेहतर संचालन की प्रशंसा की तथा उन्हें नारी स्वावलम्बन के क्षेत्र में पुरस्कृत करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान जिला उद्यान अधिकारी सी.पी. अवस्थी सहित संबंधित अधिकारी एवं संस्थान के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की घोर लापरवाही: मौत के गड्ढों में तब्दील बेलन नदी पुल

हादसों के बाद भी नहीं जागे जिम्मेदार, राहगीरों और वाहन चालकों की जान लगातार जोखिम में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेलन बरौंधा में बेलन नदी के ऊपर बने पुराने पुल की सड़क जर्जर हालत में पहुंच चुकी है। पुल पर बने बड़े-बड़े गड्ढे आए दिन हादसों का कारण बन रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा कई बार शिकायत और अवगत कराने के बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस मरम्मत कार्य नहीं कराया गया। विभाग की कथित लापरवाही के चलते राहगीरों और वाहन चालकों की जान लगातार जोखिम में बनी हुई है। बताया गया कि इसी जर्जर सड़क और पुल पर बने खतरनाक गड्ढों के चलते ट्रक संख्या HR 38AC 2706 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया और लोगों ने सड़क की बदहाल स्थिति के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को जिम्मेदार ठहराया। ग्रामीणों का कहना है कि पुल की सड़क लंबे समय से क्षतिग्रस्त है और लगातार हादसों के बावजूद जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब दो दिन पूर्व महेश तिवारी भी इसी पुल के गड्ढे की वजह से दुर्घटना का शिकार होकर घायल हो गए थे। इसके बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग से मांग की है कि बेलन नदी के पुराने पुल की जर्जर सड़क और जानलेवा गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे और जनहानि को रोका जा सके। लोगों का कहना है कि आखिर जिम्मेदार विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है या समय रहते इस गंभीर समस्या का समाधान करेगा।

बाढ़ के मद्देनजर सीखड़ गो-आश्रय केंद्र से पशुओं को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़। बाढ़ की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन पहले से ही ऐतिहात बरतनी शुरू कर दी है। बाढ़ को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर सीखड़ गौ आश्रय केंद्र से पशुओं को निकाल कर सुरक्षित स्थान पर भेजना शुरू कर दिया है। वर्तमान समय में सीखड़ गौ आश्रय केंद्र में लगभग 284 पशु मौजूद है, जिन्हें मंगलवार को कान्हा गौ आश्रय केंद्र चुनार में स्थानांतरित किया जा रहा है।खंड विकास अधिकारी बवीता सिंह ने बताया कि बाढ़ की संभावना को देखते हुए पशुओं की सुरक्षा,सेहत को देखते हुए सीखड़ गौ आश्रय केंद्र से पशुओं को कान्हा गौ आश्रय केंद्र चुनार भेजा जा रहा है।ग्राम पंचायत अधिकारी उमेश कुमार यादव ने बताया कि पीछले साल कुछ पशुओं को अन्यत्र स्थानांतरित तो किया गया, किन्तु अचानक बाढ़ का पानी गौ आश्रय केंद्र में आ जाने पर शेष पशुओं को सीखड़ गांव में अस्थाई गौ आश्रय केंद्र बना कर रखा गया था, किन्तु स्थान परिवर्तन होने से पशुओं को काफी परेशानी हुई, जिसको देखते हुए इस बार इन्हें पहले से ही सुरक्षित स्थान पर भेजा जा रहा है जहां इनके रहने खाने पीने की मुकम्मल व्यवस्था हो सके।सीखड़ गौ आश्रय केंद्र में बाढ़ का पानी आ जाता है जिसको देखते हुए उच्च अधिकारियों के आदेशानुसार सीखड़ गौ आश्रय केंद्र से गायों को निकाल कर कान्हा गौ आश्रय केंद्र चुनार भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक 44गायों को स्थानांतरित किया जा चुका है, शेष बची गायों को दों दिनों में स्थानांतरित कर दिया जायेगा।

अनुराग ने जे आर एफ क्वालीफाई कर परिवार व क्षेत्र का नाम किया रोशन

मीरजापुर। ड्रमंडगंज ज्ञान दास गुप्त का भतीजा व राजेश कुमार गुप्ता के सुपुत्र अनुराग ने जे आर एफ क्वालीफाई कर परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सर गंगाराम झा हास्टल में रहकर अनुराग ने इसी वर्ष एम ए(हिन्दी) कम्पलीट किया और अब पीएचडी करेगा। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई अनुराग ने ड्रमंडगंज बाजार स्थित श्री जयदुर्गा इंटर कालेज से किया।उसके बाद बीए व एम ए की पढ़ाई इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कर अब आगे की पढ़ाई के लिए जो कालेज मिलेगा वहीं से रहकर करना चाहता है।विशेष बात यह है कि अनुराग ने अब तक जो भी टेस्ट दिया सभी में उसे सफलता मिली है।देवहट ड्रमंडगंज के पूर्व प्रधान आदर्श शिव प्रसाद संस्कृत महाविद्यालय के सेवानिवृत्त हिन्दी विभागाध्यक्ष व अनुराग के दादा श्री दयासागर गुप्त ने अनुराग के इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

संक्षिप्त खबरें

हनुमान जी का वार्षिक श्रृंगार व सुंदरकांड का हुआ आयोजन

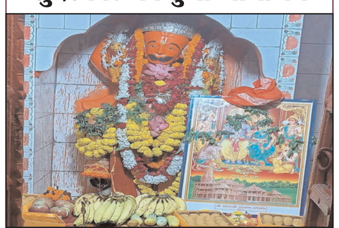

चुनार, मीरजापुर। नगर के बालू घाट स्थित शनि देव मंदिर में कजरी के पावन पर्व पर प्रत्येक वर्ष होने वाले वार्षिक श्रृंगार में सोमवार को देर शाम बजरंग बली का भव्य श्रृंगार अजय गुप्ता द्वारा किया गया। तत्पश्चात सुंदरकांड पाठ का और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर के अर्चक शंभू नाथ सेठ, गगन जैसवाल, राजू शर्मा, मुकेश गुप्ता, अनिल जायसवाल, मिठाई लाल यादव, सदानंद माझी, शिवकुमार, हीरालाल यादव, राजू यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। और प्रसाद ग्रहण किए।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

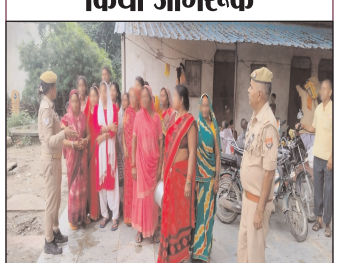

भदोही। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में जनपद पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, कानूनी अधिकार और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया। पुलिस टीमों ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाकर महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 181, 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन हेल्पलाइन 112 और 1076 की जानकारी दी। साथ ही यूपी कॉप एप के उपयोग तथा फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग और फर्जी प्रोफाइल से होने वाली धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए गए। महिलाओं को दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम और पॉक्सो एक्ट सहित उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने अपील की कि किसी भी असुरक्षा या अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा संबंधित हेल्पलाइन से संपर्क करें।

बारिश का कहर: घरों में घुसा पानी, पलायन को मजबूर ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर विंध्याचल। विंध्याचल क्षेत्र के अटल चौक से दो सौ मीटर दूरी पर स्थित घमहापुर गांव में लगातार हो रही बारिश के बाद जलभराव की गंभीर समस्या सामने आई है। गांव के कई घरों में बरसात का पानी घुस जाने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि पीड़ित परिवारों को अपने ही घरों को खाली कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि घरों में पानी भर जाने के बाद रहने की स्थिति नहीं बची है। पीड़ित महिलाओं ने ग्राम प्रधान बबलू यादव को अपनी समस्या बताते हुए सवाल किया कि आखिर घर खाली करने के बाद वे लोग कहां जाएं और अपने परिवार को लेकर कहां रहें।

वहीं, मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान बबलू यादव ने बताया कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्लाटिंग होने के कारण पानी की निकासी व्यवस्था प्रभावित हुई है। उनका कहना है कि आसपास के कई गांवों का बरसात का पानी एक जगह इकट्ठा हो गया है, जिसकी वजह से घमहापुर गांव में जलभराव की स्थिति पैदा हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलनिकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर साल बारिश के मौसम में उन्हें इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। घरों में पानी घुसने से सामान खराब होने के साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। अब ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए और पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था की जाए, ताकि बरसात के दौरान उन्हें अपना घर छोड़कर पलायन करने के लिए मजबूर न होना पड़े।

युवक की जान बचाने वाले यूपी-112 कर्मी सम्मानित

भदोही। सुरियावां कस्बे में एक व्यक्ति के आत्मघाती कदम की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचकर उसकी जान बचाने वाले यूपी-112 के पुलिसकर्मी आरक्षी श्यामजी रावत को पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। जानकारी के अनुसार 25 अगस्त को वार्ड नंबर 11, शेखर आजाद नगर, कस्बा सुरियावां क्षेत्र में एक व्यक्ति के कमरे में बंद होने और आत्मघाती कदम उठाने की सूचना यूपी-112 को मिली थी। सूचना मिलते ही पीआरवी-7675 पर तैनात आरक्षी श्यामजी रावत ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल मौके पर पहुंचकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाया और व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इससे उसकी जान बच सकी। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने श्यामजी रावत के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनकी तत्परता, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशील कार्रवाई से एक व्यक्ति का जीवन सुरक्षित बचाया जा सका। उन्होंने इसे पुलिस विभाग की जनसेवा, संवेदनशील पुलिसिंग तथा 'सेवा, सुरक्षा एवं संवेदना' की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। एसपी ने विश्वास जताया कि आरक्षी श्यामजी रावत भविष्य में भी इसी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करेंगे।

कागजों में लाखों का कुआं जगत निर्माण! जमीन पर सिर्फ मरम्मत

सिकटा ग्राम पंचायत में भुगतान पर उठे गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। हलिया विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकटा में कुओं के जगत निर्माण के नाम पर सरकारी धन के कथित बंदरबांट का गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि तीन लोगों के कुओं के जगत निर्माण के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान निकाल लिया गया, जबकि मौके पर नया जगत निर्माण नहीं कराया गया। ग्रामीणों के अनुसार केवल पुराने निर्माण में हल्का-फुल्का मरम्मत कार्य कराकर सरकारी धन के खर्च का खेल किया गया है।

मामला ग्राम पंचायत सिकटा निवासी कोमल कोल, अमरेश कोल और दया कोल के कुओं से जुड़ा बताया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इन तीनों कुओं का जगत पहले से ही पिछले पंचवर्षीय कार्यकाल में तत्कालीन ग्राम प्रधान द्वारा बनवाया गया था। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि जब जगत पहले से निर्मित था तो दोबारा निर्माण के नाम पर आखिर किस आधार पर भुगतान कराया गया? ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कागजों पर निर्माण कार्य दिखाकर सरकारी धन निकालने का खेल किया गया, जबकि धरातल पर नया निर्माण नजर नहीं आता। यदि वास्तव में तीन कुओं के जगत निर्माण के लिए धन स्वीकृत और भुगतान किया गया है तो प्रशासन को मौके पर जांच कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि कितना धन स्वीकृत हुआ, कितना भुगतान हुआ और वास्तव में कितना निर्माण कार्य कराया गया।

ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा है कि केवल कागजी जांच से सच सामने नहीं आएगा, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर कुओं की वास्तविक स्थिति का सत्यापन करना चाहिए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच करता है या फिर सरकारी धन के कथित खेल पर पर्दा डाल दिया जाता है।

जन्माष्टमी को लेकर डीएम ने परखी तैयारियां, जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। जन्माष्टमी पर्व चार सितंबर को मनाया जाएगा। डीएम ने सभी तहसीलों एवं प्रमुख आयोजन स्थलों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती सुनिश्चित करते हुए अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में मंदिरों, पूजा स्थलों, प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने को कहा। कहीं भी कूड़ा-कचरा अथवा जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में मंदिरों एवं आयोजन स्थलों की सफाई के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्राम पंचायतों के माध्यम से समय से व्यवस्थाएं पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

डीएम ने स्वास्थ्य विभाग को प्रमुख आयोजन स्थलों पर आवश्यकतानुसार चिकित्सा टीम और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। अग्निशमन विभाग को मंदिरों एवं भीड़भाड़ वाले स्थलों का निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंदिरों में पूजा-अर्चना, झांकियों, भजन-कीर्तन एवं अन्य कार्यक्रमों के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। भीड़ वाले स्थानों पर आवश्यक बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए सभी व्यवस्थाएं पर्व से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी एसडीएम, पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डीघ ब्लॉक बीडीओ ने पेश की मानवता की मिशाल

बारिश के बावजूद भी पहुंचे गरीब वृद्धा के घर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जंगीगंज। डीघ ब्लॉक के सागररायपुर निवासी एक महिला अपने मंद बुद्धि बेटे और बेटी के साथ प्लास्टिक डालकर रह रही थी उसे न खाना बनाने की जगह है और न रहने के लिए। इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने और इसी मामले में कुछ समाचार पत्रों में खबर प्रकशित होने के बाद डीघ ब्लॉक के बीडीओ आलोक पाण्डेय ने मंगलवार को बारिश के बावजूद भी वृद्ध महिला के घर पहुंचे और उसकी पूरी स्थिति देखी। महिला के रहन सहन को देखकर बीडीओ ने शौचालय की व्यवस्था को तुरंत सही करने का निर्देश दिया। महिला के दो और बेटे है जो कहीं दूसरी जगह रहते है, और अपनी मां, बहन और भाई को उनकी बदहाल स्थिति पर छोड़ दिए है। महिला के बेटे को राशन मिलता था अब महिला प्रभावती को मिलेगा, उसके विधवा पेंशन का केवाईसी नहीं हुआ था उसे सही कराने का भी निर्देश सम्बंधित को दिया। साथ ही बीडीओ आलोक पाण्डेय ने बताया कि महिला के बेटों को बुलाया गया है यदि वे अपनी मां के लिए कोई रहने और खाने की व्यवस्था नहीं करते तो उनके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी, और वृद्ध महिला के लिए जो भी शासन के अनुरूप लाभ होगा उसे दिलाया जायेगा। बारिश के दौरान डीघ ब्लॉक के बीडीओ के जाने पर लोग काफ़ी चर्चा कर रहे है।इस मौके पर सचिव संतोष यादव, कोटेदार संतोष पाण्डेय, कृष्ण कुमार, शिव कुमार पाण्डेय, सुशील शुक्ला, अशोक श्रीवास्तव समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

भदोही विधानसभा से विकास यादव ने ठोकी दावेदारी

भदोही। समाजवादी पार्टी के भदोही के पूर्व जिलाध्यक्ष विकास यादव ने मंगलवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय पहुंचकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव शिवपाल सिंह यादव तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान विकास यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर 392 विधानसभा भदोही से पार्टी प्रत्याशी के रूप में अपनी दावेदारी पेश की। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के समक्ष भदोही विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर सुनीता यादव, पूर्व प्रमुख एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य भदोही तथा बाल विद्या विकास एडवोकेट, पूर्व प्रमुख एवं पूर्व जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी भदोही की ओर से भी भदोही विधानसभा सीट के लिए दावेदारी प्रस्तुत की गई।

लगातार हो रहे बारिश के बीच अहरौरा जलाशय के 2 गेट खोले गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

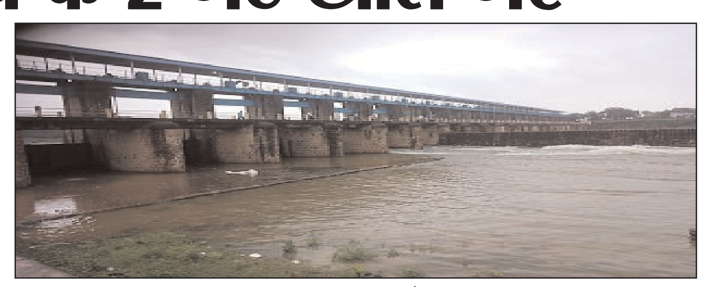

मीरजापुर। अहरौरा बांध के सुलूस मरम्मत का कार्य चलने की वजह से अहरौरा जलाशय में पानी टेल तक रखने से बच रहे सिंचाई कर्मी। लगातार बारिश को देखते हुए जिलाधिकारी के आदेश पर मंगलवार की सुबह दो फाटक खोलकर पानी नियंत्रण रखने के लिए लगातार निकाला जा रहा है।अधिशासी अभियंता श्री हरिशंकर प्रसाद सिंचाई खंड चुनार ने बताया कि अहरौरा बांध के पहाड़ी क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है ,बांध की सुरक्षा तथा पिछले वर्ष एकाएक पानी का जल स्तर तेजी से बढ़ने के कारण पानी छोड़ना पड़ा था, जो भारी बाढ़ तथा जलप्लावन की स्थिति उत्पन्न हो जाने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था, इसको ध्यान में रख कर बाढ़ बचाव हेतु मिर्जापुर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निर्देश पर धीरे धीरे पानी निकालने की नीति के तहत आज प्रातः 9 .30 बजे से अहरौरा बांध के दो फाटक 1 फुट से खोल कर लगभग 700 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे बांध के जल स्तर को नियंत्रित करने के साथ जमालपुर तथा चंदौली जनपद के निचले हिस्से में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न न हो पाए। सुरक्षा की दृष्टि से निचले हिस्से में निवास करने वाले किसानों एवं नागरिकों सहित प्रशासन को बांध से पानी छोड़े जाने की सूचना दे दी गई है।

बारिश से सड़क पर कीचड़, बुजुर्ग-बच्चे और राहगीर गिरकर हो रहे जख्मी

दुर्गागंज। बारिश के बाद शेरपुर गोपलहा गांव में सड़कों की हालत बदहाल हो गई है। गांव की ब्राह्मण बस्ती की ओर जाने वाली सड़क पर जगह-जगह कीचड़ और जलभराव होने से ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिसलन के कारण बुजुर्ग, बच्चे और राहगीर आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार थाना दुर्गागंज से होकर सराय कंसराय मार्ग तक जाने वाली सड़क भी पूरी तरह बदहाल हो चुकी है। बारिश के बाद सड़क पर कीचड़ जमा होने से दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को परेशानी हो रही है। वहीं हरिजन बस्ती की ओर जाने वाली सड़क की हालत भी बेहद खराब है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की समस्या को लेकर कई बार आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौके पर समस्या का समाधान कराने के बजाय फर्जी रिपोर्ट लगाकर शिकायतों का निस्तारण कर देते हैं।

रेलवे सुविधाओं के विस्तार के बीच भदोही में ठहराव को लेकर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। पूर्वांचल में रेलवे सुविधाओं के विस्तार और नई ट्रेनों के संचालन के बीच कालीन नगरी भदोही में महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की कमी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। करीब 1800 करोड़ रुपये सालाना कालीन निर्यात करने वाले भदोही को बेहतर रेल कनेक्टिविटी की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। वाराणसी, प्रयागराज और ज्ञानपुर रोड जैसे आसपास के स्टेशनों से महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन और ठहराव होने के बावजूद भदोही रेलवे स्टेशन पर कई प्रमुख ट्रेनों का ठहराव नहीं है। राजधानी, महाकाल और फरक्का एक्सप्रेस समेत कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग क्षेत्र के लोग लगातार उठाते रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे सुविधाओं का सीधा संबंध क्षेत्र के व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों से है। यदि भदोही स्टेशन पर लंबी दूरी की महत्वपूर्ण और रात्रिकालीन ट्रेनों का ठहराव बढ़ाया जाए तो इसका लाभ यात्रियों के साथ होटल, परिवहन, बाजार और अन्य स्थानीय कारोबार को भी मिल सकता है। लोगों ने भदोही रेलवे स्टेशन के विकास के साथ तीसरे प्लेटफार्म के निर्माण, नई लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव और मौजूदा ट्रेनों के फेरे बढ़ाने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि भदोही स्वयं लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र का प्रमुख केंद्र है, ऐसे में रेलवे सुविधाओं के मामले में इसे आसपास के जिलों के बराबर महत्व मिलना चाहिए। जनता का सवाल है कि भदोही में तीसरा प्लेटफार्म कब बनेगा, महत्वपूर्ण लंबी दूरी की ट्रेनों का ठहराव कब शुरू होगा और स्टेशन के समग्र विकास के लिए ठोस योजना कब लागू होगी। लोगों का कहना है कि रेलवे विकास को राजनीतिक बहस से ऊपर उठाकर रोजगार, व्यापार और भदोही के आर्थिक भविष्य से जोड़कर देखा जाना चाहिए।

सिद्धार्थनगर:भाजपा जिला कार्यशाला संपन्न, तीन दिन में बूथ समितियों के सत्यापन का लक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी सिद्धार्थनगर की जिला कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को जिला कार्यालय पर किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा रहे। कार्यशाला में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा बूथ समितियों के सत्यापन अभियान को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा ने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से है। सभी मंडलों के प्रत्येक शक्ति केंद्र पर तीन दिन के अंदर बूथ समिति का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सभी बूथ समितियों को समय से जमा कराया जा सके। उन्होंने कहा कि बूथ समितियों के सत्यापन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और शक्ति केंद्र संयोजकों के साथ समन्वय बनाकर अभियान को निर्धारित समय में पूरा किया जाए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शक्ति केंद्र पर एक मंडल प्रवासी की जिम्मेदारी तय की गई है। मंडल प्रवासी शक्ति केंद्र संयोजक के साथ मिलकर संबंधित बूथ समितियों का सत्यापन करेंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान को पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी, विधायक राजा जय प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने संबोधित किया। कार्यशाला में अभियान के संयोजक आशीष शुक्ला तथा सह संयोजक रामनारायण एवं बजरंगी वर्मा ने बूथ सत्यापन अभियान की कार्ययोजना एवं जिम्मेदारियों के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन फूलचंद जायसवाल ने किया। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष रामकुमार कुंवर, लाल जी त्रिपाठी, नरेंद्र मणि, कन्हैया पासवान, साधना चौधरी, शिवनाथ चौधरी, अरुणा मिश्रा, गौरव मिश्रा, विजयकांत चतुर्वेदी, फते बहादुर सिंह, पवन मिश्रा,दिलीप चतुर्वेदी, राजेंद्र पांडे अजय उपाध्याय, महेंद्र लोधी, सत्यप्रकाश राही,सहित जिले एवं मंडलों के मंडल अध्यक्ष अभियान के संयोजक एवं सह संयोजक तथा बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर में गैर इरादतन हत्या के 8 आरोपी गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में हुई मारपीट के बाद इलाज के दौरान हुई थी जमाल अहमद की मौत, नेपाल भागने की फिराक में थे आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के मोहाना थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बेलहरी में पुरानी रंजिश को लेकर हुई हिंसक मारपीट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने गैर इरादतन हत्या के मुकदमे में नामजद 8 अभियुक्तों को सड्डा तिराहे से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया बांस का मोटा डंडा और स्टील का पाइप बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बीते 26 जून 2026 को बेलहरी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हुई थी। इस मारपीट की घटना में जमाल अहमद नामक व्यक्ति के सिर में गंभीर चोटें आई थी। परिजन उन्हें तत्काल बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ले गए, जहां से इलाज के बाद 18 जुलाई को उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। जमाल अहमद का स्वास्थ्य दोबारा बिगड़ने लगा। परिजन उन्हें तत्काल सिद्धार्थनगर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। इसके बाद उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लखनऊ में भर्ती कराया गया, जहां 28/29 अगस्त की रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दर्ज मुकदमे में गैर इरादतन हत्या समेत अन्य संगीन धाराएं बढ़ा दीं। एसएसपी डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। मंगलवार को मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर मोहाना पुलिस ने सड्डा तिराहे की घेराबंदी कर आठों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में सामने आया कि सभी आरोपी नेपाल भागने के लिए वाहन का इंतजार कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी बर्डपुर नंबर-5 के टोला छोटकी बेलहरी (थाना मोहाना) के निवासी हैं। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के पर्यवेक्षण में मोहाना थाना पुलिस द्वारा अंजाम दी गई। पुलिस ने सभी विधिक प्रक्रियाएं पूरी कर आरोपियों को न्यायालय भेज दिया है।

बूढ़ी राप्ती नदी के मुंहचुरवा घाट पर हत्या के बाद फेंके गए ई-रिक्शा चालक का शव सोनबरसा के पास मिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बूढ़ी राप्ती नदी के मुंहचुरवा घाट पर हत्या के बाद फेंके गए ई-रिक्शा चालक हरिश्चंद्र का शव घटनास्थल से करीब सात किलोमीटर दूर कठेला समय माता थाना क्षेत्र के सोनबरसा घाट के पास बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि ई-रिक्शा चालक हरिश्चंद्र की हत्या के बाद उसका शव मुंहचुरवा घाट के पास फेंके जाने की बात सामने आई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए शव की तलाश की। इसी दौरान सोनबरसा घाट के पास शव बरामद होने से पुलिस की जांच का दायरा और बढ़ गया है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले से जुड़े संभावित साक्ष्यों को जुटाने का प्रयास किया। फिलहाल पुलिस हत्या के पीछे की वजह, घटनाक्रम और वारदात में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर शव को घटनास्थल से करीब सात किलोमीटर दूर सोनबरसा घाट तक कैसे पहुंचाया गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। अब सभी की निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हैं। हरिश्चंद्र की हत्या किसने और क्यों की, इसका खुलासा पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में एसएसओ का शव कमरे में फंदे से झूलता मिला, मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विद्युत उपकेन्द्र में तैनात एसएसओ के संदिग्ध परिस्थितियों मे सरकारी आवास मे फंदे से झूलते शव को लेकर मंगलवार को उपकेन्द्र में हड़कंप मच गया। उदयपुर थाना के उदयपुर बाजार के समीप पावर हाउस में विवेक कुमार यादव एसएसओ के पद पर तैनात थे।पिछले पांच महीने से वह उपकेन्द्र में अवर अभियन्ता के रिक्त पद का प्रभार संभाले हुए थे।मंगलवार की सुबह अधिशासी अभियंता रूपेश कुमार ने किसी सरकारी सूचना के लिए एसएसओ को फोन किया,तब उनका फोन बंद मिला।इसके बाद करीब 11 बजे अधिशासी अभियन्ता दोबारा फोन किया,तब भी एसएसओ का फोन बंद मिला,तब अधिशासी अभियन्ता ने सांगीपुर के एसडीओ प्रशान्त कुमार को एसएसओ से संपर्क करने को कहा।एसडीओ ने उपकेन्द्र मे तैनात कर्मचारियों से एसएसओ का पता लगाने को कहा।इसके बाद कर्मचारी एसएसओ के उदयपुर थाना के मंगापुर बाजार में किराए के मकान पर पहुंचे।मकान में उनका कमरा अन्दर से बन्द मिला,तब कर्मचारियों ने कमरे के बाहर आवाज लगाई।अंदर से कोई आवाज न आने पर कर्मचारियों ने कमरे के अन्दर झांका तब वह एसएसओ को फंदे से झूलता देख दंग रह गए।कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर उदयपुर पुलिस पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़वाया।पुलिस ने कर्मचारियों के सहयोग से एसएसओ के शव को नीचे उतरवाया। मृतक एसएसओ विवेक कुमार यादव जौनपुर जिले के थाना बक्सा के मीरगंज कुंवार दहा के निवासी थे।मृतक के बच्चे रक्षाबंधन पर्व पर घर गए हुए थे।एसएसओ के फंदे पर झूलने की वजह को लेकर कोई तस्वीर साफ नहीं हो सकी है।पत्नी और बच्चों की मौजूदगी न होने के कारण भी घटना को लेकर पुलिस कोई क्लू अभी तलाश नहीं पाई है।एसएसओ की मौत की जानकारी पर अधिशासी अभियन्ता रूपेश कुमार व सांगीपुर एसडीओ प्रशान्त कुमार भी विद्युत उपकेन्द्र पहुंचे।मृतक एसएसओ की पत्नी को पुलिस ने हादसे की सूचना दी।जानकारी मिलने पर मृतक की पत्नी व बच्चे घर से उपकेन्द्र रवाना हुए बताए गए।सूत्रों के मुताबिक परिजनों ने मौके पर पहुंचने तक शव को वहीं रोकवाने की भी बात पुलिस से कही है।समाचार भेजे जाने तक उपकेन्द्र पर मृतक के परिजनों की पुलिस प्रतीक्षा में देखी गयी।मृतक अपने पीछे पत्नी सुमन व दो पुत्री व एक पुत्र को निराश्रित छोड़ गया है।

फ्लाईओवर के निर्माण में विलंब से हो रही परेशानियों को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जनहित की समस्याओं को लेकर मंगलवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में नया माल गोदाम रोड स्थित निर्माणाधीन 81-बी फ्लाईओवर से प्रभावित व्यापारियों एवं आम नागरिकों ने जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय से मुलाकात कर अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया तथा उनके शीघ्र समाधान की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि 81-बी फ्लाईओवर का निर्माण लंबे समय से चल रहा है, जिसके कारण नया माल गोदाम रोड क्षेत्र के व्यापारियों, स्थानीय निवासियों एवं आम नागरिकों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।निर्माण कार्य के चलते सड़क पर जाम,भारी बारिश की वजह से सड़क पर कीचड़ व जलभराव एवं यातायात संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, जिसका सीधा प्रभाव व्यापारियों के कारोबार और आम जनता की दैनिक गतिविधियों पर पड़ रहा है।उन्होंने फ्लाईओवर निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा कराने तथा यातायात की समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की।जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने जनहित की समस्याओं को गंभीरता से सुना और जल्द से जल्द फ्लावर का कार्य कराने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष एवं विश्वनाथगंज विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी प्रशांत सिंह प्रिंशु, विजय मिश्रा, अशोक द्विवेदी, मोहम्मद नफीस खान,आशीष शुक्ल,बैजनाथ यादव, मो शकील, आशुतोष खरे, विश्व प्रताप सिंह, मनोज सिंह,प्रकाश शुक्ल,बाबर, अख्तर मसूद, मोहम्मद शमशाद, राम अभिलाष शर्मा,सुनील विश्वकर्मा, प्रदीप खत्री, अनिल विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, मोहम्मद असलम, मोहम्मद रईस, सहित प्रभावित लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने सोमवार को पूरेकेशवराय स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम एवं वीपीपैट वेयरहाउस में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था आदि की जांच की। उन्होने निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करायें। उन्होने ईवीएम एवं वीवीपैट के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारी से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वीवीपैट एवं ईवीएम वेयरहाउस की निगरानी मुस्तैदी के साथ करते रहे।

बाणगंगा नदी में व्यक्ति ने लगाई छलांग, मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

व्यक्ति को नदी में कूदता देख बैराज के दूसरी तरफ बैठे मछुआ समुदाय एवं बैराज कर्मी व सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे। उसे बचाने के लिए जाल भी डाला गया। जाल की सहायता से जब युवक को पानी से निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के बाणगंगा नदी बैराज के अपर साइड में एक व्यक्ति ने नदी में मंगलवार करीब चार बजे अचानक छलांग लगा दिया। आसपास टहल रहे लोग व सुरक्षा कर्मी दौड़ पड़े। पानी से बाहर निकालने के बाद व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। मंगलवार को बैराज के निकटवर्ती गावं झरुआ निवासी निजामुद्दीन (45 वर्ष) पुत्र मोहम्मद मज़ीद बाणगंगा नदी बैराज के फाटक संख्या 16 के उत्तर तरफ बने कंक्रीट के बेंच पर बैठा हुआ था, इसके बाद वह नदी में कूद गया। व्यक्ति को नदी में कूदता देख बैराज के दूसरी तरफ बैठे मछुआ समुदाय एवं बैराज कर्मी व सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे। उसे बचाने के लिए जाल भी डाला गया। जाल की सहायता से जब युवक को पानी से निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पत्नी सकीना व बारह व सात वर्षीय दो नाबालिग बेटियों का रो रोकर बुरा हाल रहा है। घटना की सूचना पर थाना इंस्पेक्टर मिथलेश कुमार राय सहित उप निरीक्षक राजकुमार यादव, परमानन्द राय ने शव का पंचनामा पर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक थाना शोहरतगढ़ मिथलेश कुमार राय का कहना है कि शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

जल उपभोक्ता समितियों के चुनाव को लेकर निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 5 सितंबर को

प्रतापगढ़। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/शारदा सहायक खण्ड-36 जौनपुर ने बताया है कि शारदा सहायक संगठन के अन्तर्गत शारदा सहायक खण्ड-36 जौनपुर में पीआईएम एक्ट के अन्तर्गत जल उपभोक्ता समितियों/कुलाबा समितियों के निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत पूरक सूचियो की तैयारी एवं छपाई 01 सितम्बर तक व निर्वाचक नामावली का जन सामान्य के लिये अन्तिम प्रकाशन दिनांक 05 सितम्बर को किया जायेगा।

आपराधिक घटना की योजना बना रहे 02 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना लालगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम जंगलीबीर बाबा से करीब जंगल के पास से बड़ी आपराधिक घटना की योजना बना रहे 02 अभियुक्तों सूरज गौतम पुत्र श्रीराम गौतम, निवासी ग्राम गौरीपट्टी, थाना कोहड़ौर, जनपद प्रतापगढ़, उम्र करीब 28 वर्ष एवं मुकेश कुमार सरोज पुत्र राजकुमार सरोज, निवासी ग्राम लवली मोती का पुरवा, थाना कोहड़ौर, जनपद प्रतापगढ़, उम्र करीब 27 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से 08 देशी सुतली बम, 02 कूटरचित नम्बर प्लेट तथा 01 डीसीएम बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर थाना लालगंज पर धारा 313, 336(2), 338, 340(2) बीएनएस एवं 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम पंजीकृत किया गया है और अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम कार्यवाही चालू है।

भाजपा की जिला कार्यशाला का आयोजन हुआ

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय टेऊंगा प्रतापगढ़ पर मण्डल कार्यसमिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के अंतर्गत आयोजित जिला कार्यशाला बैठक संपन्न हुई।3 और 4 सितम्बर को मंडल कार्यसमिति सेक्टर संयोजक सेक्टर कार्यसमिति का सत्यापन होगा और प्रत्येक वर्ष की भांति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन पूरे एक माह सेवा पखवारा के रूप में मनाया जाएगा।इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व महापौर वाराणसी एवं जिला प्रभारी कौशलेंद्र सिंह पटेल जी, निवर्तमान जिला अध्यक्ष हरि ओम मिश्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी व के0 के0सिंह, जिला महामंत्री राजेश सिंह, राजेश मिश्र राजन, अजय वर्मा, जिला उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक राम जी मिश्रा सहित अन्य जिला/मण्डल पदाधिकारी, कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

मवेशी की टक्कर से टेम्पो पलटने से किशोर की दर्दनाक मौत

प्रतापगढ़। मवेशी की टक्कर से टेम्पो अनियंत्रित हो गया। दुर्घटना में किशोर की मौत से घर का इकलौता चिराग बुझ गया।लालगंज कोतवाली के सांगीपुर वार्ड निवासी देव कुमार द्विवेदी 17 पुत्र स्व. उमेश द्विवेदी सोमवार को किसी कार्य से प्रतापगढ़ गया।देर रात वह प्रतापगढ़ से टेम्पो से लालगंज वापस लौट रहा था कि लीलापुर थाना के तिना दुबान के पास मवेशी की अचानक सामने आ जाने से टेम्पो पलट गया।देव कुमार टेम्पो के नीचे दब गया।सूचना पर सगरा सुन्दरपुर चौकी पुलिस आनन फानन में मौके पर पहुंची।पुलिस ने घायल को लालगंज ट्रामा सेंटर ले आई।यहां गम्भीर दशा में प्रारंभिक उपचार के बाद उसे प्रयागराज मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।रास्ते में ही किशोर की मौत हो गई।बिलखते परिजन शव को लेकर घर वापस आ गए।मंगलवार की सुबह लीलापुर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए भेज दिया।मृतक किशोर के पिता की कोरोना काल में मौत हो गई थी,वह अपने पीछे मां व छोटी बहन को निराश्रित छोड़ गया।मृतक लालगंज में कैटरिंग के जरिए परिवार का भरण पोषण किया करता था।किशोर की मौत से मां को रोता बिलखता देख लोगों की आंखें नम हो उठीं।एसओ वारिज कसेरा का कहना है कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तहसील परिसर में जलजमाव को लेकर अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

प्रताापगढ़।तहसील लालगंज परिसर मे लगातार जलभराव की समस्या से नाराज वकीलों ने मंगलवार को भी न्यायिक कामकाज का बहिष्कार किया। आमसभा की बैठक में समस्या को लेकर प्रशासनिक लापरवाही को लेकर अधिवक्ताओं में गुस्सा देखा गया। अधिवक्ताओं का जत्था संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश चन्द्र तिवारी एवं महामंत्री शिवरंजन यादव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष अबरार अहमद की अगुवाई मे एसडीएम चैंबर पहुंचा। यहां वकीलों ने डीएम को सम्बोधित एसडीएम वाचस्पति सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए जलभराव की समस्या के अविलंब समाधान की मांग उठाई।ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने न्यायिक व प्रशासनिक कामकाज के सुचारू रूप से संचालित होने को लेकर प्रशासन से अस्थायी संपर्क मार्ग बनवाए जाने पर जोर दिया।पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि कोर्ट तक पहुंचने के लिए अधिवक्ताओं व फरियादियों के लिए आवागमन की सुविधा बहाल न हुई,तब अधिवक्ताओं को विरोध प्रदर्शन की आवाज मुखर करना होगा। आमसभा का संचालन पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र ने किया।आय व्यय निरीक्षक संतोष तिवारी,पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पांडेय व मोहम्मद असलम ने भी समस्या को लेकर प्रशासन पर घोर लापरवाही को लेकर आक्रोश जताया है।

प्रशिक्षण में मंच पर बैठे मिले दो प्रधानाध्यापक, बीईओ ने थमाया नोटिस

प्रतापगढ़। विकास खंड शिवगढ़ में चल रहे पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण के दौरान अनुशासनहीनता का मामला सामने आया है। प्रशिक्षण में शामिल दो प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रशिक्षुओं के साथ बैठने के बजाय मंच पर बैठे मिले। मामले को गंभीरता से लेते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण मांगा है।कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी शिवगढ़ की ओर से 21 अगस्त को जारी पत्र के अनुसार प्राथमिक विद्यालय रानीगंज-प्रथम के प्रभारी प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश पांडेय और प्राथमिक विद्यालय मुरारपट्टी-प्रथम के प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार मिश्र को नोटिस दिया गया है। बताया गया कि खंड विकास अधिकारी कार्यालय के सभागार में 10 जुलाई 2026 से एनसीईआर टी पाठ्य पुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण चल रहा है।13 अगस्त को जारी द्वितीय बैच की सूची में दोनों शिक्षकों को प्रशिक्षण में शामिल होना था। यह प्रशिक्षण 17 से 21 अगस्त तक निर्धारित था।आरोप है कि प्रशिक्षण के दौरान दोनों शिक्षक अन्य प्रशिक्षणार्थियों के साथ बैठने के बजाय मंच पर बैठे दिखाई दिए। इसे प्रशिक्षण की निर्धारित व्यवस्था और अनुशासन के विपरीत मानते हुए खंड शिक्षा अधिकारी सुभम कुमार ने दोनों शिक्षकों से जवाब तलब किया है।खंड शिक्षा अधिकारी ने चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं मिलने पर दोनों के खिलाफ नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की संस्तुति जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रतापगढ़ को भेज दी जाएगी।

बिजली का पोल और तार गिरा, कई गांवों की आपूर्ति ठप

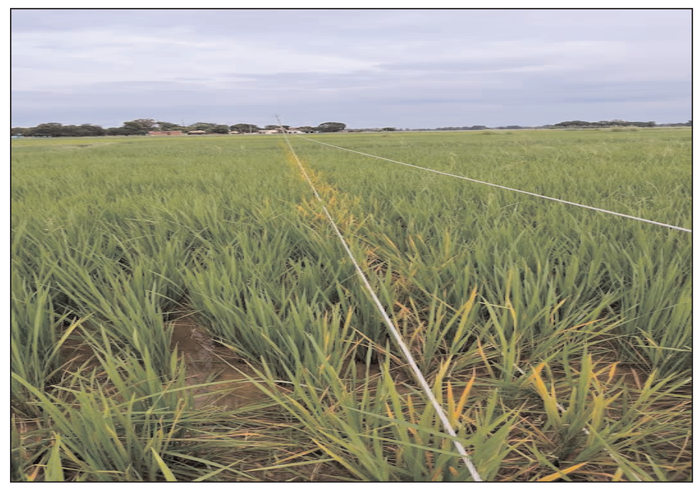

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर) । विद्युत उपकेंद्र कठौतिया रामनाथ के बिस्कोहर फीडर क्षेत्र के बस्ती बरगदवा गांव में अकेलवा पेड़ के पास सोमवार रात करीब 10 बजे एचटी लाइन का पोल फिर गिर गया। इससे गांव की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। ग्रामीणों के अनुसार 26 अगस्त की रात भी इसी स्थान पर पोल गिरा था। 27 अगस्त को सूचना देने के बाद ग्रामीणों की मदद से शाम को पोल खड़ा कर दिया गया था और बिजली बहाल की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि उस समय बिजली विभाग पोल को मजबूत कर दिया होता तो दोबारा गिरने की नौबत नहीं आती। इस बार पोल खेत में गिरने से धान की खड़ी फसल भी प्रभावित हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि रात में पोल गिरने से बड़ा हादसा टल गया, दिन में गिरता तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। मंगलवार सुबह मोहम्मद आरिफ, सादिक खान, गुलजार, रियाज, मोबीन समेत अन्य ग्रामीणों ने जेई सिद्धार्थ शंकर गुप्ता को सूचना दी। जेई ने बुधवार दोपहर तक पोल ठीक कर बिजली बहाल कराने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबरें

महापौर के सहयोग से निकाली गयी कुएं में डूबी गाय

हजारीबाग, झारखंड:- हजारीबाग शहर के पगमील-मंडई रोड स्थित एक कुएं में गाय के डूब जाने से पिछले दो दिनों से आसपास के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कुएं से दुर्गंध आने के साथ ही स्थानीय लोगों में संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई थी। लोगों ने इसकी जानकारी नगर निगम महापौर अरविंद कुमार राणा को दी। जानकारी मिलते ही महापौर अरविंद कुमार राणा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उनके सहयोग से नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और कुएं में डूबी गाय को बाहर निकालने का कार्य शुरू किया। काफी प्रयास के बाद गाय के शव को कुएं से बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले दो दिनों से कुएं में गाय डूबी हुई थी, जिसके कारण आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी हो रही थी। समय पर कार्रवाई नहीं होने से स्थिति और खराब होने की आशंका थी। मेयर की पहल पर तत्काल कार्रवाई होने से लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने इस कार्य के लिए महापौर अरविंद कुमार राणा के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सूचना मिलने के बाद उन्होंने मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत कार्रवाई करवाई।

यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सजेती पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है

घाटमपुर, कानपुर नगर। जनपद कानपुर में लगातार हो रही बारिश और यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सजेती पुलिस संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है,, पुलिस टीमों द्वारा नदी और जलभराव की आंशका वाले इलाकों का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई, इसी क्रम में यमुना नदी के किनारे आसपास मौजूद लोगों से बातचीत कर उन्हें संभावित ख़तरे के प्रति उन्हें सचेत रहने को कहा गया, विशेष रूप से अनावश्यक रूप से पानी के करीब जाने,नदी में उतरने और जोखिम वाली जगहों पर भीड़ लगाने से बचने की सलाह दी गई।

भोजपुर में बाढ़ के पानी में बाइक समेत बह गए तीन युवक, दो लापता

शाहपुर (आरा)। शाहपुर-बनाही रोड पर छेर नदी के डायवर्सन पर बाढ़ का पानी पार करना मंगलवार की दोपहर तीन युवकों को भारी पड़ गया। बाइक से डायवर्सन पार करने के दौरान तीनों युवक तेज धार की चपेट में आकर बाइक समेत नदी के पानी में बह गए। स्थानीय लोगों की मदद से एक युवक को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दो युवक तेज बहाव में बहकर लापता हो गए। लापता युवकों की पहचान शाहपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर एक स्थित शोभिटोला निवासी सचिन रवानी (21) और संदीप रवानी (20) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि तीनों दोस्त मंगलवार की दोपहर बाइक से रुद्रनगर गांव गए थे। वहां से वापस लौटने के दौरान छेर नदी के डायवर्सन पर बाढ़ का पानी बह रहा था। इसके बावजूद तीनों बाइक से पानी पार करने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान अचानक तेज धार की चपेट में आने से बाइक समेत तीनों युवक बह गए। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने एक युवक को काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

रांची में 18 कोचिंग संस्थानों पर निगम की बड़ी कार्रवाई

रांची। राजधानी में बिना वैध म्यूनिसिपल ट्रेड लाइसेंस के संचालित कोचिंग संस्थानों पर रांची नगर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। निगम की विशेष जांच में 70 कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी के ट्रेड लाइसेंस की जांच की गई। इनमें 18 संस्थान बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के संचालित पाए गए। निगम की ओर से पहले इन संस्थानों को तीन दिन के भीतर लाइसेंस लेने का नोटिस दिया गया था। निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी अनुपालन नहीं करने पर अब इन संस्थानों के खिलाफ सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निगम के अनुसार, यह जांच अभियान शहर के विभिन्न वार्डों में संचालित कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी की वैधानिक स्थिति की जांच के लिए चलाया जा रहा है। जांच के दौरान 18 संस्थानों में म्यूनिसिपल ट्रेड लाइसेंस नहीं मिला। निगम ने संबंधित संस्थानों को पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि लाइसेंस के बिना व्यावसायिक गतिविधि संचालित करना नियमों का उल्लंघन है। जांच के बाद निगम ने सभी संबंधित संस्थानों को नोटिस जारी किया था। इसमें तीन दिनों के भीतर म्यूनिसिपल ट्रेड लाइसेंस प्राप्त कर नियमानुसार संस्थान संचालित करने का निर्देश दिया गया था।

बरही अवर निबंधन कार्यालय परिसर में जलजमाव से आम लोगों और दस्तावेज नवीसों की बढ़ी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- लगातार हो रही बारिश के कारण बरही अनुमंडल परिसर स्थित अवर निबंधन कार्यालय परिसर में जलजमाव की समस्या गंभीर हो गई है। बारिश का पानी परिसर में जमा होने से कार्यालय आने वाले आम लोगों के साथ-साथ दस्तावेज नवीस संघ से जुड़े लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि लोगों को पानी के बीच से होकर कार्यालय तक पहुंचना पड़ रहा है। बताया जाता है कि अवर निबंधन कार्यालय में प्रतिदिन जमीन-जायदाद की खरीद-बिक्री, रजिस्ट्री सहित विभिन्न दस्तावेजी कार्यों के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। बारिश के बाद परिसर में पानी जमा हो जाने के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और दूर-दराज से आने वाले लोगों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दस्तावेज तैयार कराने और निबंधन संबंधी कार्यों के लिए पहुंचने वाले दस्तावेज नवीस संघ के सदस्यों को भी कामकाज में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में हर वर्ष अवर निबंधन कार्यालय परिसर में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। पानी की निकासी के लिए पर्याप्त और प्रभावी व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी लंबे समय तक परिसर में जमा रहता है। इससे आवागमन प्रभावित होने के साथ-साथ परिसर में कीचड़ और गंदगी की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल जलजमाव वाले स्थानों से पानी की निकासी कराने की मांग की है। साथ ही नाली की सफाई कराने, जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने और समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की गई है। दस्तावेज नवीस संघ से जुड़े लोगों का कहना है कि अवर निबंधन कार्यालय एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग अपने जरूरी दस्तावेजों के निबंधन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में कार्यालय परिसर में जलजमाव की समस्या लंबे समय तक बने रहना आम लोगों के लिए परेशानी का कारण है। लोगों ने मांग किया है कि बारिश के मौसम में जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कदम उठाए जाएं। स्थायी जलनिकासी व्यवस्था होने से न केवल आम लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि निबंधन कार्यालय का कामकाज भी सुचारु रूप से संचालित हो सकेगा।

तिलैया डैम में नाव पलटने से 55 वर्षीय मछुआरे की डूबने से मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- बरही थाना क्षेत्र के बेन्दगी स्थित तिलैया डैम के मछुआ आवास के समीप सोमवार शाम मछली पकड़ने के दौरान नाव पलटने से 55 वर्षीय मछुआरे वीरेंद्र पासवान की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बरही मल्लाह टोली निवासी वीरेंद्र पासवान, पिता टहल राम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र पासवान सोमवार शाम नाव से डैम में मछली पकड़ने गए थे। इसी दौरान अचानक नाव पलट गई, जिससे वह पानी में डूब गए और जाल में फंस गए। बताया जाता है कि वीरेंद्र पासवान नाइट गार्ड के रूप में भी कार्य करते थे। सोमवार रात ड्यूटी पर नहीं पहुंचने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उनकी खोजबीन शुरू की, लेकिन देर रात तक उनका कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार सुबह घटना की सूचना बरही पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद स्थानीय मछुआरों के सहयोग से काफी प्रयास के बाद वीरेंद्र पासवान का शव पानी से बाहर निकाला गया। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मौके पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार, मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर, शिवा निषाद, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि झमन यादव, दिनेश कुमार साव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

अनुमंडलीय अस्पताल बरही में 41वां नेत्रदान पखवाड़ा शुरू

25 अगस्त से 8 सितंबर तक चलेगा अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- अनुमंडलीय अस्पताल बरही की ओर से 41वें नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 25 अगस्त से 8 सितंबर तक चलेगा। पखवाड़े के दौरान लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ इच्छुक लोगों को नेत्रदान के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि जो व्यक्ति नेत्रदान करने के इच्छुक हैं, वे अस्पताल से संपर्क कर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। नेत्रदान की प्रक्रिया मरणोपरांत पूरी की जाती है। किसी व्यक्ति की मृत्यु होने के बाद यदि उसके परिजन अस्पताल को इसकी सूचना देते हैं, तो स्वास्थ्य विभाग की टीम संबंधित स्थान पर पहुंचकर आवश्यक प्रक्रिया के तहत नेत्र प्राप्त करेगी। अस्पताल प्रबंधन ने लोगों से अपील की कि नेत्रदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाएं और इच्छुक व्यक्ति इस पुण्य कार्य के लिए आगे आएं। नेत्रदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में रोशनी लौटाई जा सकती है। मौके पर अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी, डॉ. अमन कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार, नेत्र सहायक दीपक कुमार, बिजेंद्र कुमार, कुलदीप कुमार, मो. जावेद, शैलेन्द्र, रोहित कुमार, संतोष कुमार सहित अन्य अस्पताल कर्मी मौजूद थे।

बारिश के कारण नारायणपुर में विद्युत आपूर्ति बाधित

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- लगातार हो रही बारिश के कारण नारायणपुर प्रखंड क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है। नारायणपुर के जंगलपुर स्थित विद्युत सब-स्टेशन के आरई-4 और आरई-1 फीडर की केबल ब्लास्ट होने के कारण दोनों लाइनों की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। हालांकि, विद्युत मिस्त्री खराबी को दूर करने के लिए मरम्मत कार्य में जुटे हुए थे। समाचार प्रेषण तक नारायणपुर के आरई-1 और आरई-4 फीडर से विद्युत आपूर्ति बाधित थी। वहीं, पुरनीघांटी में 11 हजार केवीए का तार गिर जाने के कारण आरई-5 फीडर की बिजली भी ठप रही। लगातार हो रही बारिश से जहां आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं विद्युत व्यवस्था पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ा है। विद्युत विभाग की टीम खराबी को दूर करने में जुटी थी, लेकिन मंगलवार शाम चार बजे तक प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी थी। बताया गया कि पूर्व में जामताड़ा ग्रिड से नारायणपुर के जंगलपुर स्थित विद्युत सब-स्टेशन को बिजली की आपूर्ति होती थी। अब भगाबांध में नवनिर्मित पावर ग्रिड से जंगलपुर विद्युत सब-स्टेशन को बिजली मिल रही है। इससे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था में काफी हद तक सुधार देखा जा रहा है।

सर्वजन सनातन पार्टी के प्रदेश महामंत्री जीतेन्द्र प्रसाद द्विवेदी के माता जी का आकस्मिक निधन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शाहजहांपुर - सर्वजन सनातन पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र प्रसाद द्विवेदी के माता जी का 31/08/2026 को शाम 6:00 बजे ग्राम पोस्ट ठिगारी तहसील परशुराम पुरी जिला शाहजहांपुर में उनके आवास पर ही अचानक 70 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई। बताया जाता है सर्वजन सनातन पार्टी के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र प्रसाद द्विवेदी जी के माता जी का 70 वर्ष की आयु में आकस्मिक मृत्यु हो गई द्विवेदी जी के माता जी बहुत ही व्यवहार कुशल और धार्मिक विचार की महिला थीं जितेंद्र प्रसाद द्विवेदी के माता जी की मृत्यु के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई द्विवेदी जी के माता जी की मृत्यु के चार वर्ष पहले 2022 में उनके पिताजी की मृत्यु हो गई थी जितेंद्र प्रसाद द्विवेदी दो भाई और चार बहन में सबसे बड़े हैं जितेंद्र प्रसाद द्विवेदी के माता जी की मृत्यु के बाद दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए वरिष्ठ नेताओं ने इस दुख की घड़ी में एक जुटता से परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सर्वजन सनातन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश त्रिपाठी ने कहा कि द्विवेदी जी की माता जी का मृत्यु परिवार के लिए अपूरणीय छती है इसको कोई पूरा नहीं कर सकता जितेन प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि माता जी का निधन आकस्मिक 70 वर्ष की आयु में हो गई जो मनुष्य इस धरती पर आया है उसको एक न एक दिन तो जाना ही जाना है लेकिन जाते समय मनुष्य अपने जीवन मे किये हुवे अच्छाईया और बुराइयां वह अपने पीछे छोड़ जाता है द्विवेदी जी ने बताया कि मेरी माता जी सनातन धर्म को बखूबी मानने वाली भगवान के प्रति धार्मिक विचार से आस्था रखने वाली तथा दीन दुखियों के साथ - साथ साधु संत का सेवा करने वाली महिला थीं उनके जाने के बाद आस पास के सभी लोगों द्वारा बताया जा रहा है कि वह बहुत धार्मिक विचार की और धर्म के प्रति आस्था लगाव रखने वाली महिला थीं माता जी को पिताजी जब तक थे बहुत आदर और सम्मान दिया करते थे पिताजी के जाने के बाद माता जी का भगवान के प्रति आस्था और प्रेम का बहुत ज्यादा लगाव हो चुका था। जितेंद्र प्रसाद द्विवेदी बताते है कि अपने घर के और अगल-बगल के बुजुर्गो के द्वारा मैंने सुना था कि मेरी माता जी कि जब शादी हुई थी उसे समय भी माताजी सनातन धर्म को विशेष तौर पर मानने वाली धार्मिक आस्था से उत्प्रोत रहने वाली महिला थी इस तरह से धार्मिक विचारों से रहने पर परिवार के सभी लोग माता जी को आदर और सम्मान दिया करते थे।

बरही नगर भवन में मतदाता सूची को लेकर हुई जनसुनवाई, बीडीओ मुख्य रूप से रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत मंगलवार को बरही प्रखंड के नगर भवन में मामलों को लेकर जनसुनवाई आयोजित हुई। जनसुनवाई के दौरान अनमैप मतदाताओं की मैपिंग, मतदाता सूची में नाम जोड़ने तथा नोटिस प्राप्त मतदाताओं के मामलों की सुनवाई की गई। जनसुनवाई में वैसे मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया, जिनकी पूर्व में मैपिंग नहीं हो पाई थी। संबंधित कर्मियों ने मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं दावों की जांच की। वहीं, जिन पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, उनसे नाम जोड़ने के लिए आवेदन भी प्राप्त किए गए। बीडीओ सह सहायक निर्वाची पदाधिकारी जयपाल महतो ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत पूर्व में मैपिंग से वंचित मतदाताओं की मैपिंग की जा रही है। जिन मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है, उनके दस्तावेजों एवं दावों की जनसुनवाई के माध्यम से जांच की जा रही है। जिन लोगों के पास आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे, उन्हें पुनः नोटिस दिया जा रहा है। ऐसे मतदाता निर्धारित दस्तावेजों के साथ अगली जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपना नाम, विवरण एवं मैपिंग की स्थिति अवश्य जांच लें। किसी प्रकार की त्रुटि या समस्या होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज जमा करें, ताकि पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जा सके। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने भाग लिया। लोगों ने मतदाता सूची से संबंधित अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं और आवश्यक दस्तावेज जमा किए। अधिकारियों एवं कर्मियों ने मतदाताओं को नाम जोड़ने, विवरण में सुधार और मैपिंग से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी दी।

सेफ सिटी मिशन के तहत महिलाओं की सुरक्षा पर मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। सेफ सिटी मिशन के तहत महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा तथा सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 1 सितंबर को पुलिस कार्यालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा ने की। बैठक में पुलिस उपायुक्त यातायात रवींद्र कुमार, आरटीओ विभाग, यातायात पुलिस, एआरएम रोडवेज, बस यूनियन, ऑटो यूनियन और ई-रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान बस, ऑटो, ई-रिक्शा, टैक्सी सहित अन्य सार्वजनिक वाहनों में यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। स्कूल-कॉलेज जाने वाली छात्राओं और कामकाजी महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित बनाने के उपायों पर भी विचार किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि सार्वजनिक परिवहन से जुड़े वाहन चालकों और कर्मचारियों के सत्यापन के लिए 20 बिंदुओं वाला प्रपत्र उपलब्ध कराया जाएगा। संबंधित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को इसमें मांगी गई पूरी जानकारी भरकर संबंधित थाने में जमा करनी होगी। इसके बाद थाना पुलिस उपलब्ध विवरण का अभिलेखों से मिलान कर सीसीटीएनएस और डीसीआरबी के माध्यम से आपराधिक इतिहास का सत्यापन करेगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर शासन की शून्य सहनशीलता नीति के तहत कमिश्नरेट पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सेफ सिटी मिशन के तहत सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

औरंगाबाद में नाबालिग के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, दो गिरफ्तार

औरंगाबाद। कुटुंबा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग को कार से अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद आरोपित उसे बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरे की तलाश में छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान माली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी प्रिंस कुमार सिंह और रौशन कुमार सिंह के रूप में हुई है। वहीं राजू कुमार उर्फ झुनु फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, नाबालिग का गिरफ्तार आरोपितों में से एक युवक से परिचय था। आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर युवक ने मोबाइल फोन के माध्यम से उसे घर से बाहर बुलाया। इसके बाद देवरिया गांव के पास उसे कार में बैठाकर कुटुंबा थाना क्षेत्र के एक स्थान पर ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, वहीं तीनों आरोपितों ने उसके साथ अपराध किया। बाद में नाबालिग को वहां छोड़कर आरोपित फरार हो गए।

समस्याओं को लेकर पीडीए एवं समाजवादी व्यापार सभा का सम्मेलन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। 1 सितंबर को कृष्णापुरम स्थित मनोज इंटरनेशनल होटल में PDA एवं समाजवादी व्यापार सभा का मंडली सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज सहित विभिन्न जिलों से रेडी-पटरी, छोटे एवं अन्य व्यापारी शामिल हुए। व्यापारियों ने त्रस्ज्ञ, सरकारी विभागों के उत्पीड़न, बढ़ती महंगाई और व्यापार से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सम्मेलन में समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि बड़े घरानों को मिल रही सुविधाओं के बीच छोटे व्यापारियों के लिए कर्ज और कारोबार चलाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। समाजवादी सरकार बनने पर व्यापारियों के हित में नीतियों को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव 'मिंटू', रजत मिश्रा, महेंद्र सिंह 'बड़े ठाकुर' दीपक खोटे,सचिन सिंह, अनुराग जयसवाल, दीपा यादव, रिंकू केसरवानी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पूर्व राष्ट्रीय सचिव संजय वर्मा ने छोड़ी पार्टी; नीतीश कुमार को भेजा इस्तीफा

पटना। एक समय जदयू के राष्ट्रीय सचिव रहे संजय वर्मा ने मंगलवार को जनता दल यूनाइटेड की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को भेजा है। उनके इस्तीफे के बाद पार्टी के भीतर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। संजय वर्मा लंबे समय तक जदयू संगठन में सक्रिय रहे हैं और राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने का उनका निर्णय ऐसे समय आया है, जब बिहार की राजनीति में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। संजय वर्मा ने अपने इस्तीफे में नीतीश कुमार के नेतृत्व और समाजवादी विचारधारा की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में समाजवादी विचार और उसके मूल्यों को बिहार तथा देश में आगे बढ़ाया जा रहा है।उन्होंने समानता आधारित समाज के निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की मौजूदा स्थिति को लेकर अपनी बात भी रखी है।

अररिया के नरपतगंज में दर्जनभर गांवों पर बाढ़ का खतरा, 40-50 हजार लोग हो सकते हैं प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फुलकाहा (अररिया)। मानसून के दौरान नरपतगंज प्रखंड के सीमावर्ती एवं नदी से सटे करीब दर्जनभर गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराता रहता है। बेला, बसमतिया, बबुआन, पथराहा, मानिकपुर, भवानीपुर, लक्ष्मीपुर, अमरोरी, नवाबगंज, मिर्जापुर, मधुरा उत्तर और भंगही सहित आसपास के इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनने पर करीब 40 से 50 हजार की आबादी प्रभावित हो सकती है। इन गांवों के अधिकांश परिवारों की आजीविका कृषि, पशुपालन और मजदूरी पर निर्भर है। बाढ़ आने पर खेतों में पानी भरने के साथ ग्रामीण सड़कों एवं संपर्क मार्गों पर आवागमन प्रभावित हो जाता है। इससे लोगों को बाजार, अस्पताल, विद्यालय और प्रखंड मुख्यालय तक पहुंचने में परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों के अनुसार, पूर्व में भी बाढ़ के दौरान कई इलाकों में घरों और खेतों में पानी घुस चुका है। ऐसे समय में नाव ही कई गांवों के लिए आवागमन का प्रमुख सहारा बनती है। हालांकि, प्रभावित परिवारों के पास बाढ़ की स्थिति से निपटने के वैकल्पिक संसाधन सीमित हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से बाढ़ पूर्व तैयारी तेज करने, संवेदनशील इलाकों में नाव एवं राहत सामग्री की व्यवस्था रखने और संपर्क मार्गों पर विशेष निगरानी की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते तैयारी होने से संभावित बाढ़ के दौरान जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। नेपाल में बारिश की सूचना मिलते ही सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों की नजरें स्थानीय नदियों और जलधाराओं के जलस्तर पर टिक जाती हैं। लोगों को आशंका सताने लगती है कि यदि नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो इसका सीधा असर सीमावर्ती इलाके की नदियों पर पड़ सकता है और देखते ही देखते जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। नेपाल के कई हिस्सों में अभी भी बारिश और बाढ़ का असर पूरी तरह समाप्त नहीं होने की खबरों के बीच भारतीय सीमा से सटे ग्रामीण संभावित खतरे को लेकर लगातार सतर्क नजर आ रहे हैं।

एनआईटी सिलचर के अस्थायी कर्मचारियों की भूख हड़ताल फिर तेज, स्थायीकरण की मांग

स्थायीकरण की मांग को लेकर आंदोलन तेज, चार कर्मचारी अस्पताल में भर्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। असम के सिलचर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के अस्थायी कर्मचारियों ने स्थायीकरण की मांग को लेकर एक बार फिर भूख हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों का आरोप है कि लंबे समय से आंदोलन और कानूनी लड़ाई के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। एनआईटी मास्टर रोल वर्कर्स यूनियन के सभापति तपन धर ने बताया कि कर्मचारियों ने 10 अगस्त से भूख हड़ताल शुरू की थी। 13 अगस्त को बरखला के विधायक किशोर नाथ एनआईटी निदेशक के साथ आंदोलनरत कर्मचारियों से मिले थे। बातचीत के दौरान कर्मचारियों से 26 अगस्त तक आंदोलन में नरमी बरतने का अनुरोध किया गया था। इसके बाद कर्मचारियों ने भूख हड़ताल अस्थायी रूप से स्थगित कर दी थी, लेकिन आंदोलन जारी रखा। तपन धर के अनुसार, 26 अगस्त को एनआईटी निदेशक से मुलाकात के बावजूद मांगों को लेकर कोई स्पष्ट समाधान नहीं मिला। इसके बाद 27 अगस्त से कर्मचारियों ने दोबारा भूख हड़ताल शुरू कर दी।

करीब 20 वर्षों से स्थायीकरण की मांग

यूनियन का दावा है कि अस्थायी कर्मचारी करीब 20 वर्षों से स्थायीकरण की मांग कर रहे हैं। वर्ष 2024 में कर्मचारियों ने इस संबंध में उच्च न्यायालय का रुख किया था। यूनियन के अनुसार, न्यायालय के आदेश में मास्टर रोल कर्मचारियों के स्थायीकरण की दिशा में कार्रवाई की बात कही गई थी, लेकिन निर्धारित अवधि में कोई ठोस समाधान नहीं निकला। तपन धर ने बताया कि इस संबंध में एनआईटी निदेशक को ज्ञापन सौंपने के साथ जिलाधिकारी को भी आंदोलन की जानकारी दी गई थी।

भूख हड़ताल के दौरान बिगड़ी कर्मचारियों की तबीयत

यूनियन के अनुसार, दोबारा भूख हड़ताल शुरू होने के बाद कई कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ी। प्रशासन की ओर से स्वास्थ्य जांच के लिए चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों को भेजा गया। कुछ कर्मचारियों की हालत गंभीर पाए जाने के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। फिलहाल चार कर्मचारी अस्पताल में भर्ती हैं। यूनियन के मुताबिक करीब 55 कर्मचारी आंदोलन से जुड़े हैं। संगठन सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को भी नियमानुसार लाभ देने की मांग कर रहा है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग

यूनियन ने एनआईटी में स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर देने की मांग भी उठाई है। तपन धर का आरोप है कि संस्थान में कई पद खाली होने के बावजूद स्थानीय युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। यूनियन ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य एनआईटी के कामकाज को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों के अधिकार और स्थायीकरण की मांग का समाधान हासिल करना है।

शेक्सपियर की तरह रवींद्रनाथ टैगोर को भी 'राष्ट्रीय कवि' का दर्जा देने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अगरतला: विश्वकवि रवींद्रनाथ टैगोर को भारत का 'राष्ट्रीय कवि' घोषित कर संवैधानिक मान्यता देने की मांग त्रिपुरा बांग्ला अकादमी ने की है। इस संबंध में अकादमी की ओर से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय को ज्ञापन भेजा गया है। संगठन के महासचिव कृष्ण कुसुम पाल ने इसकी जानकारी दी। कृष्ण कुसुम पाल के अनुसार, 13 अगस्त 2026 को त्रिपुरा सरकार के सूचना, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के निदेशक के माध्यम से ज्ञापन (क्रमांक 216-222) केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को भेजा गया। इसकी प्रतियां प्रधानमंत्री, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री तथा त्रिपुरा सरकार के सूचना, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग को भी भेजी गई हैं। त्रिपुरा बांग्ला अकादमी ने कहा कि दुनिया के कई देशों में विशिष्ट साहित्यकारों को 'राष्ट्रीय कवि' के रूप में सम्मानित किए जाने की परंपरा रही है। रूस में अलेक्जेंडर पुश्किन और इटली में दांते अलीघिएरी अपने-अपने देशों की राष्ट्रीय सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण प्रतीक माने जाते हैं। अकादमी के मुताबिक, इसके विपरीत भारत में अब तक किसी कवि को आधिकारिक रूप से 'राष्ट्रीय कवि' का दर्जा नहीं दिया गया है। अकादमी का कहना है कि भारतीय साहित्य और संस्कृति को विश्व मंच पर जिस ऊंचाई तक रवींद्रनाथ टैगोर ने पहुंचाया, उसके सम्मान में उन्हें भारत का 'राष्ट्रीय कवि' घोषित किया जाना चाहिए। कृष्ण कुसुम पाल ने कहा कि अंग्रेजी साहित्य में विलियम शेक्सपियर का जो प्रभाव और महत्व है, बंगाली तथा भारतीय साहित्य में रवींद्रनाथ टैगोर का योगदान भी उतना ही अद्वितीय है। हालांकि, दोनों कवियों का समयकाल और ऐतिहासिक संदर्भ अलग-अलग रहे हैं। अकादमी ने टैगोर की बहुआयामी रचनात्मक प्रतिभा का उल्लेख करते हुए कहा कि कविता, गीत, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध और चित्रकला सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्ष 1913 में 'गीतांजलि' के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर उन्होंने एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार के रूप में इतिहास रचा। भारत और बांग्लादेश के राष्ट्रगान 'जन गण मन' और 'आमार सोनार बांग्ला' के रचनाकार भी रवींद्रनाथ टैगोर ही हैं। कृष्ण कुसुम पाल ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर को भारत का 'राष्ट्रीय कवि' घोषित करने की मांग तब तक जारी रहेगी, जब तक केंद्र सरकार इस संबंध में आधिकारिक निर्णय नहीं लेती।

संक्षिप्त खबरें

पंचायत सहायकों का कार्य बहिष्कार और धरना प्रदर्शन 7 से लखनऊ में

कोंच(जालौन)- पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन कोंच ब्लॉक इकाई द्वारा मंगलवार को खंड विकास अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया। यूनियन की ब्लॉक इकाई अध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में सदस्यों ने एडीओ देवीशरण को दिए अपने ज्ञापन में कहा कि विभिन्न मांगों को लेकर यूनियन के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ के ईको गार्डन में आगामी 7 सितंबर से अनिश्चितकालीन विशाल धरना प्रदर्शन प्रस्तावित है। कार्य बहिष्कार कर इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने वाले किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध कोई प्रतिकूल कार्यवाही न की जाए। उन्होंने कहा कि जब तक पंचायत सहायकों का मानदेय ग्राम पंचायत सचिवों के सापेक्ष 30 हजार रुपए मासिक अथवा प्रदेश में निर्धारित न्यूनतम कुशल मजदूरी दर के बराबर मानदेय प्रदान नहीं किया जाता है, धरना प्रदर्शन अनवरत जारी रहेगा। इसके अलावा अनुबंध संविदा प्रक्रिया को समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली बनाकर राज्य कर्मचारी का दर्जा, महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा, स्थानांतरण और समायोजन नीति लागू, पचास प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण भी प्रदान किया जाए। ज्ञापन में कहा कि उक्त सारी मांगें पूरी होने तक कार्य बहिष्कार के साथ धरना प्रदर्शन अनवरत रूप से जारी रहेगा। इस दौरान अंकित सिंह, शशेंद्र कुमार आदि पंचायत सहायक मौजूद रहे।

भाकियू बैठक में किसानों ने उठायी समस्यायें, सौंपा ज्ञापन

कोंच(जालौन)- भारतीय किसान यूनियन ब्लॉक इकाई कोंच की मासिक बैठक मंगलवार को ब्लॉक कार्यालय परिसर में आयोजित की गई। बैठक में शामिल ब्लॉक क्षेत्र के गांवों के किसानों ने अत्यधिक बारिश से खरीफ फसल के नुकसान, आवारा पशुओं और जलभराव समेत कई समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। वहीं किसानों ने अपनी मांगों को लेकर बीडीओ को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। किसानों ने कहा कि क्षेत्र में अत्यधिक बारिश से खरीफ की फसल नष्ट हो गई है। फसल नष्ट होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने शासन से दैवीय आपदा के तहत नुकसान का जल्द ही सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने के साथ फसल बीमा कंपनी से बीमा की धनराशि दिलाए जाने की मांग की है। इसके साथ ही आवारा पशुओं की समस्या को लेकर भी किसानों ने नाराजगी जताई। किसानों ने कहा कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में आवारा पशु खुले घूम रहे हैं और खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, इससे किसानों की मेहनत और लागत दोनों बर्बाद हो रही है जिसको देखते हुए आवारा पशुओं को पकड़कर उन्हें बंद किया जाए। इसके अलावा क्षेत्र के तमाम गांवों में आम रास्तों पर जलभराव, गंदगी की भी शिकायत उठाई गई और पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था कराये जाने की मांग की गई। बैठक में संगठन के तहसील महासचिव डॉ पीडी निरंजन, ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष पटेल, भगवती शरण, श्याम सिंह, वीरेंद्र सिंह फुलैला, रामनेत सिंह, राजेश पटेल सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत नगर निगम अधिकारियों ने किया शहर का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। 'मिशन क्लीन पंजाब' अभियान के दूसरे चरण के तहत शहर में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर और नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ट्रंकां वाला बाजार, गोकुल रोड, केसर गंज मंडी रोड, नवां मोहल्ला सहित आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर सफाई व्यवस्था की स्थिति देखी। इस दौरान नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यों और सफाई सेवकों की उपस्थिति की भी जांच की गई। सीनियर डिप्टी मेयर और नगर निगम कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सभी क्षेत्रों में नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा जमा नहीं होने दिया जाए। साथ ही सफाई संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। राकेश पराशर ने कहा कि नगर निगम शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में शहर में सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सीएसआई रवि शर्मा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा में माधवदेव तिथि पर भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित

श्रीभूमि: महापुरुष श्री श्री माधवदेव की पावन तिथि के अवसर पर एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी राघव चंद्र नाथ के मार्गदर्शन में किया गया। क्विज प्रतियोगिता में एनएसएस स्वयंसेविका पायल मिश्रा ने प्रथम, पिया चक्रवर्ती ने द्वितीय तथा अनुज शुक्लबैद्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में प्रिया चक्रवर्ती ने प्रथम स्थान हासिल किया। पूनम गोपे ने द्वितीय तथा प्रोश्मिता दास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिमान भट्टाचार्जी ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दोआबा में पहली सरकारी वायरस जांच प्रयोगशाला शुरू, आलू उत्पादकों को मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर। राज्य में कृषि ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी एवं रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने धोगरी स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर पोटैटो में दोआबा क्षेत्र की पहली सरकारी वायरस इंडेक्सिंग प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। करीब एक करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला बागवानी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि यह प्रयोगशाला मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की आलू उत्पादकों के हित में महत्वपूर्ण पहल है। अत्याधुनिक जांच तकनीक से लैस प्रयोगशाला बीज से फैलने वाले वायरस की शुरुआती चरण में पहचान करने में सक्षम होगी। इससे किसानों को संक्रमित बीज की बुआई से बचाने में मदद मिलेगी और फसल में बीमारी का खतरा कम होगा। उन्होंने कहा कि रोगमुक्त आलू बीज की उपलब्धता बढ़ने से किसानों को उत्पादन में होने वाले नुकसान से राहत मिलेगी तथा श्रम और आर्थिक संसाधनों की भी बचत होगी। उन्होंने बताया कि राज्य में अपनी तरह की दूसरी सुविधा होने के कारण यह प्रयोगशाला जालंधर के साथ-साथ पूरे पंजाब के आलू उत्पादकों के लिए उपयोगी साबित होगी। करतारपुर के विधायक बलकार सिंह ने कहा कि नई वायरस जांच प्रयोगशाला फसल को नुकसान से बचाने के साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी मददगार होगी। उद्घाटन समारोह में बागवानी विभाग के निदेशक मनीष कुमार, संयुक्त निदेशक गुरशरण सिंह व हरमेल सिंह, उपनिदेशक डॉ. नरिंदर पाल कलसी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के नियंत्रक अधिकारी डॉ. रूपिंदर सिंह गिल और परियोजना अधिकारी डॉ. दमनदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नशे के अड्डों पर भी चला सफाई अभियान, नौ सुनसान स्थानों की श्रमदान से सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना। एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया के निर्देश पर खन्ना पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले में व्यापक कार्रवाई की। खन्ना, समराला और पायल उपमंडलों में कुल 12 स्थानों पर तोड़फोड़ और सफाई अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य नशा तस्करी में शामिल लोगों द्वारा बनाई या इस्तेमाल की जा रही संपत्तियों पर कार्रवाई करने के साथ नशे के सेवन के लिए इस्तेमाल होने वाले सुनसान स्थानों को साफ कर आम लोगों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना रहा। अभियान के दौरान तीन मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े आरोपियों की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई। समराला के अंबेडकर कॉलोनी निवासी मनीष व रजनीश कुमार पुत्र हरिलाल, दोराहा के विश्वकर्मा रोड निवासी मनप्रीत चौधरी उर्फ भीमा पुत्र पाल चंद तथा खन्ना की मीट मार्केट निवासी निक्का पुत्र कालू की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा नशे के सेवन के लिए इस्तेमाल किए जाने की शिकायत वाले नौ सुनसान स्थानों की श्रमदान के माध्यम से सफाई कराई गई। समराला में मुख्य चौक के पीछे स्थित शराब ठेके, पुरानी मार्केट कमेटी कार्यालय, मारिया-माछीवाड़ा रोड, गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम के पास पानी की टंकी और बस स्टैंड के पास पानी की टंकी की सफाई की गई। पायल उपमंडल में धमोट और बस स्टैंड के पास तथा खन्ना में करतार नगर और मीट मार्केट क्षेत्र की भी सफाई कराई गई। अभियान में विधायक, ग्राम विकास समिति के समन्वयक एवं सदस्य, नागरिक प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। पुलिस प्रशासन ने कहा कि नशे के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई और जनभागीदारी वाले अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने केंद्रीय जेल का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए)-सह-जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमृतसर जतिंदर कौर ने 31 अगस्त को केंद्रीय जेल अमृतसर का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएलएसए के सचिव अमरदीप सिंह बैंस भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने महिला वार्ड और उच्च सुरक्षा वार्ड का दौरा कर कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा उनके कल्याण से जुड़े इंतजामों की समीक्षा की। उन्होंने कैदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और शिकायतें भी सुनीं। जेल प्रशासन को निर्देश दिए गए कि कैदियों की जायज शिकायतों का कानून के अनुसार शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पात्र कैदियों को जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में जानकारी देकर इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। जतिंदर कौर ने कहा कि कैदियों के कानूनी एवं मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्हें कानून के अनुसार कानूनी सहायता, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता और अन्य आवश्यक कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

इस अवसर पर केंद्रीय जेल के अधीक्षक राजीव कुमार अरोड़ा ने जेल प्रशासन, कैदियों के कल्याण और सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण को जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण की ओर से कैदियों के कल्याण, समय पर कानूनी सहायता और उनके अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करने की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा बताया गया।

तीन अभियुक्तों पर पुलिस ने की गैंगस्टर अधिनियम की कार्यवाही

कोंच(जालौन)- गैंग बनाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग लीडर समेत गैंग के दो सदस्यों के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने 2/3 गैंगस्टर अधिनियम की कार्यवाही की।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गैंग लीडर कल्ला उर्फ जावेद कुरैशी पुत्र लियाकत सहित गैंग के सदस्य असगर उर्फ अग्गस पुत्र मूसा कुरैशी एवं तौफ़ीक़ पुत्र नूरा उर्फ नूर मुहम्मद निवासी तीनों आराजीलेन कोंच पर 2/3 गैंगस्टर अधिनियम की कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि गैंग लीडर कल्ला कुरैशी के विरुद्ध कोंच कोतवाली सहित थाना कैलिया और थाना जालौन में गौवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम, शस्त्र अधिनियम जैसे कुल 19 मुकदमे दर्ज हैं, इसके अलावा उसके विरुद्ध वर्ष 2024 में गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत भी कार्यवाही की गई थी।

सुखबीर बादल ने सात युवाओं को यूथ अकाली दल का कार्यकारी प्रधान बनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने यूथ अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंजर से विचार-विमर्श के बाद सात मेहनती युवाओं को यूथ अकाली दल का कार्यकारी प्रधान नियुक्त किया है। इन सभी को अलग-अलग लोकसभा हलकों का प्रभारी भी बनाया गया है। इसके साथ ही विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों की नियुक्तियों की भी घोषणा की गई। आकाशदीप सिंह मिड्डूखेड़ा को बठिंडा, हरिंदर सिंह मेहराज को फरीदकोट (एससी), लवप्रीत सिंह लप्पी ईना खेड़ा को फिरोजपुर, हरपाल सिंह खडियाल को संगरूर, मनजीत सिंह मलकपुर को पटियाला, हरजोत सिंह मांगट को फतेहगढ़ साहिब (एससी) और गुरसेवक सिंह शेख को खडूर साहिब लोकसभा हलके का प्रभारी नियुक्त किया गया है। यूथ अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंजर ने बताया कि अवतार सिंह जागल को बरनाला (शहरी), रुपिंदरजीत सिंह लखेवाला को रोपड़ (ग्रामीण) और तरनजीत सिंह तरनी को रोपड़ (शहरी) का जिला प्रधान नियुक्त किया गया है। इसके अलावा बलजिंदर सिंह मिठू और मोहन सिंह नंगल अबियाणा को उपप्रधान, जबकि मनप्रीत सिंह गिल रोपड़ और लखविंदर सिंह लक्की खैराबाद को यूथ अकाली दल का संगठनात्मक सचिव नियुक्त किया गया है।

दुल्लभछड़ा में श्रीश्री ठाकुर अनुकूलचंद्र का 139 वां शुभ आविर्भाव दिवस मनाया जाएगा

दो दिवसीय भव्य आयोजन में सत्संग, धर्मसभा, मातृ समेलन एवं महाप्रसाद वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: युगपुरुषोत्तम परमप्रेममय श्रीश्री ठाकुर अनुकूलचंद्र के 139वें शुभ आविर्भाव दिवस के अवसर पर श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में दो दिवसीय जन्म-महामहोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 15 और 16 सितंबर को अस्पताल रोड स्थित सत्संग केंद्र में विभिन्न धार्मिक एवं मंगलमय कार्यक्रमों के साथ यह महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। आयोजक सूत्रों के अनुसार, आगामी 15 सितंबर, मंगलवार को शाम 4:30 बजे महोत्सव का शुभ उद्घाटन होगा। शाम 5:22 बजे सामूहिक विनति प्रार्थना, नामजप एवं श्रीश्री ठाकुर के अमीय ग्रंथों का पाठ किया जाएगा। इसके बाद शाम 7 बजे युवाओं के नेतृत्व में विशेष सत्संग का आयोजन होगा। आगामी 16 सितंबर, बुधवार को ब्रह्ममुहूर्त में वेद मांगलिकी एवं नहबत तथा प्रातः ऊषा-कीर्तन के साथ दिनभर के कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। सुबह 5:04 बजे सामूहिक विनति प्रार्थना, नामजप एवं अमीय ग्रंथों का पाठ होगा। इसके बाद सुबह 7:05 बजे सत्संग एवं नाम-संकीर्तन, सुबह 9 बजे संगीतांजलि तथा पूर्वाह्न 11:30 बजे मातृ सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसी दिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक भंडारा अर्थात महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। अपराह्न 3:30 बजे 'DP WORKS' विषय पर धर्मसभा का आयोजन होगा। शाम 5:22 बजे पुनः सामूहिक विनति प्रार्थना, नामजप एवं अमीय ग्रंथों का पाठ किया जाएगा। शाम के समय विशेष रोशनी एवं विभिन्न मंगलमय कार्यक्रमों का भी आयोजन रहेगा। आयोजकों ने बताया कि इस पावन अवसर पर जाति, धर्म, वर्ण एवं संप्रदाय के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी वर्गों के लोगों को शामिल होने का आह्वान किया गया है। श्रीश्री ठाकुर अनुकूलचंद्र के आदर्श एवं निर्देशों को सामने रखते हुए इष्टस्वार्थ की स्थापना के उद्देश्य से समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर आगे आने का संदेश दिया गया है। महोत्सव को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष सुजीत पाल, सचिव राजू दत्ता एवं कोषाध्यक्ष मानिक लाल विश्वास के नेतृत्व में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं आम लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस महामहोत्सव को सफल बनाने की अपील की है। महोत्सव से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए 9678679169 एवं 8638798810 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

मालगाड़ियों का शक्ति प्रदर्शन: उत्तर मध्य रेलवे के माल लदान ने पकड़ी तेज़ रफ़्तार, 8.2% की रिकॉर्ड वृद्धि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने हासिल की लदान में 8.2% की सालाना बढ़ोतरी और 100 से ज़्यादा मक्का रेक की ढुलाई के साथ विकास को गति दी मज़बूत ऑपरेशनल क्षमता और वाणिज्यिक गति का प्रदर्शन करते हुए, उत्तर मध्य रेलवे ने अगस्त महीने और चालू वित्त वर्ष 2026-27 की कुल अवधि, दोनों के लिए अपनी माल लदान प्रदर्शन में शानदार वृद्धि दर्ज की है। अगस्त 2026 के लिए, उत्तर मध्य रेलवे ने कुल 1.771 मिलियन टन माल लदान किया, जो पिछले साल इसी महीने में हुई 1.596 मिलियन टन लोडिंग की तुलना में 11.0% की बढ़ोतरी है। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-अगस्त 2026) के लिए कुल मिलाकर, उत्तर मध्य रेलवे ने 9.015 मिलियन टन माल लदान हासिल की–जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में हासिल 8.331 मिलियन टन की तुलना में 8.2% ज़्यादा है। माल लदान के मुख्य कारक और मक्का के लदान में उल्लेखनीय उपलब्धि

मक्का और अनाज के लदान में रणनीतिक सुधारः अनाज की लोडिंग में सालाना आधार पर टनेज में 59.6% की ज़बरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई (पिछले साल के 0.47 मिलियन टन की तुलना में 0.75 मिलियन टन)। इस वृद्धि का एक मुख्य कारण जून-अगस्त की अवधि के दौरान प्रमुख स्टेशनों पर 100 से ज़्यादा मक्का रेक (100.5 रेक) की लोडिंग थी, जिसमें प्रयागराज डिवीज़न के मैनपुरी एटा, हाथरस जंक्शन और शिकोहाबाद स्टेशन से प्रमुखतः लदान हासिल किया गया। नए सामान का लदानः उत्तर मध्य रेलवे की स्थापना के बाद पहली बार, अप्रैल 2026 से झांसी डिवीज़न के महाराजा छत्रसाल स्टेशन से डोलोमाइट की लोडिंग (26 रेक / 0.103 मिलियन टन) शुरू हुई। इसके अलावा, झांसी डिवीज़न के बरवा सागर स्टेशन से पहली बार लौह अयस्क की लोडिंग भी सफलतापूर्वक शुरू की गई।

मंडलवार विवरण

प्रयागराज मंडल : इसने ज़ोन की ग्रोथ में सबसे आगे रहते हुए साल-दर-साल 28.7% की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की। इसने पिछले साल के 2.852 मिलियन टन के मुकाबले 3.670 मिलियन टन का आंकड़ा हासिल किया (जो इसके 3.590 मिलियन टन के लक्ष्य से 2.2% ज़्यादा है)। अकेले अगस्त महीने में, प्रयागराज ने 0.693 मिलियन टन दर्ज किया, जो अगस्त 2025 के मुकाबले 23.5% ज़्यादा है।

झांसी मंडल : इसने कुल लोडिंग में 4.063 मिलियन टन हासिल किया, जो पिछले साल के 3.871 मिलियन टन के मुकाबले 5.0% की ग्रोथ है। अगस्त महीने की लोडिंग 0.785 मिलियन टन रही, जो साल-दर-साल 14.4% की बढ़ोतरी दिखाती है।

आगरा मंडल : इसने कुल मिलाकर 1.282 मिलियन टन और अगस्त 2026 के महीने में 0.293 मिलियन टन का योगदान दिया

इन नतीजों का श्रेय टीम को देते हुए, उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने बताया कि यह निरंतर सुधार सावधानीपूर्वक प्लानिंग, सक्रिय कामकाज और ग्राहकों की संतुष्टि के प्रति मज़बूत प्रतिबद्धता का सीधा नतीजा है।

नगर निगम के कर्मचारी बालू चोरी करते पकड़े गए

कूड़ा गाड़ी में भरकर ले जा रहे थे बालू,लोगों ने रोका तो मौके से भागे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। मंगलवार को गंजिया में कूड़ा उठाने वाले दो कर्मचारी बालू चोरी करते पकड़े गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें कूड़ा गाड़ी में बालू भरकर ले जाते देखा तो रोककर पकड़ लिया।पूछताछ में दोनों ने बालू चोरी की बात कबूल की, इसके बाद वे कूड़ा गाड़ी लेकर मौके से भाग निकले ।बताया जा रहा है कि दोनों कर्मचारी कई दिनों से बालू चोरी करके बेचने के लिए इकट्ठा कर रहे थे। दोनों संविदा पर काम करने वाले बताए जा रहे हैं।नगर निगम में नीलकंठ कंपनी ने संविदा पर सफाई कर्मियों को शहर की सफाई के लिए नियुक्त किया है। अलग-अलग वार्डो में सफाई करने और कूड़ा उठाने वाले कर्मचारियों को लगाया गया है। कूड़ा गाड़ी के कर्मचारी भी अलग से लगाए गए हैं।गंजिया इलाके में पिछले कई दिनों से बालू चोरी का मामला सामने आ रहा था, लेकिन चोरों का पता नहीं चल रहा था। मंगलवार को गंजिया इलाके में कूड़ा उठाने वाले कर्मचारी कूड़ा गाड़ी लेकर पहुंचे और बालू को तसले में भरकर कूड़ा गाड़ी में भरकर ले जा रहे थे। कुछ लोगों ने देखा तो कर्मचारियों को रोक लिया और पूछताछ करने लगे।नगर निगम के जोनल अधिकारी अखिलेश त्रिपाठी ने बताया कि नीलकंठ कंपनी कर्मचारियों को रखकर काम करा रही है। वीडियो में काम करने वाले कर्मचारियों को नगर निगम नहीं जानता। बालू चोरी करने वाले दोनों कर्मचारियों को कंपनी से तत्काल प्रभाव से हटाने और कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।इस मामले में जांच भी कराई जाएगी ।

संक्षिप्त खबरें

पानी में शव मिलने से मचा हड़कंप,मौके पर पहुंची पुलिस

नैनी,प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के उत्तरी लोकपुर स्थित पाल बस्ती के पीछे

मंगलवार सुबह पानी में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही नैनी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मोबिन पुत्र मुर्तजा, निवासी जहांगीराबाद (गंजीया) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अधिवक्ता के पिता व एसडीएम पेशकार की पत्नी के निधन पर शोकसभा का आयोजन

पूरनपुर (पीलीभीत) कलीनगर अधिवक्ता एसोसिएशन ने अधिवक्ता के पिता व एसडीएम पेशकार की पत्नी के निधन पर तहसील परिसर स्थित टीन शेड

में शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शोकसभा की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय ने की है। यहां अधिवक्ताओं ने साथी वकील हरीशंकर वर्मा के पिता (निधन 25 अगस्त) और कलीनगर उपजिलाधिकारी न्यायालय के पेशकार जयप्रकाश गंगवार की धर्मपत्नी (निधन 29 अगस्त) के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की। सुबह 11 बजे आयोजित इस शोक सभा के दौरान समस्त अधिवक्ताओं ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्माओं के सम्मान में दिनभर न्यायिक कार्यों से विरत रहने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया।

दो सहेलियों का 12वें दिन भी नहीं लगा सुराग, परिजन परेशान

पूरनपुर (पीलीभीत)। 12 दिन पहले लापता हुई दो सहेलियों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। जिसके चलते उनके परिजन काफी परेशान हैं। इस मामले में परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, इसके बावजूद भी पुलिस उनका सुराग नहीं लगा सकी। परिजनों ने पुलिस से जल्द दोनों को बरामद कराए जाने की मांग की है। नगर क्षेत्र के एक मोहल्ले से लापता हुई दो सहेलियों का 12 दिन बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका है। परिजनों ने दोनों की तलाश के लिए पुलिस को 22 अगस्त को सूचना दी थी, लेकिन अब तक उनका पता नहीं चलने से परिवार के लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों सहेलियां एक साथ घर से सिरसा चौराहे पर आने के की बात कहकर निकली थी।

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल में फ्रेट कस्टमर मीटिंग का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज रजनीश अग्रवाल की अध्यक्षता में फ्रेट कस्टमर मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य साइडिंग एवं फ्रेट ग्राहकों के प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर माल लदान को बढ़ावा देना, उनकी समस्याओं एवं सुझावों पर विचार-विमर्श करना तथा माल परिवहन सेवाओं को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाना था। बैठक के प्रारंभ में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट), शीरत फ़ातिमा ने सभी व्यापारिक एवं साइडिंग प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा रेलवे के साथ उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक के दौरान साइडिंग संचालन एवं माल परिवहन से संबंधित विभिन्न समस्याओं और सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित व्यापारिक प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव एवं अपेक्षाएं साझा कीं, जिन पर रेलवे अधिकारियों द्वारा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई एवं समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि माल लदान एवं माल ढुलाई के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएं तथा ग्राहकों द्वारा उठाए गए मुद्दों के समाधान हेतु फॉलोअप प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं त्वरित बनाया जाए। उन्होंने कहा कि रेलवे एवं फ्रेट ग्राहकों के बीच बेहतर समन्वय से माल परिवहन सेवाओं को अधिक समयबद्ध, पारदर्शी और ग्राहक-अनुकूल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) दीपक कुमार; वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/समन्वय, मयंक राणा; वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ एंड एफ), विकास चौरसिया; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य, अखिलेश कुमार; वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, शैलेन्द्र कुमार सिंह; वरिष्ठ मंडल इंजीनियर / समन्वय, मो. जावेद अख्तर; उप मुख्य यातायात प्रबंधक/कानपुर, अकांशु गोविल एवं उप मुख्य यातायात प्रबंधक/टूंडला; अमित आनन्द; सहायक वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट सहित मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंडल रेल प्रबंधक ने विश्वास व्यक्त किया कि रेलवे और व्यापारिक प्रतिनिधियों के बीच निरंतर संवाद एवं मजबूत समन्वय के माध्यम से प्रयागराज मंडल भविष्य में माल लदान के लक्ष्यों को पार करने में सक्षम होगा तथा फ्रेट ग्राहकों को और अधिक बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

श्रमिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सीय जांच हेतु जागरूकता शिविर का कार्यक्रम आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सहायक श्रम आयुक्त, डॉ0 संजय कुमार लाल ने बताया है कि निर्माण श्रमिकों के सर्वांगीण विकास, सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा और उत्तम स्वास्थ्य के लिए उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार, श्रमिक पंजीयन, श्रमिक नवीनीकरण के साथ-साथ श्रमिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सीय जांच हेतु जनपद के प्रमुख श्रमिक अड्डों पर दिनांक 05.09.2026 तक समय पूर्वान्ह 08 बजे से 11 बजे तक पांच दिवसीय विशेष जागरूकता कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत शहर के उन हिस्सों को लक्षित किया गया, जहाँ सुबह के समय दिहाड़ी मजदूर काम की तलाश में इकट्ठा होते हैं। आज दिनांक 01.09.2026 को विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा मटियारा रोड (अल्लापुर), रामबाग लेबर अड्डा, नैनी कॉटन मिल चौराहा लेबर अड्डा, राजापुर लेबर अड्डा एवं तेलियरगंज लेबर अड्डा पर सघन जागरूकता शिविर लगाये गये। कैम्प में उपस्थित दिहाड़ी निर्माण श्रमिकों को बार्ड की योजनाओं के लाभ उठाने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गयी तथा उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कैम्प के दौरान श्रमिकों को विशेष रूप से बी0ओ0सी0 बोर्ड द्वारा लॉन्च किये गये UP Digital Labour Chowk, मोबाइल ऐप के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इस सम्बन्ध में श्रमिकों को बताया गया कि इस ऐप के माध्यम से श्रमिक अब घर बैठे ही अपना पंजीकरण, नवीनीकरण तथा विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही इस डिजिटल प्लेटफार्म की मदद से श्रमिकों को रोजगार ढूंढ़ने और सीधे रोजगार प्रदाताओं से जुड़ने में भी मदद मिलेगी। कैम्प में उपस्थित कई श्रमिकों का मौके पर ही पंजीकरण किया गया तथा बन्द पड़े श्रमिक कार्डो का नवीनीकरण कर उन्हें दोबारा योजनाओं से जोड़ा गया। इसके अतिरिक्त श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं, यथा-कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व शिशु हितलाभ योजना, मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना एवं संत रविदास शिक्षा सहायता योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के पत्रक भी वितरित किये गये। साथ ही निर्माण श्रमिकों सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, जो ई-श्रम कार्ड से आच्छादित नहीं है, उन्हें अपना पंजीयन कराने हेतु बताया गया। श्रमिक भाइयों से यह भी अपील की गयी कि वह किसी बिचौलिए के चक्कर न पड़कर सीधे विभाग की आधिकारिक वेबसाइट या डिजिटल लेबर चौक ऐप का उपयोग करें। समस्त श्रमिक भाई-बहन अपने आधार कार्ड, बैंक पासबुक, 02 फोटो और 90 दिन के कार्य प्रमाण-पत्र के साथ इस कैम्प में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करायें और मुफ्त स्वास्थ्य लाभ उठायें। पुराने श्रमिक, जिनकी सदस्यता समाप्त हो रही है, वह भी मौके पर उपस्थित होकर अपना नवीनीकरण कराना सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी श्रमिक बोर्ड के किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रह जायें।

राहुल नगर मजदूर बस्ती का मुख्य रास्ता बाधित

बच्चों और बुजुर्गों को हो रही परेशानी, जनहित में रास्ता ठीक कराने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। गांव का मुख्य रास्ता बदहाल स्थिति में होने के बावजूद जिम्मेदारों ने उसे ठीक कराने की सुध नहीं ली। परिणाम स्वरूप बरसात और जलभराव के कारण उक्त रास्ते से आवागमन पूरी तरह बाधित है। ग्रामीण प्रशासन से जनहित में उक्त मार्ग का निर्माण कराए जाने की मांग कर रहे हैं। तहसील क्षेत्र के चंदिया हजारा स्थित मजरा राहुल नगर मजदूर बस्ती का मुख्य रास्ता पूरी तरह बाधित होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते की बदहाल स्थिति के कारण सबसे अधिक दिक्कत स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि खराब और बाधित रास्ते से होकर बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाई होती है।

बरसात और जलभराव के कारण रास्ते की स्थिति और भी खराब हो गई है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। बुजुर्गों और महिलाओं को आवागमन में विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते रास्ते की मरम्मत और निर्माण नहीं कराया गया तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है। राहुल नगर मजदूर बस्ती के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए जल्द से जल्द रास्ते का निर्माण कराया जाए। स्थानीय सुनिल, भोलू , विकास और राहुल का कहना है कि उनकी केवल इतनी ही मांग है कि बच्चों को सुरक्षित रूप से स्कूल जाने का रास्ता मिले और आम जनता को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो प्रशासन से यह मांग की है।

आश्चर्यजनक है ट्रैफिक रूल में सब गलती की सजा जनता भुगते।सरकारी गलती की कोई जिम्मेदारी नहीं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। हेलमेट नहीं पहनने पर - 1,000 का जुर्माना नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने पर - 3,000 का जुर्माना, वाहन का बीमा न होने पर - 1,000 का जुर्माना,ज़ शराब पीकर वाहन चलाने पर - 10,000 का जुर्माना, नो-एंट्री क्षेत्र में वाहन चलाने पर - 5,000 का जुर्माना, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने पर - 2,000 का जुर्माना, प्रदूषण प्रमाणपत्र (PUC) न होने पर - 1,100 का जुर्माना, तीन सवारी बैठाकर दोपहिया चलाने पर - 2,000 का जुर्माना,। 'लेकिन ' ट्रैफिक सिग्नल खराब हों - कोई जिम्मेदार नहीं, सड़कों पर गड्ढे हों - कोई जिम्मेदार नहीं, फुटपाथों पर अतिक्रमण हो - कोई जिम्मेदार नहीं, सड़कों पर स्ट्रीट लाइट न हों - कोई जिम्मेदार नहीं, सड़कों पर कचरा फैला हो - कोई जिम्मेदार नहीं, सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था न हो - कोई जिम्मेदार नहीं, सड़कें खोदकर छोड़ दी जाएँ और उनकी मरम्मत न हो - कोई जिम्मेदार नहीं, यदि आप गड्ढे में गिरकर घायल हो जाएँ - कोई जिम्मेदार नहीं, यदि आवारा गाय या अन्य पशु आपके वाहन से टकरा जाएँ, या कोई आवारा कुत्ता आपको काट ले - कोई जिम्मेदार नहीं, ऐसा लगता है कि केवल जनता ही अपराधी है, और केवल उसी को जुर्माना भरना है, प्रशासन, और सरकार को उनकी लापरवाही के लिए कभी जवाबदेह नहीं ठहराया जाता,। मानो उन पर कोई नियम लागू ही नहीं होते। किसी भी प्रकार की लापरवाही के लिए वे कभी जिम्मेदार नहीं माने जाते, क्या उन्हें भी जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए ?? जनता मेहनत करें, परेशानियाँ झेलें, कर भरें, जुर्माना भरें, और सरकार का खजाना भरें ! लेकिन सरकारी कमियों की लापर वाही और गलती के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं। यह आश्चर्य नहीं तो क्या है।

भाजपा जिला कार्यालय पर मंडल कार्यसमिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के निमित्त जिला कार्ययोजना की हुई बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत) भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर मंडल कार्य समिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के निमित्त जिला कार्य योजना की बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी गुलशन आनंद, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय परिषद सदस्य सुरेश गंगवार रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने व बैठक का संचालन जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री ने किया। बैठक की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ज्वलन से हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने बताया कि मंडल कार्यसमिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के निमित्त जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री को जिला संयोजक बनाया गया है। इस अभियान में मंडल स्तर पर प्रवास के लिए जिला पदाधिकारियों को लगाया गया है। इसी क्रम में बूथ स्तर पर बूथ समिति सत्यापन एवं प्रवास योजना के लिए मंडल एवं शक्तिकेंद्र के पदाधिकारियों को लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती मिलेगी। मुख्य अतिथि गुलशन आनंद ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा सेवा और समर्पण के भाव के साथ कार्य करती है हमारे कार्यकर्ता समाज के बीच भय और तुष्टिकरण नहीं बल्कि समाज में समरसता एवं जन कल्याण के लिए कार्य करते हैं इस दिशा में संगठन को और सशक्त करने की दिशा में ये अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय परिषद् सदस्य सुरेश गंगवार ने बताया कि हम सभी बहुत तेजी से विधानसभा

चुनावों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं ऐसे में बूथ सशक्तिकरण अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता एक मात्र ऐसी पार्टी है जिसका संगठन विस्तार पन्ना प्रमुख तक है। निश्चित रूप से केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की वजह से आगामी 2027 का चुनाव भी हम पूर्ण बहुमत से जीतने वाले हैं। इस अवसर पर जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, महादेव गाईन, जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती, नमन प्रताप राजपूत, रेखा सिंह परिहार, विकास श्रीवास्तव, आयुष मिश्रा, मान सिंह राठौर, अतिंदर पाल सिंह, मनोज गुप्ता, जिला मंत्री नागेन्द्र प्रताप, विकास वाल्मीकि, ऋचा सिंह पटेल, सत्यपाल वर्मा, सृष्टि गुप्ता, अमित कुशवाहा, पंकजा तिवारी, रेनू राज, जिला कोषाध्यक्ष विकास पाल सिंह, जिला मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार, जिला कार्यालय मंत्री पुष्पा शुक्ला, जिला आईटी संयोजक हरिओम शर्मा, जिला सोशल मीडिया संयोजक अभिनीत पांडेय, जिला सह मीडिया प्रभारी दीपक सोनकर, जिला आईटी सह संयोजक पंकज प्रजापति, जिला सोशल मीडिया सह संयोजक विजय सरकार, जिला सह कार्यालय मंत्री राम चरन लाल राठौर, जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा डाल चंद वर्मा, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा गीता मिश्रा, जिलाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा शांति स्वरूप सोनकर, जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सतनाम सिंह, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा चेतन शर्मा, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा महेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष इन्द्रेश चौहान, हर्ष प्रधान, प्यारेलाल कश्यप, उमाकांत मिश्रा, अनीता कश्यप, महेंद्र राजपूत, महेश राजपूत, कपिल सिंह, भरत राम राजपूत, प्रमोद कश्यप, सुमित सागर, सुमित गंगवार, संजीव त्रिवेदी, विजय सिंह, हजारीलाल वर्मा, भगवती सिंह, संजीव मौर्य, ब्रजेश शुक्ला, मनोज वर्मा, प्रफुल्ल मिश्रा, अंशुमन तिवारी, हर्षित चौधरी, अमनदीप मिश्रा, विवेक शुक्ला, सागर सैनी उपस्थित रहे।

बनबसा बैराज से 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से बढ़ा शारदा नदी का जलस्तर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। बनबसा बैराज से लगभग दो लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के दृष्टिगत शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने तथा तहसील पूरनपुर के नदी तटीय एवं निचले क्षेत्रों में बाढ़/जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। इसको लेकर तहसील प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों से सावधानियां बरतने की अपील की है। पूरनपुर तहसील प्रशासन द्वारा बनबसा बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद शारदा नदी का जल स्तर बढ़ जाने के कारण शारदा नदी के किनारे बसे गांव के नागरिकों से अपील की है कि शारदा नदी एवं अन्य नदियों/नालों के किनारे न जाएं तथा तेज बहाव वाले पानी में प्रवेश न करें। बच्चों को नदी, नाले एवं जलभराव वाले स्थानों से विशेष रूप से दूर रखें। जलभराव वाले रास्तों पर अनावश्यक आवागमन न करें तथा पानी के तेज बहाव वाले मार्ग को पार करने का प्रयास न करें। नदी तटीय एवं निचले क्षेत्रों में रहने वाले परिवार प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों पर तत्काल सुरक्षित एवं ऊंचे स्थान पर चले जाएं। अपने पशुओं, विशेषकर गौवंश को सुरक्षित एवं ऊंचे स्थान पर रखें। किसी भी पशु को जलभराव/तेज बहाव वाले पानी में न रहने दें। विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर एवं टूटे हुए विद्युत तारों से दूर रहें तथा जलभराव वाले स्थानों पर विद्युत उपकरणों का प्रयोग न करें। आवश्यक होने की स्थिति में घर से निकलते समय आवश्यक दस्तावेज, मोबाइल फोन, दवाइयां, पेयजल, खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं साथ रखें। किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास न करें। केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें। जनहानि, पशुहानि, मकान/फसल अथवा अन्य संपत्ति की क्षति होने पर तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचना दें। प्रशासन/पुलिस/राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दिए जा रहे सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पूर्णतः पालन करें तथा राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन का सहयोग करें। तहसील प्रशासन द्वारा नागरिकों से कहा गया है क स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। सभी नागरिकों से अपील की गई है कि घबराएं नहीं, परंतु पूर्ण सतर्कता एवं सावधानी बनाए रखें।

इंडियन आइडल पहली बार फ्री-टू-एयर सोनी पल पर होगा प्रसारित

सिंगिंग रियलिटी शो के 16वें सीजन में श्रेया घोषाल, विशाल ददलानी और बादशाह जज की भूमिका में नजर आएंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी।

ब्यूरो प्रयागराज । भारत के सबसे लोकप्रिय फ्री-टू-एयर (एफटीए) एंटरटेनमेंट चैनलों में से एक सोनी पल देशभर के दर्शकों के लिए बेहतरीन प्रतिभाओं, शानदार रियलिटी शोज़ और लोकप्रिय कहानियों को प्रस्तुत करके अपने को लगातार मजबूत कर रहा है। इसी कड़ी में सोनी पल अपने नॉन-फिक्शन कंटेंट में। देश के सबसे पसंदीदा सिंगिंग रियलिटी शोज़ में से एक इंडियन आइडल सीजन 16 का प्रीमियर 7 सितंबर से सोनी पल पर होगा। इंडियन आइडल का यह लॉन्च बेहद खास है, क्योंकि यह शो पहली बार किसी एफटीए प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जा रहा है। इसके साथ ही यह शो सोनी पल के

प्राइम-टाइम लाइन-अप में एक महत्वपूर्ण और लोकप्रिय नॉन-फिक्शन शो के रूप में शामिल हो जाएगा। 'यादों की प्लेलिस्ट' थीम पर आधारित इस शो के 82 एपिसोड में देशभर से चुने गए 18 प्रतिभाशाली गायक अपनी आवाज़ का जादू बिखेरेंगे। यह सीजन उन यादगार गीतों को समर्पित होगा, जिन्होंने अलग-अलग पीढ़ियों की यादों को संजोया है। शानदार प्रस्तुतियों से लेकर गायकों के व्यक्तिगत और प्रेरणादायक सफर तक, इंडियन आइडल 16 संगीत, पुरानी यादों और भावनाओं का खूबसूरत संगम पेश करेगा। यही वजह है कि यह शो लंबे समय से भारतीय परिवारों के पसंदीदा रियलिटी शोज़ में शामिल रहा है। जजों के पैनल में भारतीय संगीत जगत के तीन लोकप्रिय नाम श्रेया घोषाल, विशाल ददलानी और बादशाह नजर आएंगे। तीनों अपने अनुभव, संगीत की समझ और अलग अंदाज से शो को खास बनाएंगे । वहीं, आदित्य नारायण एक बार फिर शो के होस्ट की भूमिका में नजर आएंगे। भारत की लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर्स में शामिल श्रेया घोषाल अपने दशकों के संगीत अनुभव और प्रतिभा को पहचानने की बेहतरीन समझ के साथ जज की भूमिका निभाएंगी। वहीं, मशहूर म्यूजिक कंपोजर विशाल ददलानी अपनी पैनी नजर से गायकों की आवाज़, गायकी और मंच पर उनकी प्रस्तुति का आकलन करेंगे। पॉप आइकन और रैपर बादशाह भी जजों के पैनल का हिस्सा होंगे। संगीत की गहरी समझ और अपने अनुभव के साथ वे प्रतियोगियों की प्रतिभा को परखेंगे और शो में एक अलग ऊर्जा लेकर आएंगे। प्रतियोगियों की शानदार परफॉर्मेंस जजों को प्रभावित करने के साथ-साथ दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन करेगी। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए सोनी पल के एक प्रवक्ता ने कहा, 'इंडियन आइडल 16 का एफटीए प्रीमियर सोनी पल के साथ-साथ देशभर के दर्शकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके जरिए अब देश के ज्यादा से ज्यादा परिवार शो में मौजूद शानदार प्रतिभाओं, यादगार संगीत और भावनाओं से भरे सफर का आनंद ले सकेंगे इंडियन आइडल 16, 7 सितंबर से, सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे, सिर्फ सोनी पल पर।

पोषण सप्ताह के प्रथम दिवस पर पोस्टर प्रदर्शन एवं सेमिनार का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराज। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पोषण सप्ताह के प्रथम दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को संतुलित आहार, पोषक तत्वों के स्रोत, उनके कार्य तथा पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोगों के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शन एवं सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें एम.ए. प्रथम वर्ष एवं एम.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न पोषक तत्वों के खाद्य स्रोत, शरीर में उनकी भूमिका तथा उनकी कमी से उत्पन्न होने वाले रोगों पर पोस्टर एवं प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने पोषण एवं स्वास्थ्य के बीच संबंध को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश,मनोविज्ञान विभाग प्रभारी प्रोफेसर महेंद्र प्रसाद जी, गृह विज्ञान विभाग प्रभारी प्रोफेसर नीतू सिंह, डॉ. रफत अनीस, डॉ. नीति सिंह तथा महाविद्यालय के समस्त के शिक्षकगण उपस्थित रहे। प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है।

राहुल पर एफआईआर कानून के दुरूपयोग की पराकाष्ठा- प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को कानून के दुरूपयोग की पराकाष्ठा कहा है। उन्होने इस कार्रवाही पर भाजपा को आड़े हांथों लेते हुए कहा कि उत्तराखंड में भाजपा की सत्तारूढ़ राज्य सरकार के इशारे पर देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर से भाजपा का संविधान और कानून से परे जाकर तानाशाही का एक और विकृत चेहरा उजागर हुआ है। सोमवार को रामपुर खास के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने लालगंज स्थित कैंप कार्यालय पर हुई पत्रकार वार्ता में कहा कि हल्द्वानी के रामलीला मैदान में राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की रैली के बाद वहां छुआछूत के नाम पर शुद्धिकरण किया जाना देश में समरसता के माहौल को बिगाड़ने का घृणित प्रयास था।उन्होने कहा कि भाजपा की मोदी सरकार मंहगाई को लेकर मुंह चुरा रही है। सीएनजी गैस की कीमतों में बढ़ोत्तरी के साथ प्याज तथा टमाटर व चीनी के दामों में उछाल को लेकर मोदी सरकार पूंजीपतियों के दबाव में खामोश है। उन्होने कहा कि राम मंदिर चंदा चढ़ावा चोरी तथा छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल करने वाली बीजेपी इन मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष के नेताओं की आवाज दबाने के लिए ऐसे असंवैधानिक हथकंडे अपनाने से बाज नही आ रही है। लालगंज कैंप कार्यालय पर सांसद प्रमोद तिवारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन सृजन अभियान से जुड़ी गतिविधियों की जानकारियां ली। उन्होने कार्यकर्ताओं से विधायक मोना के द्वारा संचालित योजनाओं को पूर्ण कराने में सहयोग भी मांगा। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी ने कैंप कार्यालय पर जुटे फरियादियों की शिकायतों की भी सुनवाई करते हुए इनके निस्तारण का भरोसा दिलाया।

पति के साथ खेत की रखवाली करने गई महिला का दूसरे दिन भी नहीं लगा सुराग

पूरनपुर (पीलीभीत)। पति के साथ खेत की रखवाली करने गई महिला का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं लग सका। आशंका जताई जा रही है कि महिला हरदोई ब्रांच नहर में कूद गई। फिलहाल पुलिस ने महिला की गुमशुदगी दर्ज कर ली है और पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। थाना घुंघचाई क्षेत्र के गांव दिलावरपुर निवासी 28 वर्षीय महिला खेत की रखवाली के दौरान सोमवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। नहर किनारे उसकी चप्पल और दुपट्टा मिलने के बाद हरदोई ब्रांच नहर में कूदने की आशंका जताई जा रही है। घटना के दूसरे दिन मंगलवार सुबह दस बजे तक भी महिला का कोई सुराग नहीं लग सका है। गांव दिलावरपुर निवासी अशोक पुत्र फकीरेलाल सोमवार को पत्नी लक्ष्मी देवी के साथ दंदौल पुल के समीप एक किसान के खेत की रखवाली करने गए थे। अशोक के अनुसार वह पत्नी को नहर किनारे स्थित खेत के पास छोड़कर कुछ दूरी पर दूसरे खेत की ओर चले गए थे। करीब एक घंटे बाद लौटने पर लक्ष्मी वहां नहीं मिलीं।आसपास तलाश करने पर नहर पटरी के पास लक्ष्मी की चप्पल और दुपट्टा मिला। इसके बाद परिजनों को महिला के नहर में कूदने की आशंका है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और परिजनों से जानकारी ली। एसओ राजीव ने बताया कि महिला की गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच के साथ महिला की तलाश कराई जा रही है।

लगातार हुई बारिश ने गर्मी और उमस से दिलाई राहत

पूरनपुर (पीलीभीत)। कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी में लगातार हुई बारिश ने लोगों को राहत दिलाने का काम किया है। लगातार हुई बारिश से जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली, वहीं कई जगह जलभराव होने के कारण लोगों को आवागमन में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार रात से शुरू हुई बारिश का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। मंगलवार सुबह 11 बजे तक रुक-रुक कर बारिश होती रही, जिससे मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। लगातार हो रही बारिश के कारण पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली है।बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम ठंडा हो गया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और बीच-बीच में बारिश होने से लोगों को सुहावने मौसम का एहसास हुआ। हालांकि बारिश ने जहां एक ओर गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी उत्पन्न हो गई। कई स्थानों पर सड़कों और गलियों में पानी भरने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो जलभराव की समस्या और बढ़ सकती है।

दि किसान सहकारी चीनी मिल के ईटीपी प्लांट पर बैठा दिखा तेंदुआ, वीडियो वायरल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। कई दिनों से आसाम हाईवे पर तेंदुए की जगह-जगह मौजूदगी दिखाई दी। एक राइस मिल के टीन शेड पर तेंदुए के बैठे होने के बाद कभी जादोपुर गहलुईया मोड पर तो कभी खेत में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में दहशत व्याप्त थी। इस बीच बीते दिन दि किसान सहकारी चीनी मिल के ईटीपी प्लांट पर तेंदुआ बैठा हुआ दिखाई दिया। जिसका किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। भविष्य में अप्रिय घटना रोके जाने के दृष्टिगत लोग तेंदुए को पकड़कर जंगल में छुड़वाने की मांग कर रहे हैं। दि किसान सहकारी चीनी मिल परिसर के ईटीपी प्लांट पर एक तेंदुए के बैठे होने का वीडियो मंगलवार दोपहर करीब दो बजे सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद चीनी मिल कर्मचारियों और आस-पास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से तेंदुए को चीनी मिल के आस-पास तथा पिपरिया दुलई गांव के नजदीकी क्षेत्र में देखा जा रहा है। इसके बावजूद वन विभाग की ओर से तेंदुए की निगरानी और लोगों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि तेंदुए की लगातार मौजूदगी से चीनी मिल कर्मचारियों, राहगीरों और आसपास के गांवों के ग्रामीणों को खतरा बना हुआ है। शाम और सुबह के समय लोगों में विशेष रूप से भय देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल मौके पर टीम भेजकर तेंदुए की गतिविधियों की निगरानी कराने और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

महाराष्ट्र-दिल्ली में स्थ्र्क की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी, दिल्ली में 47 लाख तो महाराष्ट्र 2 करोड़ से ज्यादा नाम कटे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। महाराष्ट्र और दिल्ली में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के तहत आज, 31 अगस्त 2026 को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट यानी प्रारूप मतदाता सूची जारी कर दी गई है। घर-घर जाकर किए गए सत्यापन, फॉर्म जमा नहीं होने, रिकॉर्ड के डिजिटाइजेशन में दिक्कत और अन्य तकनीकी कारणों के चलते बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम फिलहाल प्रारूप सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। इनमें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लीकेट, विदेशी नागरिकों से जुड़े मामलों समेत अन्य श्रेणियां भी शामिल हैं। दिल्ली में कुल करीब 1 करोड़ 45 लाख पंजीकृत मतदाताओं में से 47 लाख 56 हजार 722 मतदाताओं के नाम फिलहाल ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं हैं। वहीं, करीब 97 लाख 53 हजार 507 मतदाताओं का रिकॉर्ड डिजिटाइज किया जा सका है। महाराष्ट्र में भी SIR के तहत तैयार की गई प्रारूप मतदाता सूची में करीब 2 करोड़ 7 लाख मतदाताओं के नाम फिलहाल शामिल नहीं हैं। अधिकारियों के मुताबिक, कई मामलों में फॉर्म जमा नहीं हो पाने या रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन पूरा नहीं होने के कारण नाम ड्राफ्ट रोल में नहीं आ सके हैं। प्रारूप मतदाता सूची में नाम नहीं होने का मतलब यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति का मतदान का अधिकार हमेशा के लिए खत्म हो गया है। ऐसे मतदाता अपने नाम को दोबारा सूची में शामिल कराने के लिए दावा दाखिल कर सकते हैं। 31 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक मतदाताओं को अपने दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का मौका दिया गया है। इसके बाद दावों और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया 29 अक्टूबर 2026 तक पूरी की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगी।

इनमें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लीकेट, विदेशी नागरिकों से जुड़े मामलों समेत अन्य श्रेणियां भी शामिल हैं। दिल्ली में कुल करीब 1 करोड़ 45 लाख पंजीकृत मतदाताओं में से 47 लाख 56 हजार 722 मतदाताओं के नाम फिलहाल ड्राट वोटर लिस्ट में नहीं हैं। वहीं, करीब 97 लाख 53 हजार 507 मतदाताओं का रिकॉर्ड डिजिटाइज किया जा सका है।

मतदाता महाराष्ट्र और दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर स्थ्र्क के तहत जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में अपना नाम चेक कर सकते हैं। अगर नाम सूची में नहीं मिलता है, तो निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित फॉर्म भरकर दावा किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान हाई कोर्ट के लिए नए मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। सुप्रीमकोर्ट कॉलेजियम ने 31 अगस्त, 2026 को एक नोटिफ़िकेशन जारी कर जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का चीफ़ जस्टिस नियुक्त करने की सिफ़ारिश की है। जस्टिस अग्रवाल अभी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जज हैं। यह फ़ैसला राजस्थान हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ़ जस्टिस, जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा द्वारा 'शक्तियों के दुरुपयोग' को लेकर हुए विवाद के बीच लिया गया है। कॉलेजियम ने राजस्थान हाई कोर्ट के दूसरे सबसे सीनियर जज, जस्टिस पुष्पेंद्र भाटी का भी तबादला करने का फ़ैसला किया है; वे जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के चीफ़ जस्टिस का पद संभालेंगे। इससे कुछ घंटे पहले ही, वकीलों के विरोध के बीच राजस्थान के एक्टिंग चीफ़ जस्टिस शर्मा छुट्टी पर चले गए थे। उनके द्वारा तय किए गए नए रोस्टर में 1 सितंबर से 5 सितंबर तक एक्टिंग चीफ जस्टिस के लिए कोई रेगुलर न्यायिक सुनवाई तय नहीं की गई है। जो मामले पहले उनकी बेंच को सौंपे गए थे, वे अब दूसरी बेंचों को सौंप दिए गए हैं। जस्टिस अग्रवाल अभी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जज हैं। उन्हें सितंबर 2013 में उस कोर्ट का एडिशनल जज बनाया गया था और मार्च 2016 में परमानेंट जज बना दिया गया। इस पद पर आने से पहले, उन्होंने छत्तीसगढ़ के एडवोकेट जनरल के तौर पर काम किया था। खास बात यह है कि कॉलेजियम ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि जस्टिस अग्रवाल का तुरंत राजस्थान हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाए, ताकि बाद में उन्हें वहां का चीफ जस्टिस बनाया जा सके। अगर जस्टिस अग्रवाल की नियुक्ति होती है, तो वे राजस्थान हाईकोर्ट के रेगुलर चीफ जस्टिस का पद संभालेंगे। इस कदम का मतलब यह होगा कि अगर चीफ जस्टिस के तौर पर उनकी नियुक्ति में समय भी लगता है, तो भी जस्टिस अग्रवाल राजस्थान हाई कोर्ट में सबसे सीनियर जज के तौर पर शामिल हो सकेंगे। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता ने हाल ही में भारत के चीफ़ जस्टिस (सीजेआई) को कई पत्र लिखकर राजस्थान हाई कोर्ट के एक्टिंग सीजे के तौर पर जस्टिस एसपी शर्मा द्वारा कुप्रबंधन के गंभीर आरोप लगाए थे। जस्टिस मेहता ने सीजेआई से यह भी आग्रह किया था कि जस्टिस शर्मा की जगह किसी दूसरे हाई कोर्ट से चीफ़ जस्टिस नियुक्त किया जाए, क्योंकि जस्टिस शर्मा दस महीने से ज़्यादा समय से एक्टिंग सीजे के तौर पर काम कर रहे थे। आज राजस्थान हाई कोर्ट के वकीलों ने एक्टिंग सीजे के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन शुरू किया और तय किया कि जब तक रेगुलर सीज की नियुक्ति नहीं हो जाती, वे काम से दूर रहेंगे। बाद में जस्टिस शर्मा ने 5 सितंबर तक छुट्टी पर जाने का फ़ैसला किया। वे 26 सितंबर को रिटायर होने वाले हैं।

सुभाष चंद्रा के दिवालियापन मामले में नया मोड़: मामले को NCLT अध्यक्ष के पास वापस भेजा गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। ज़ी (Zee) के फाउंडर सुभाष चंद्रा के दिवालियापन मामले में एक नया मोड़ आया है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) ने सोमवार को कहा कि लेनदारों को पेमेंट करने के चंद्रा के प्लान को मंजूरी देने के लिए कोई बहुमत वाला फ़ैसला नहीं हो पाया, क्योंकि तीसरे NCLT सदस्य की राय मूल बेंच के दोनों सदस्यों की राय से काफ़ी अलग थी [इंडिया बुल्स बनाम सुभाष चंद्रा]। बार एंड बेंच के अनुसार NCLT की बेंच, जिसमें ज्यूडिशियल मेंबर अशोक कुमार भारद्वाज और टेक्निकल मेंबर रीना सिन्हा पुरी शामिल थे, ने कहा कि इस स्टेज पर प्लान के बारे में कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। इसलिए, अब इस विवाद को कंपनीज़ एक्ट, 2013 की धारा 419(5) के तहत NCLT प्रेसिडेंट के पास नए सिरे से भेजा गया है। यह स्पष्टीकरण तीसरे सदस्य नीलेश शर्मा द्वारा 25 अगस्त को दी गई 144 पेज की राय के बाद आया है, जिसे व्यापक रूप से चंद्रा के पेमेंट प्लान को मंजूरी देने वाला माना गया था। यह विवाद 3 सितंबर, 2025 को भारद्वाज और पुरी द्वारा दिए गए अलग-अलग फ़ैसलों से शुरू हुआ था। भारद्वाज ने पेमेंट प्लान को मंजूरी दी। हालाँकि, उन्होंने इसके बाध्यकारी असर को केवल उन लेनदारों तक सीमित रखा जिन्होंने इसका समर्थन किया था। उन्होंने असहमति जताने वाले बैंकों और वित्तीय

यह विवाद 3 सितंबर, 2025 को भारद्वाज और पुरी द्वारा दिए गए अलग-अलग फ़ैसलों से शुरू हुआ था। भारद्वाज ने पेमेंट प्लान को मंजूरी दी। हालाँकि, उन्होंने इसके बाध्यकारी असर को केवल उन लेनदारों तक सीमित रखा जिन्होंने इसका समर्थन किया था। उन्होंने असहमति जताने वाले बैंकों और विीय संस्थानों को अपना कर्ज वसूलने के लिए स्वतंत्र उपाय करने की अनुमति दी। पुरी ने प्लान को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने पाया कि पर्सनल इनसॉल्वेंसी रिज़ॉल्यूशन प्रोसेस गंभीर प्रक्रियात्मक उल्लंघनों से प्रभावित थी।

संस्थानों को अपना कर्ज़ वसूलने के लिए स्वतंत्र उपाय करने की अनुमति दी। पुरी ने प्लान को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने पाया कि पर्सनल इनसॉल्वेंसी रिज़ॉल्यूशन प्रोसेस गंभीर प्रक्रियात्मक उल्लंघनों से प्रभावित थी। उन्होंने लेनदारों के वोट में चंद्रा से कथित तौर पर जुड़ी संस्थाओं को शामिल करने पर भी सवाल उठाए और रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल के कामकाज की आलोचना की। इसके बाद मामले को तीसरे सदस्य के तौर पर शर्मा के सामने रखा गया।शर्मा ने प्लान को मंजूरी दी लेकिन असहमति जताने वाले लेनदारों के प्रति भारद्वाज के नज़रिए को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि धारा 115 मंजूर किए गए पेमेंट प्लान को चुनिंदा रूप से लागू करने की अनुमति नहीं देती है। उनके अनुसार, प्लान सभी लेनदारों पर बाध्यकारी होना चाहिए, चाहे उन्होंने इसके पक्ष में वोट दिया हो या विरोध में। उन्होंने अनिल कुमार के ज़रिए 960 लोगों और सुनील जैन के ज़रिए 300 लोगों की ओर से दायर दावों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने आदेश दिया कि संबंधित पेमेंट की रकम को बाकी योग्य लेनदारों के बीच फिर से बांटा जाए। ओरिजिनल बेंच के हालिया आदेश के मुताबिक, इन अंतरों ने प्लान के कामकाज को काफी हद तक बदल दिया। इस प्रकार, मामले को NCLT अध्यक्ष के पास वापस भेज दिया गया है।इसका मतलब यह भी होगा कि NCLAT में अभी लंबित अपील अब निष्प्रभावी हो गई है।

यौन उत्पीड़न न्यायपालिका का 'डर्टी सीक्रेट', कई महिला जज शिकार, कोई नहीं बोलता: इंदिरा जयसिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट की सीनियर वकील इंदिरा जयसिंह ने न्यायपालिका में यौन उत्पीड़न को लेकर बहुत ही सनसनीखेज दावा किया है। उनके मुताबिक न्यायपालिका में महिला जजों का यौन उत्पीड़न एक 'काला रहस्य' है, जिसके बारे में कोई नहीं बोलना चाहता। उन्होंने यहां तक आरोप लगाया है कि कई महिला जज इससे पीड़ित हैं। उन्होंने इस स्थिति के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट पर उंगली उठाई है। सुप्रीम कोर्ट की सीनियर वकील इंदिरा जयसिंह का कहना है कि उनसे कई महिला जजों ने शिकायत की है कि उनके पुरुष सहयोगियों ने उनका यौन शोषण किया है। एक महिला जज की तो कथित रूप से नौकरी तक चली गई, क्योंकि उसने पुरुष जज की डिमांड पूरा करने से इनकार कर दिया। इंदिरा जयसिंह के मुताबिक,'अपने अनुभव के क्रम में, मुझे कई महिला जजों से सामना हुआ। मैंने कई महिला जजों का प्रतिनिधित्व किया है।' ये महिला जज पुरुष जजों के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत लेकर मेरे पास आई हैं, इसी वजह से मैंने अपनी किताब में लिखा कि भारतीय न्यायपालिका में यौन उत्पीड़न डर्टी सीक्रेट है। इसके बारे में कोई बात नहीं करना चाहता। लाइवलॉ की रिपोर्ट के अनुसार इंदिरा जयसिंह ने 'माय विजन ऑफ इंडिया:2047 एडी' विषय पर 29वें डीएस ब्रोकर मेमोरियल लेक्चर के दौरान अपने संबोधन में ये सनसनीखेज खुलासा किया है।जयसिंह का कहना है कि इस तरह का यौन उत्पीड़न न्याय व्यवस्था में हायरार्की की वजह से होता है। उन्होंने एक घटना का जिक्र कर बताया, जिसमें एक महिला जज का यौन उत्पीड़न हुआ था। उन्होंने कहा, 'मैं जिस महिला जज को रिप्रेजेंट कर रही थी, उसने मुझे बताया कि जब एक हाई कोर्ट (जज) रिटायर होता है, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की महिला जजों को लाइन अप के लिए कहा जाता है, एक ही रंग की साड़ी पहनने और डायनिंग रूम में प्रवेश करने वाले सभी पुरुष जजों पर फूल बरसाने को कहा जाता है। यह हायर जुडिशियरी की प्रैक्टिस है।' उन्होंने इस परंपरा की आलोचना करते हुए कहा, 'हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज जिला अदालतों की जजों से यह उम्मीद करते हैं और खासकर महिला जजों के लिए इसके बुरे नतीजे होते हैं और उसी महिला जज ने जिसने मुझे यह बताया उसे एक जज के द्वारा यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा, जिसने उससे कहा- मेरी 25वीं शादी की सालगिरह की पार्टी में आओ और एक आइटम नंबर पर डांस करो, जिसका उसने विरोध किया और नौकरी गंवा बैठी।' इससे पहले सीनियर वकील डॉ एस मुरलीधर ने भी कहा कि वरिष्ठ पुरुष सहयोगियों के द्वारा महिला जजों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं।

सजग ग्रामीण ने बचाया एटीएम, चोर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे के मौरांवा रोड स्थित एटीएम को तोड़कर कैश निकालने की कोशिश एक सजग ग्रामीण की सूझबूझ से नाकाम हो गई। ग्रामीण ने संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दी। इसके बाद सक्रिय हुई मोहनलालगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि कार सवार चोरों ने एटीएम को तोड़कर उसमें रखा कैश और मशीन के पुर्जे निकालने का प्रयास किया था। इसी दौरान ग्रामीण की

नजर संदिग्ध गतिविधि पर पड़ गई। उसने बिना देर किए पुलिस को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। घटना की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करने वाले मोहनलालगंज थाने के कांस्टेबल दिनेश कुमार और समय रहते पुलिस को सूचना देने वाले सजग ग्रामीण के प्रयास की डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक ने सराहना की। दोनों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। डीसीपी ने कहा कि ग्रामीण की सजगता और पुलिस की तत्परता से एटीएम में चोरी की वारदात समय रहते नाकाम हो गई। उन्होंने लोगों से अपील की कि आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि अपराध को समय रहते रोका जा सके।